THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 322 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ पूर्णिमा 2079 रविवार, 5 फरवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

71 सांसदों की संपत्ति में 286 प्रतिशत इजाफा

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। 2024 लोकसभा चुनाव में अभी एक साल से भी ज्यादा का वक्त बचा हुआ है। इससे पहले एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि 2009 से 2019 के लोकसभा चुनावों के बीच लगातार तीन बार चुने गए 71 सांसदों की औसत संपत्ति 286 प्रतिशत बढ़ी है। इनमें प्रति सांसद की संपत्ति में औसतन 17.59 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

अध्ययन के मुताबिक, 2009 में निर्दलीय सहित विभिन्न दलों द्वारा मैदान में उतारे गए इन 71 दोबारा निर्वाचित सांसदों की औसत संपत्ति 6.15 करोड़ रुपये थी। लेकिन 2014 में दोबारा चुने गए इन सांसदों की औसत संपत्ति बढ़कर 16.23 करोड़ रुपये हो गई। पिछले चुनाव यानी 2019 की बात करें तो 71 सांसदों की औसत संपत्ति 23.75 करोड़ रुपये हो गई।

सबसे ज्यादा हरसिमरत कौर की संपत्ति बढ़ी :

जिन सांसदों की संपत्ति सबसे ज्यादा बढ़ी है उनमें भाजपा के छह सांसद हैं। एनसीपी, शिरोमणि अकाली दल, बीजद और एआईयूडीएफ से एक-एक सांसद टॉप दस में शामिल हैं।

सबसे आगे बठिंडा सीट से शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल हैं। दस साल में पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल की संपत्ति में सबसे ज्यादा 157.68 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। 2009 में बादल की संपत्ति 60.31 करोड़ रुपये थी जो 2019 में 217.99 करोड़ रुपये हो गई।

वरुण गांधी की दौलत 12 गुना हुई

इस सूची में दूसरा नाम शरद पवार की बेटी और बारामती सीट से एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले का आता है। सुले की संपत्ति 2009 में 51.53 करोड़ रुपये थी जो 2019 में बढ़कर 140.88 करोड़ रुपये हो गई। दस साल में उनकी संपत्ति में 89.35 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ।

संपत्ति इजाफे के मामले में तीसरा नाम पुरी सीट से बीजद सांसद पिनाकी मिश्रा का आता है। दस साल में मिश्रा की संपत्ति 87.78 करोड़ रुपये बढ़ी। 2009 में उनकी संपत्ति 29.69 करोड़ रुपये थी जो 2019 में 117.47 करोड़ रुपये हो गई।

दस साल में 1124 प्रतिशत बढ़ी वरुण गांधी की संपत्ति

केंद्र की सत्ताधारी भाजपा के सांसदों में सबसे ज्यादा संपत्ति वृद्धि पीसी मोहन की हुई है। 2009 में कर्नाटक बेंगलुरू से सांसद मोहन की संपत्ति पांच करोड़ थी जो 2019 में बढ़कर 75 करोड़ हो गई। टॉप दस में पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी का भी नाम है। 2009 में वरुण की संपत्ति 4.92 करोड़ थी जो 2019 में बढ़कर 60.32 करोड़ हो गई है। उनकी संपत्ति में 1124 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इसी कड़ी में अन्य प्रमुख नाम सुल्तानपुर से भाजपा सांसद मेनका गांधी का है। 2009 में मेनका की संपत्ति 17 करोड़ थी जो 2019 में बढ़कर 55 करोड़ हो गई। लगातार तीन बार निर्वाचित सांसदों की औसत संपत्ति में वृद्धि के मामले में सबसे ज्यादा 43 भाजपा के सांसद हैं। दस साल में भाजपा के इन सांसदों की संपत्ति औसतन 15 करोड़ बढ़ी है।

2009 में इनकी औसत संपत्ति चार करोड़ थी जो 2019 में बढ़कर 20 करोड़ हो गई। इस मामले में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस है, इसके दस सांसदों की संपत्ति में औसतन दस करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। 2009 में इनकी औसत संपत्ति पांच करोड़ थी जो 2019 में वृद्धि के साथ 16 करोड़ हो गई। इस कड़ी में तीसरा नाम पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस का है। 71 में से इसके सात लोकसभा सदस्यों की संपत्ति में औसतन पांच करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। 2009 से जीत रहे तृणमूल कांग्रेस के सांसदों की औसत संपत्ति 76 लाख थी जो 2019 में बढ़कर 5.9 करोड़ हो गई। इसी तरह दो-दो सांसदों के साथ बीजद और शिवसेना क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर हैं।

एनआईए ने पीएफआई के तीन संदिग्धों को पकड़ा

पटना, 4 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य जारी है, लेकिन राम मंदिर को लेकर कई तरह धमकियां मिलती रही हैं। ऐसी ही धमकी एक बार फिर सामने आई है। इस बार अयोध्या में राम मंदिर को गिराने की धमकी दी गई है। इस मामले में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के तीन संदिग्ध सदस्यों को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार (4 जनवरी, 2023) सुबह हिरासत में लिया। तीनों को बिहार पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में मोतिहारी जिले के चकिया अनुमंडल के कुआंवां गांव से एनआईए ने हिरासत में लिया।

घर में मृत मिलीं पद्म भूषण से सम्मानित मशहूर गायिका वाणी जयराम, जांच में जुटी पुलिस

चेन्नई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। मनोरंजन जगत से एक दुखद खबर सामने आई है। इसी साल पद्म भूषण से सम्मानित हुई दिग्गज गायिका वाणी जयराम का निधन हो गया है। 77 वर्षीय गायिका चेन्नई में अपने घर में मृत पाई गई हैं। उनके निधन की खबर सामने आने के बाद ही इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है।

वाणी जयराम की मौत की जांच के लिए पुलिस भी उनके घर पर पहुंच चुकी है। वहीं, वाणी जयराम के घर काम करने वाली मलारकोडी का भी बयान सामने आ गया है। मलारकोडी ने कहा, मैंने पांच बार घंटी बजाई, लेकिन उन्होंने दरवाजा नहीं खोला। यहां तक कि मेरे पति ने भी उन्हें फोन किया लेकिन उन्होंने कॉल भी नहीं उठाया। इस घर में वह अकेले ही रहती थीं। बता दें कि वाणी जयराम ने हिंदी, तमिल तेलुगू, मलयालम, मराठा, बंगाली समेत कई भाषाओं में 10 हजार से ज्यादा गानों को अपनी आवाज दी है। बॉलीवुड फिल्म 'गुड्डी' (1971) में उन्होंने 'बोले रे पपीहा रे' गाना गया था। वाणी जयराम को सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका के लिए तीन बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और ओडिशा से राज्य पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के लिए पांच नए न्यायाधीशों की नियुक्तियों को मंजूरी

रिजिजू ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के लिए पांच नए न्यायाधीशों की नियुक्तियों को मंजूरी दे दी है। इनमें पंकज मिथल (राजस्थान हाईकोर्ट मुख्य न्यायाधीश), संजय करोल (पटना हाईकोर्ट मुख्य न्यायाधीश), पीवी संजय कुमार (मणिपुर हाईकोर्ट मुख्य न्यायाधीश), अहसानुद्दीन अमानुल्लाह (पटना हाईकोर्ट न्यायाधीश) और मनोज मिश्रा (इलाहाबाद हाईकोर्ट जज) शामिल हैं। केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू ने इसकी जानकारी दी है। इससे पहले उन्होंने प्रयागराज में कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेजियम पर चेतावनी दी है। इस देश का मालिक इस देश के लोग हैं, हम सेवक हैं। हमारी गाइड संविधान है। संविधान के अनुसार देश चलेगा। कोई किसी को चेतावनी नहीं दे सकता है। हम अपने आप को सेवक के रूप में देखते हैं।

राहुल गांधी का पीएम को पत्र

कश्मीरी पंडितों को घाटी में काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा

उन्हें भिखारी कहना गैर-जिम्मेदाराना

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के आखिरी दिन 30 जनवरी को श्रीनगर में थें। तब कश्मीरी पंडितों के एक डेलिगेशन ने उनसे मुलाकात की थी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो पन्नों की चिट्ठी लिखी है।

राहुल गांधी ने इसमें कश्मीरी पंडितों की समस्याओं के बारे में बताया है। उन्होंने लिखा कि जम्मू-कश्मीर में टारगेट कीलिंग के बीच कश्मीरी पंडितों को घाटी में काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। साथ ही उप-राज्यपाल (मनोज सिन्हा) जी द्वारा उनके लिए 'भिखारी' जैसे शब्दों का प्रयोग गैर-जिम्मेदाराना है। उन्होंने प्रधानमंत्री से कश्मीरी पंडितों की चिंताओं को दूर करने के लिए उचित कदम उठाने की अपील की।

एशिया की सबसे बड़ी हेलिकॉप्टर फैक्ट्री बनकर तैयार

> 6 फरवरी को पीएम राष्ट्र को सौंपेंगे

> 20 साल में बनाएगी 1000 से अधिक हेलिकॉप्टर

तुमकुरु, 4 फरवरी (एजेंसियां)। एशिया की सबसे बड़ी हेलिकॉप्टर फैक्ट्री बनकर तैयार हो गई है। 6 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक के तुमकुरु में एचएएल की हेलिकॉप्टर फैक्ट्री देश को सौंपेंगे। यह ग्रीनफील्ड हेलीकॉप्टर कारखाना है, जो हेलीकॉप्टर बनाने की क्षमता और इको-प्रणाली को बढ़ाएगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यहां अगले 20 साल में 4 लाख करोड़ के कारोबार के साथ 1000 से अधिक हेलिकॉप्टर बनेंगे।

हर साल बनेंगे 30 हेलिकॉप्टर :

615 एकड़ में बनी यह फैक्ट्री शुरूआत में लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर (एलयूएच) का उत्पादन करेगी। एलयूएच स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित 3-टन वर्ग का सिंगल इंजन वाला हेलिकॉप्टर है। शुरूआत में इस फैक्ट्री में हर साल करीब 30 हेलिकॉप्टर बनाए जाएंगे। फिर हर साल इसकी क्षमता को 60 से 90 हेलिकॉप्टर की दर से बढ़ाया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि एलयूएच का उड़ान परीक्षण हो चुका है।

कर्नाटक के 6000 लोगों को मिलेगा रोजगार :

एलयूएच के बाद यहां लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) और इंडियन मल्टीरोल हेलीकॉप्टर (आईएमआरएच) का निर्माण करने की भी योजना है। इसके अलावा एलसीएच, एलयूएच, सिविल एएलएच और आईएमआरएच की मरम्मत भी होगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस फैक्ट्री से प्रदेश के करीब 6000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा फैक्ट्री शुरू होने से आसपास के इलाकों में भी विकास होगा। 6 फरवरी को ही पीएम बैंगलुरू में भारत ऊर्जा सप्ताह 2023 का उद्घाटन करेंगे। यह 6 से 8 फरवरी तक चलेगा।

अदालत के लिए कोई भी मामला छोटा या बड़ा नहीं : चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने आज दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम शीर्ष अदालत से लेकर निचली अदालत की भूमिका पर चर्चा की। इस मौके पर उन्होंने अपना संबोधन भी दिया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अदालत के लिए, कोई बड़ा या छोटा मामला नहीं होता है, हर मामला महत्वपूर्ण होता है क्योंकि नागरिकों की शिकायतों से जुड़े छोटे मामलों में ही संवैधानिक और न्यायशास्त्रीय महत्व के मुद्दे सामने आते हैं। ऐसी शिकायतों को दूर करने में अदालत सादे संवैधानिक दायित्वों का पालन करती है।

हमारी अदालत लैंगिक समानता का मजबूत समर्थक :

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने आगे कहा कि हमारी अदालत लैंगिक समानता के एक मजबूत समर्थक के रूप में उभरी है, चाहे वह विरासत के कानून की व्याख्या हो या सशस्त्र बलों में महिलाओं के प्रवेश को सुरक्षित करना हो।

जामिया हिंसा मामले में शरजील इमाम को जमानत मिली

दिल्ली दंगें की साजिश के आरोप में अभी जेल में ही रहेगा

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की एक कोर्ट ने शरजील इमाम और आसिफ इकबाल तनहा को 2019 के जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में हिंसा के मामले में बरी कर दिया है। हालांकि, शरजील को अभी भी जेल में ही रहना होगा। वह दिल्ली दंगों के कॉन्सपिरेसी केस में भी आरोपी है। उसके खिलाफ कई और एफआईआर भी दर्ज हैं। वहीं, तनहा जमानत पर जेल से बाहर हैं।

शरजील को देशद्रोह के मामले में भी मिल चुकी है जमानत :

4 महीने पहले दिल्ली की एक अदालत ने शरजील इमाम को देशद्रोह के एक मामले में 30 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी थी। इसमें उन पर भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया गया था, जिसके कारण 2019 में जामिया नगर इलाके में हिंसा हुई थी।

जनवरी 2020 को हुई थी गिरफ्तारी :

इमाम तीन साल से तिहाड़ जेल में बंद है। बयान का वीडियो सामने आने के बाद शरजील

इमाम चर्चा में आ गया था। इसके बाद उसे नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन से जुड़े कई मामलों में आरोपी बनाया गया। शरजील को जनवरी, 2020 में भड़काऊ भाषण और देशद्रोह से जुड़े एक और मामले में बिहार से गिरफ्तार किया गया था।

इमाम का भाषण :

अपने भाषण में इमाम ने कहा था कि भारत से असम को अलग कर दिया जाना चाहिए। अगर हम असम की मदद करना चाहते हैं, तो हमें भारतीय सेना और सप्लाई के लिए असम का रास्ता रोकना होगा। 'चिकन नेक' मुसलमानों का है। चिकन नेक 22 किमी का हाईवे है, जो पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है।

अब तक 1153 लोग आरोपी बनाए गए :

शरजील इमाम, अमर खालिद, खलिद सैफी समेत कई लोगों को फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्व दिल्ली में हुए दंगों का मास्टर माइंड बताते हुए एंटी टेरर लॉ यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया गया है।

पूर्वोत्तर दिल्ली हिंसा को लेकर 750 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए। इस हिंसा में करीब 53 लोग मारे गए और कई लोग घायल हुए थे। दंगों से जुड़े मामलों में अब तक 250 से ज्यादा चार्जशीट दाखिल की जा चुकी हैं। इनमें 1,153 लोगों को आरोपी बनाया जा चुका है।

अंकिता हत्याकांड मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

आरोपी पुलकित आर्य की संपत्ति होगी कुर्क

पौड़ी, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अंकिता हत्याकांड मामले में पौड़ी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एसएसपी पौड़ी ने अंकिता हत्याकांड के मुख्य आरोपी पुलकित आर्य की संपत्ति कुर्क करने की संस्तुति दी है। मामले में हरिद्वार व पौड़ी के जिलाधिकारी को रिपोर्ट भेजी गई है। संगठित गिरोह बनाकर अपराध करने वाले अंकिता हत्याकांड के आरोपी पुलकित आर्य की गैंगस्टर एक्ट के तहत कुल पौने तीन करोड़ की संपत्ति जब्त करने के लिए जिलाधिकारी को रिपोर्ट गई है। बता दें, नैनीताल हाईकोर्ट ने चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी पुलकित आर्या के नार्को व पॉलीग्राफ टेस्ट कराने पर फिलहाल रोक लगा दी है। कोर्ट ने इस मामले में सरकार से तीन सप्ताह में जवाब मांगा है। वहीं, अगली सुनवाई के लिए तीन सप्ताह बाद की तिथि नियत की है। मामले की सुनवाई वेकेशन जज न्यायमूर्ति शरद कुमार शर्मा की एकलपीठ में हुई। मामले के अनुसार, अंकिता भंडारी की हत्या के मुख्य आरोपी पुलकित आर्य ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी।

तमिलनाडु में त्योहार पर मुफ्त साड़ियों के टोकन बांटते समय भगदड़

4 महिलाओं की मौत

तिरुपत्तूर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुपत्तूर के वानियामबाडी में शनिवार को भगदड़ में चार महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यहां थाईपुसम त्योहार के मौके पर एक व्यक्ति मुफ्त साड़ियां और वेश्टि (सफेद धोती) के टोकन बांट रहा था। टोकन लेने बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। इस दौरान भगदड़ मच गई। हादसे में कुछ लोगों के घायल होने की भी खबर है।

तमिल समुदाय थाईपुसम त्योहार मनाता है। यह भगवान मुरुगन की जयंती होती है। भगवान मुरुगन भगवान शिव और देवी पार्वती के छोटे पुत्र कार्तिकेय हैं। माना जाता है कि इस दिन देवी पार्वती ने भगवान मुरुगन को ताराकासुर नामक राक्षस और उसकी सेना को मारने का आदेश दिया था। जिसके बाद भगवान कार्तिकेय ने तारकासुर का वध किया। इसी की खुशी में थाईपुसम त्योहार मनाया जाता है।

बंगाल सरकार उनके मंत्रालय द्वारा आवंटित धन खर्च करने में विफल : स्मृति ईरानी

कोलकाता, 4 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार उनके विभाग द्वारा दी गई 270 करोड़ रुपये की भारी राशि का उपयोग करने और खर्च करने में विफल रही है। वह लेटेस्ट केंद्रीय बजट के विभिन्न सकारात्मक पहलुओं को उजागर करने के लिए पार्टी के अभियान के तहत कोलकाता में हैं। पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सिर्फ उनके मंत्रालय से आवंटित 27,000 लाख रुपये या 270 करोड़ रुपये की भारी राशि खर्च नहीं कर सकती है।

ईरानी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिला और बाल विकास के लिए पैसा भेज रही है। लेकिन राज्य सरकार उस फंड का उपयोग करने में असमर्थ है। उन्हें इस मामले में अपनी असमर्थता स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमकेवीवाई) और एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजनाओं के तहत आवंटित धन के उपयोग में पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, केंद्र सरकार की ओर उंगली उठाने से पहले तृणमूल कांग्रेस के नेताओं को अपने दस्तावेजों और कागजात की बेहतर जांच करनी चाहिए।

धर्मेंद्र प्रधान बनाए गए कर्नाटक प्रभारी

बेंगलुरु, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में इस साल के मध्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने कमर कस ली है। पार्टी ने शनिवार को कर्नाटक में चुनाव प्रभारी के तौर पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नियुक्त कर दिया। उनके साथ तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के अन्नामलाई को राज्य में सह-प्रभारी बनाया गया है। गौरतलब है कि कर्नाटक में सत्तासीन भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस दोनों ने अप्रैल-मई में होने वाले इन चुनावों के लिए लोगों तक पहुंच बनाने की अपनी मुहिम जोर-शोर से शुरू कर दी है। प्रधान को पहले भी कई राज्यों में चुनावों का जिम्मा सौंपा जा चुका है। पार्टी की उम्मीद रहेगी कि वह एक कुशल नेता के रूप में राज्य में संगठन को संगठित करें और स्थानीय इकाई में आंतरिक समस्याओं को दूर करें, ताकि इस महत्वपूर्ण दक्षिणी राज्य में पार्टी सत्ता बरकरार रखने के अधिकतम प्रयास कर सके।

पूर्व वित्त मंत्री का तंज : अपनी अल्पसंख्यक विरोधी नीति का खुलेआम प्रदर्शन कर रही सरकार

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने आरोप लगाया है कि सरकार अपनी अल्पसंख्यक विरोधी नीति का खुलेआम प्रदर्शन कर रही है। मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप रद्द करने के सरकार के फैसले को लेकर पूर्व वित्त मंत्री ने उक्त आरोप लगाया। बता दें कि लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा था कि उच्च शिक्षा के लिए मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप जैसी विभिन्न योजनाएं पहले से ही चल रही हैं। ऐसे में सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप को रद्द करने का फैसला लिया है।

सरकार के इस फैसले पर निशाना साधते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने ट्वीट करते हुए लिखा कि अल्पसंख्यक छात्रों के लिए मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप और विदेश में पढ़ने के लिए शैक्षिक कर्ज पर दी जाने वाली सब्सिडी रद्द करने का सरकार का फैसला मनमाना और तर्कहीन है। पहले से ही कई योजनाएं चलने के

सरकार के तर्क पर चिदंबर ने लिखा कि क्या यही फेलोशिप और सब्सिडी थी, जो अन्य योजनाओं के जैसे थी? चिदंबरम ने लिखा कि मनरेगा, पीएम किसान की तरह है। वृद्धावस्था पेंशन भी मनरेगा की तरह है। ऐसी दर्जनों योजनाएं हैं।

चिदंबरम ने आरोप लगाया कि सरकार अल्पसंख्यक छात्रों का जीवन मुश्किल बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है और आरोप लगाया कि सरकार अल्पसंख्यक विरोधी नीति का खुलेआम प्रदर्शन कर रही है। मानो ये कोई सम्मान की बात हो। चिदंबरम ने इसे शर्मनाक बताया। बता दें कि साल 2005 में सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में दूसरे समुदायों की तुलना में मुसलमान सामाजिक, आर्थिक रूप से काफी पिछड़े हुए हैं। रिपोर्ट में बताया गया था कि पूरी आबादी में जहां सात प्रतिशत स्नातक और डिप्लोमा धारक हैं।

वहीं मुसलमानों में यह आंकड़ा महज चार प्रतिशत है। सच्चर कमिटी की सिफारिशों के आधार पर साल 2009 में तत्कालीन सरकार ने उच्च शिक्षा में मुस्लिम छात्रों की मदद के लिए मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप की शुरूआत की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साल 2014-15 से 2021-22 के बीच मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप के तहत 6722 कैंडिडेट्स को चुना गया, जिन्हें 738.85 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप दी गई। इस तरह मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप के तहत अल्पसंख्यक छात्रों को हर साल करीब सौ करोड़ रुपये की फेलोशिप दी जा रही थी।

मोदी, शाह और योगी के त्रिपुरा दौरे से विस चुनाव प्रचार में आएगी तेजी

अगरतला, 4 फरवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में जल्द ही भाजपा के प्रचार में सुनामी आने वाली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छह फरवरी को और 11 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी त्रिपुरा का दौरा करेंगे। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी चुनाव प्रचार के लिए त्रिपुरा आएंगे। भाजपा के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छह फरवरी को त्रिपुरा में दो जगहों पर चुनावी रैलियों में हिस्सा लेंगे। वह दक्षिण त्रिपुरा जिले के शांतिरबाजार और खोआई जिले के खोआई शहर में प्रचार करेंगे। इसके बाद गृह मंत्री 12 फरवरी को फिर से त्रिपुरा आएंगे और चुनावी रैली में हिस्सा लेंगे। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 फरवरी को त्रिपुरा में दो स्थानों पर चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। उस दिन वे धलाई जिले के अंबासा और गोमती जिले के उदयपुर में दो स्थानों पर चुनाव प्रचार करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री 13 फरवरी को फिर त्रिपुरा आएंगे और अगरतला के स्वामी विवेकानंद मैदान में होने वाली केंद्रीय रैली में शामिल होंगे। विशेष कारणों से कार्यक्रम में बदलाव नहीं हुआ यह तय मानकर प्रदेश भाजपा केंद्रीय गृह मंत्री और प्रधानमंत्री के त्रिपुरा दौरे की तैयारियों में जुटी है। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सात फरवरी को चुनाव प्रचार के लिए त्रिपुरा आएंगे। वे दो दिन त्रिपुरा में प्रचार करेंगे। इनके अलावा भाजपा के अखिल भारतीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के 09 फरवरी को फिर से त्रिपुरा का दौरा करने की संभावना है।

लड़की से लड़का बना शख्स हुआ प्रेग्नेंट

केरल के इस ट्रांसजेंडर कपल ने दी खुशखबरी

तिरुवनंतपुरम, 4 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के कोझिकोड में रहने वाले एक ट्रांसजेंडर कपल के घर में जल्द ही नन्हा मेहमान आने वाला है. कपल जिया पावल (21) और जहाद (23) ने सोशल मीडिया के जरिये माता-पिता बनने की खुशखबरी साझा की है. कपल उम्मीद कर रहा है कि मार्च के महीने में उनका पहला बच्चा दुनिया में आएगा. जिया और जहाद ने इंस्टाग्राम के जरिये जानकारी दी कि पिछले तीन सालों से वे साथ में रह रहे हैं. कपल ने बताया कि जब हमने तीन साल पहले एक साथ रहना शुरू किया, तो हमने सोचा कि हमारा जीवन अन्य ट्रांसजेंडरों से अलग होना चाहिए. अधिकांश ट्रांसजेंडर जोड़ों का समाज के साथ-साथ उनके परिवारों द्वारा भी बहिष्कार किया जाता है. शास्त्रीय नृत्य टीचर जिया पावल ने कहा,

हम एक बच्चा चाहते थे, ताकि इस दुनिया में हमारे दिन गिने-चुने होने के बाद भी हम अपने पीछे कुछ छोड़ जाएं. जिया ने कहा कि एक ट्रांस पुरुष और ट्रांस महिला बनने की हमारी यात्रा जारी रहेगी. मैं अभी भी ट्रांस महिला बनने के लिए हार्मोन उपचार जारी रख रही हूं. डिलीवरी के छह महीने या एक साल बाद, जहाद भी ट्रांस मैन बनने के लिए इलाज फिर से शुरू करेंगे. बता दें कि जिया पावल कोझिकोड की रहने वाली हैं. वहीं जहाद तिरुवनंतपुरम से हैं. मातृत्व अवकाश पर जाने से पहले एक एकाउंटेंट के रूप में काम करते थे. दोनों ने अपनी ट्रांसजेंडर पहचान पता चलने के बाद अपने परिवार को छोड़ दिया.

काफी प्लानिंग से लिया फैसला

जिया पावल ने बताया कि उन्होंने काफी सोच-विचार के बाद बच्चा पैदा करने का फैसला लिया. उन्होंने बताया, जहाद ने पहले ही दोनों ब्रेस्ट हटा दिए थे और हम दोनों हार्मोन उपचार के साथ आगे बढ़ रहे थे. उन्हें कोझिकोड के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों से मदद मिली, जहां जाहद अगले महीने अपने बच्चे को जन्म देने वाले हैं." जिया ने बताया कि डॉक्टरों ने हमें गर्भाधान प्रक्रिया के बारे में अधिक खुलासा नहीं करने के लिए कहा है. चूंकि जहाद ने दोनों स्तनों को हटा दिया है, इसलिए हम मेडिकल कॉलेज में ब्रेस्ट मिल्क बैंक से बच्चे को दूध पिलाने की उम्मीद करते हैं.

कब जेल से रिहा होंगे नवजोत सिंह सिद्धू? पंजाब से आया ये अपडेट

चंडीगढ़, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब सरकार जेल से पांच कैदियों को रिहा करेगी लेकिन सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार को हुई कैबिनेट की बैठक में नवजोत सिंह सिद्धू की रिहाई को लेकर ना ही चर्चा हुई और ना ही नवजोत सिंह सिद्धू की फाइल को रिहाई पर विचार करने के लिए पेश किया गया। 'आजादी का अमृत महोत्सव' के मौके पर केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों के मुताबिक कैदियों की रिहाई को लेकर पंजाब के जेल विभाग द्वारा बनाई गई 51 कैदियों की लिस्ट में से सिर्फ तीन कैदियों को ही इस नियम के तहत रिहा करने की फाइलें क्लियर की गईं और आगे गवर्नर के पास फाइनल अप्रूवल के लिए भेजी गईं। पंजाब सरकार ने आजादी का अमृत महोत्सव के मौके पर दी जा रही विशेष छूट के तहत जिन तीन कैदियों को रिहा करने की मंजूरी दी है, उसमें लखबीर सिंह, रविंद्र सिंह और तसप्रीत सिंह को ही जल्द रिहाई की छूट दी गई है। पंजाब सरकार और जेल विभाग के नियमों के मुताबिक दी जाने वाली विशेष छूट के तहत अनिरुद्ध मंडल और शंभू मंडल नाम के दो कैदियों को भी जल्द रिहा होने की रियायत दी गई है। इन सबमें सिद्धू का नाम कहीं नहीं है। नवजोत सिंह सिद्धू को 34 साल पुराने रोडरेज केस में 19 मई, 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने एक साल के कारावास की सजा दी थी. हालांकि, नियमों के मुताबिक सिद्धू अप्रैल में ही रिहा हो जाएंगे. अपने एक साल की सजा के कार्यकाल के दौरान कोई पैरोल और फरलो नहीं लेने के कारण नवजोत सिंह सिद्धू अपनी सजा के तय वक्त 20 मई से करीब एक महीना पहले अप्रैल में रिहा हो सकते हैं।

लिंग समानता की मजबूत समर्थक हैं अदालतें

विरासत के कानून हों या सेनाओं में महिलाओं का प्रवेश, हर जगह पक्ष में रहे: सीजेआई चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि चाहे विरासत के कानून की व्याख्या का मामला हो या फिर सेनाओं में महिलाओं के प्रवेश को सुरक्षित करने का, हमारी अदालत लैंगिक समानता के एक मजबूत समर्थक के रूप में उभरी हैं. सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि अदालत के लिए कोई बड़ा या छोटा मामला नहीं होता है. हर मामला महत्वपूर्ण होता है क्योंकि नागरिकों की शिकायतों से जुड़े छोटे मामलों में ही संवैधानिक और न्यायशास्त्र के महत्व के मुद्दे सामने आते हैं. ऐसी शिकायतों को दूर करने में अदालत केवल अपने संवैधानिक दायित्वों का पालन करती है.

रोहतक में अवैध संबंधों के चलते हत्या

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर रची साजिश, मारपीट करने के बाद दबाया गला

रोहतक, 4 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में अवैध संबंधों के चलते एक व्यक्ति की हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पत्नी ने ही प्रेमी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। जिसके तहत बेटियों संग मिलकर मारपीट करके हुए मौत के घाट उतार दिया। जब सूचना पाकर पुलिस पहुंची तो पहले मृतक की पत्नी ने खून की उल्टी होने के बाद मौत होने की बात कही। पत्नी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने इत्फाकिया कार्रवाई की। इधर, मृतक के भाई ने पुलिस को शिकायत दी कि उसकी भाभी के गैर मर्द के साथ अवैध संबंध हैं। जिसके कारण उसकी भाभी ने ही षड्यंत्र के तहत मौत के घाट उतारा है।

गुजरात के अमरेली में भूकंप के झटके

रिएक्टर स्केल पर 3.2 मापी गई तीव्रता

अहमदाबाद, 4 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात में सौराष्ट्र क्षेत्र के अमरेली जिले में आज सुबह 3.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए. राहत की बात ये है कि भूकंप से जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है. भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने अपने ताजा अपडेट में बताया कि भूकंप सुबह सात बजकर 51 मिनट पर आया और इसका केंद्र अमरेली शहर से 43 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में जमीन की 3.2 किलोमीटर की गहराई में स्थित था. जिला आपदा प्रबंधन इकाई के एक अधिकारी ने कहा, ''भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है."अमरेली, अहमदाबाद से करीब 240 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. गौरतलब है कि गुजरात के कच्छ जिले में 30 जनवरी को 4.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें हजारों लोगों की जान गई थी. आपको बता दें कि गुजरात के कच्छ जिले में 30 जनवरी की सुबह 4.2 तीव्रता को भूंकप आया था.

मणिपुर में सुबह-सुबह भूकंप से डोली धरती, रिक्टर स्केल पर 4.0 मापी गई तीव्रता

मणिपुर में आज सुबह 06:14 मिनट पर 4.0 तीव्रता का भूकंप आया. भू के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद ने इसकी जानकारी दी। भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप का केंद्र मणिपुर के उखरुल में था। , आज सुबह आए भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। इससे फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं मिली है।इससे पहले यूपी के शामली में शुकवार की देर रात को भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.2 रही। इससे पहले भी 31 जनवरी को भी मणिपुर में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। उस समय रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.5 मापी गई थी। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया था कि मणिपुर का कामजोंग इस भूकंप का केंद्र रहा। भूकंप के ये झटके सुबह 10 बजकर 19 मिनट पर महसूस किए गए थे और इसकी गहराई जमीन से 67 किलोमीटर नीचे थी.

कलयुगी बेटे की करतूत; मां को जिंदा जलाया, पिता को दे रहा जान से मारने की धमकी

बेंगलुरु, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरू में हॉलीवुड फिल्म 'ऑर्फन' से मिलती-जुलती एक घटना सामने आई है। दरअसल, बेंगलुरु में एक दंपती ने एक अनाथ बच्चे को गोद लिया था, उस बच्चे ने अपनी मां को ही आग के हवाले कर दिया और अब पिता को भी जान से मारने की धमकी दे रहा है। इस बात की जानकारी स्थानीय पुलिस द्वारा दी गई है। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान उत्तम कुमार के तौर पर की गई है। पुलिस के मुताबिक, मंजूनाथ और उसकी पत्नी के बच्चे नहीं थे, इसलिए उन्होंने आरोपी को गोद लिया था। हालांकि, कुछ समय बाद आरोपी उत्तम कुमार ने अपने माता-पिता का अनादर करना शुरू कर दिया और उनसे नफरत भी करने लगा था।

गुलाम नबी आजाद की पार्टी के नाम को मिली चुनाव आयोग से मंजूरी

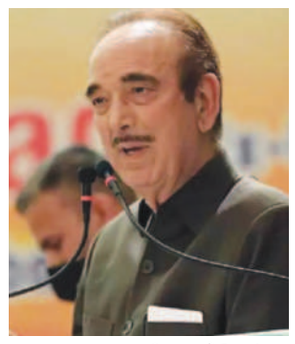

जम्मू, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस से आजाद हुए पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद की नवगठित पार्टी के प्रदेश में हजारों कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए पहचान का मामला सुलझ गया है। चुनाव आयोग ने उनकी पार्टी का नाम स्वीकृत कर लिया है और पंजीकरण भी जारी कर दिया है। लगातार तीन बार नाम भिजवाने के बाद अब पार्टी को डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी अर्थात डीपीएपी दिया गया है। नवम्बर महीने में 13 दिनों में ही उन्हें तीसरी बार पार्टी का नाम बदलना पड़ा था। 26 नवंबर को जब डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के नाम से आवेदन किया गया था तो उसके प्रति दुआ की जा रही थी कि वह अब स्वीकृत हो जाए। वैसे पार्टी के भीतरी सूत्र बताते थे कि इस नाम से गुलाम नबी आजाद नाखुश हैं क्योंकि वे पार्टी के लिए छोटा नाम चाहते थे। मगर मजबूरी में उन्हें ऐसा करना पड़ा है। वे चाहते थे कि जल्द से जल्द पार्टी का नाम स्वीकृत हो और चुनाव चिन्ह भी मिल जाए क्योंकि प्रदेश में विधानसभा चुनावों की सुगबुगाहट आरंभ हो चुकी है।

फिलहाल पार्टी को चुनाव चिन्ह मिलना बाकी है। 24 नवम्बर को गुलाम नबी आजाद की पार्टी के महासचिव की ओर से अखबारों में दिए गए विज्ञापनों के अनुसार, उनकी पार्टी के नाम को पंजीकृत करने के लिए चुनाव आयोग को दिए गए आवेदन पर आपत्तियां मांगी गई थीं क्योंकि पार्टी का नाम डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के नाम से पंजीकरण पेश किया गया था। हालांकि सितम्बर में जब गुलाम नबी आजाद ने पार्टी के गठन की घोषणा की थी तो इसका नाम डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी रखा गया था।

तब उन्होंने सैंकड़ों समर्थकों की उपस्थिति में इसकी घोषणा करते हुए 26 सितम्बर को चुनाव आयोग को आवेदन भी किया। पर चुनाव आयोग ने उस नाम को अस्वीकृत कर दिया था ।नतीजतन पार्टी के नेता और कार्यकर्ता अखबारों आदि में या सम्मेलनों में प्रतिदिन अपनी पार्टी का नाम बदलने को मजबूर हो रहे थे। इससे उनकी किरकिरी भी हो रही थी।

डोडा में दरारें: लोगों ने पूरी तरह प्रभावित इलाके को छोड़ा

एलजी बोले-ठाठरी में जोशीमठ जैसे हालात नहीं

डोडा, 4 फरवरी (एजेंसियां)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा है कि डोडा के ठाठरी इलाके में आई दरारें के मामले में प्रशासन पूरी तरह नजर बनाए हुए है। जिन 19 लोगों के घरों में दरारें आई है उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया है। इसे ज्यादा पैनिक बनाने की जरूरत नहीं है। डोडा में जोशीमठ जैसे हालात नहीं हैं। डोडा के ठाठरी में लगातार भू धंसाव की स्थिति जांचने के लिए जम्मू कश्मीर प्रशासन ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की टीम भेजी है। वह जांच कर इसकी रिपोर्ट जल्द सरकार को सौंपेगी। इस बीच लोगों ने पूरा इलाका खाली कर दिया है। उपजिलाधिकारी अतहर अमीन जरगर ने बताया कि प्रशासन और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की एक टीम उस स्थान पर मौजूद है जहां 21 घरों में दरारें आई हैं। डोडा जिले के ठाठरी की नई बस्ती में जोशीमठ की तरह दरारें आ गई है। इसकी जद में 19 घर आ गए हैं। प्रशासन ने शुक्रवार को 117 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा दिया है। अधिकारियों ने एक धार्मिक स्थल और स्कूल को भी असुरक्षित घोषित किया है। आयुक्त (डीसी) व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मौके का मुआयना कर बताया कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है। दो दिन पहले मकानों में दरारें आनी शुरू हुईं थीं, लेकिन वीरवार को एक

हिमस्खलन के बाद हालात बिगड़ने लगे। गांव में 21 घर क्षतिग्रस्त हो गए। एसडीएम ने बताया कि 19 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, इनके आवास असुरक्षित हो चुके थे। चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स तथा नेशनल हाईवे प्राधिकरण के भूगर्भशास्त्रियों ने भी मौके का निरीक्षण किया है। प्रशासन की ओर से तैयार किए गए अस्थायी आवास में शिफ्ट किए गए लोगों में से कुछ पैतृक घरों में लौट आए हैं।

गांव में दहशत

मकानों में दरारें आने की सूचना से ग्रामीणों में दहशत हैं। असुरक्षित घरों के 117 सदस्यों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इनमें ज्यादातर पुलिसकर्मी, सैन्यकर्मी, मजदूर व पूर्व सैन्य कर्मियों के परिवार के सदस्य हैं। गांव की जाहिदा बेगम ने बताया कि वह 15 साल से यहां रह रही है, लेकिन पक्के घर में दरारें आना आश्चर्यजनक है। एक अन्य ग्रामीण फारूक अहमद ने कहा कि प्रभावित लोगों के परिवारों की मदद के लिए प्रशासन तथा स्वयंसेवी संगठनों को आगे आना चाहिए।

रजामंदी से बना संबंध रेप नहीं

एससी ने आरोपी को किया बरी, दिल्ली एचसी का फैसला बदला

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली की एक अदालत और हाईकोर्ट द्वारा दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति को शादी का वादे करके एक विवाहित महिला से शारिरिक संबंध बनाने के आरोप से बरी कर दिया है. भले ही महिला ने अपने पति और तीन बच्चों को आरोपी शख्स के साथ रहने के लिए छोड़ दिया था. बता दें कि रेप का आरोपी व्यक्ति भी शादीशुदा था. दिल्ली में रहने वाले नईम अहमद को हाई कोर्ट ने सात साल कैद की सजा सुनाई थी, लेकिन न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने बलात्कार के आरोपों से बरी कर दिया. कोर्ट ने कहा कि कई कारणों से सहमति से बने शारीरिक संबंध में खटास आने के बाद अक्सर महिलाओं द्वारा बलात्कार का आरोप लगाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है. महिला की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने कहा कि निचली अदालत और उच्च न्यायालय ने सही निष्कर्ष निकाला था कि अहमद ने शादी का वादा यौन संबंध बनाने के लिए दुर्भावनापूर्ण इरादे से किया था. वहीं अहमद के वकील राज के चौधरी ने कहा कि महिला की मोटी रकम की मांग को पूरा करने में असमर्थ रहने के बाद बलात्कार की शिकायत दर्ज की गई थी.

महिला शादीशुदा थी और उसके तीन बच्चे हैं. अपने पति और बच्चों को छोड़कर, वह 2009 में अहमद के साथ भाग गई और 2011 में एक लड़का पैदा हुआ. इसके बावजूद अहमद शादी से बचता रहा. वहीं 2012 में जब उसके मूल स्थान पर गई तो पता चला कि वह विवाहित है और पहले से ही उसके बच्चे हैं. फिर भी महिला ने 2014 में अपने पति से तलाक ले लिया और अपने तीन बच्चों को उसके साथ छोड़ गई. चूंकि इन सबके बावजूद अहमद शादी से बचता रहा, जिसके बाद 2015 में महिला ने उसके खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई.

मनी लॉन्ड्रिंग केस: ईडी ने राहुल गांधी के सहयोगी से की पूछताछ

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के करीबी अलंकार सवाई से पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। इस मामले में ही टीएमसी प्रवक्ता साकेत गोखले को हाल ही में एजेंसी ने गुजरात में गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने कहा कि सवाई से पूछताछ की गई और इस सप्ताह की शुरुआत में तीन दिन तक अहमदाबाद में गोखले के सामने बिठाकर आमना-सामना कराया

गया। एक पूर्व बैंकर, सवाई को राहुल गांधी का करीबी सहयोगी माना जाता है, और उनकी शोध टीम का हिस्सा भी हैं । संघीय जांच एजेंसी ने 35 वर्षीय गोखले को 25 जनवरी को गिरफ्तार करने के बाद सवाई को तलब किया था, जब वह क्राउड फंडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से धन जुटाने में कथित वित्तीय अनियमितताओं के सिलसिले में गुजरात पुलिस की हिरासत में थे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उस दिन गोखले की रिमांड मांगते हुए अहमदाबाद की एक अदालत को सूचित किया था कि जब उनसे उनके बैंक खाते में एक साल में नकद में जमा कराए गए 23.54 लाख रुपये के बारे में पूछा गया था,

मणिपुर के इंफाल में फैशन शो वैन्यू के पास बम धमाका, जांच में जुटी पुलिस

इंफाल, 4 फरवरी (एजेंसियां)। शनिवार की सुबह मणिपुर के इंफाल के पूर्वी जिले में एक फैशन शो स्थल पर एक विस्फोट हो गया। यह घटना पूर्वी इंफाल जिले के हप्ता कांगजीबुंग इलाके में हुआ है। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन इससे आसपास के लोगों में काफी दहशत फैल गया है। इंफाल पूर्व के एसपी महारबाम प्रदीप सिंह ने कहा कि विस्फोट शनिवार सुबह करीब छह बजे हुआ है। साथ ही उन्होंने बताया कि इसमें किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने कहा, हमें संदेह है कि जो ग्रेनेड घटनास्थल पर फटा है वह एक चीनी ग्रेनेड जैसा विस्फोटक उपकरण है। इस बीच, सुरक्षाकर्मियों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और अपराधी को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। मामले की आगे की जांच चल रही है।

मुंबई वासियों को बड़ी सौगात

बीएमसी ने पेश किया 53 हजार करोड़ का बजट पिछले साल के मुकाबले 14.52 फीसदी इजाफा

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। आम बजट के बाद आज शनिवार को देश की सबसे अमीर महानगरपालिका के नाम से प्रसिद्ध महाराष्ट्र की बृहन्मुंबई महानगरपालिका(बीएमसी) ने भी अपना बजट पेश कर दिया है। इस बार बीएमसी का बजट(2023-24) अनुमान 52,619.07 करोड़ रुपये प्रस्तावित है जो 2022-23 के बजट अनुमान से 14.52% अधिक है जो कि 45,949.21 करोड़ रुपये था। 1985 के बाद यह पहली बार है कि देश के सबसे अमीर नगर निकाय के प्रशासन ने एक प्रशासक को बजट पेश किया, क्योंकि इसके नगरसेवकों का पांच साल का कार्यकाल 7 मार्च, 2022 को समाप्त हो रहा था। नागरिक निकाय के सूत्रों ने कहा कि इस साल के बजट में मुंबई में सड़कों, पुलों और जल निकासी (एसडब्ल्यूडी) के विकास और निर्माण के लिए धन का आवंटन होगा। सूत्रों ने यह भी कहा कि कई महत्वाकांक्षी परियोजनाएं जैसे गोरेगांव मुलुंड लिंक रोड (जीएमएलआर), अलवणीकरण संयंत्र और मुंबई तटीय सड़क परियोजना (एमसीआरपी) का दूसरा चरण, जो पश्चिमी उपनगरों में वर्सोवा को शहर के उत्तरी छोर में दहिसर से जोड़ेगी इसका बजट में उल्लेख मिलेगा।

चेन्नई की फार्मा कंपनी पर ड्रग कंट्रोलर का छापा, रोका प्रोडक्शन

भारत की आई ड्रॉप से अमेरिका में लोगों की गई आंखों की रोशनी

चेन्नई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर और सेंट्रल ड्रग कंट्रोल अथॉरिटी के सदस्यों ने चेन्नई स्थित दवा कंपनी ग्लोबल फॉर्मा हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड का निरीक्षण किया. कंपनी पर आरोप है कि उसकी आई ड्रॉप से अमेरिका में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि कई लोगों की आंखों की रोशनी पर असर पड़ा है. यूएस ड्रग कंट्रोलर अथॉरिटी ने बताया कि

कंपनी अपनी आई ड्रॉप की सारी खेप वापस मंगा रही है. तमिलनाडु की कंट्रोलर डॉ. पीवी विजयलक्ष्मी ने एनडीटीवी को बताया कि उन्होंने अमेरिका भेजे गए बैच से नमूने एकत्र किए हैं. इसके अलावा इस्तेमाल किए गए कच्चे माल के नमूने भी लिए हैं. हम अमेरिका से बिना खोले गए नमूनों का इंतजार कर रहे हैं. सरकार को प्रारंभिक रिपोर्ट भेज दी गई है.

अमेरिका से सैंपल मिलने का इंतजार

उन्होंने बताया कि शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात के दौरान अधिकारियों ने जांच पूरी की. कंपनी को प्रोडक्शन रोकने को आदेश दिया गया है. डॉक्टर विजयलक्ष्मी ने बताया कि कंपनी के पास निर्माण और निर्यात के लिए लाइसेंस है. साथ ही यह भी कहा कि अमेरिका से सैंपल के आने का इंतजार किया जा रहा है. सैंपल मिलने के बाद जांच आगे बढ़ेगी.

कंपनी ने दिया बयान

विवाद में घिरी दवा निर्माता कंपनी ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर ने कहा है कि वह यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) के साथ मिलकर काम कर रही है. बयान में कहा गया है कि इसने अमेरिका में उपभोक्ताओं को उत्पाद का उपयोग बंद करने की सलाह दी है, और प्रतिकूल प्रभावों का अनुभव करने वालों को तुरंत चिकित्सा सहायता लेने के लिए कहा है.

एफडीए की जांच जारी

यूएस सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर द्वारा निर्मित एज़रीकेयर आर्टिफिशियल टीयर्स आई ड्रॉप्स की सील्ड बोतलों का परीक्षण कर रहा है, जबकि एफडीए ने कहा कि यह कंपनी द्वारा बनाए गए उत्पादों के आयात को प्रतिबंधित करने के लिए आगे बढ़ा है. इससे पहले, ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर ने एक बयान जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि कंपनी उपभोक्ता स्तर पर वितरित आर्टिफिशियल टीयर्स लुब्रिकेंट आई ड्रॉप्स के सभी लॉट को स्वेच्छा से वापस बुला रही है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

बचपन और बुढापे एक जैसे होते है, दोनों को जवानी के सहारहे की, सख्त जरूरत होती है।।

गरीबों को बेहतर सेवाएं देने के प्रयास किए जाए : शांति कुमारी

मुख्य सचिव ने राजस्व मामलों की समीक्षा की

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि राज्य में गरीबों के लाभ के लिए सरकार ने जीओ नंबर 58, 59, 76 के आदेशों के अनुसार नियमितीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने और हितग्राहियों को पासबुक बांटने के लिए कदम उठाए जाएं।

राज्य सरकार की मुख्य सचिव शांतिकुमारी ने आज कई जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राजस्व संबंधी मुद्दों की समीक्षा की। बीआरकेआर भवन से शनिवार को आयोजित इस वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मंचिरयाला, सिद्धिपेट, नलगोंडा, खम्मम, रंगारेड्डी, संगारेड्डी, मेडचल मलकाजीगिरी जिलों के कलेक्टरों के साथ समीक्षा की गई। इस समीक्षा बैठक में बोलते हुए मुख्य रूप से कलेक्टरों को जीओ 58, 59,76 मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने का निर्देश दिया। इस संबंध में राजस्व अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि गरीब लोगों को बेहतर सेवाएं देने के प्रयास किए जाएं। सीएस ने कहा कि इन जीओ से जुड़े पहलुओं को फरवरी के अंत तक पूरा कर लिया जाए। इस समीक्षा बैठक में राजस्व विभाग के प्रधान सचिव नवीन मित्तल, सीसीएलए के विशेष अधिकारी सत्य शारदा, रंगारेड्डी जिला कलेक्टर हरीश, मेडचल मल्काजगिरी जिला कलेक्टर अमय कुमार सहित अन्य राजस्व अधिकारी शामिल रहे।

चुनाव के लिए पहले से बना लें कार्ययोजना : लोकेश कुमार

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त डी.एस. लोकेश कुमार ने सहायक चुनाव रिटर्निंग अधिकारियों को नवंबर से शुरू होने वाले विधानसभा, संसदीय और स्थानीय निकाय चुनावों के लिए पहले से योजना बनाने को कहा है। शनिवार को आयुक्त ने राज्य स्तरीय निर्वाचन सहायक रिटर्निंग अधिकारियों (उप तहसीलदारों) के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक प्रारंभिक कार्य की पहचान करने और त्वरित कार्रवाई करने के लिए उन्हें दो दिनों का प्रशिक्षण और परीक्षा दी गई है। चुनाव के लिए आवश्यक सामग्री प्रबंधन, कर्मियों का गठन, टीमों, ईवीएम का प्रदर्शन, रेंडमाइजेशन आदि पर विभिन्न पर डीईएमपी (जिला चुनाव प्रबंधन योजना) रखने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने कहा कि अधिसूचना से लेकर चुनाव प्रबंधन पूरा करने तक किए जाने वाले कार्यों की पूरी समझ होनी चाहिए। चुनाव के संबंध में, उन्हें एमसीसी आदर्श आचार संहिता (आचार संहिता), एमसीएमसी (मीडिया प्रमाणन, निगरानी समिति), स्ट्रांग रूम, सतर्कता दल, स्वीप वर्क्स, कंट्रोल रूम जैसे कई पहलुओं से अवगत होना चाहिए। चुनाव के संबंध में उन्हें जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 के बाद चुनाव नियम 49 एमए, फॉर्म-17 बी और 17 सी की पूरी समझ होनी चाहिए। चुनाव कराने के लिए आवश्यक सभी मिशनरियों के लिए पहले से योजना बनानी चाहिए। कार्यक्रम में डिप्टी सीईओ सत्यवती, एएसओ पांडु रंगारेड्डी, सहायक सचिव सैयद आरिफ और अन्य ने भाग लिया।

तेलंगाना में रोजगार के क्षेत्र में काफी सुधार हुआ : पल्ला राजेश्वररेड्डी

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सत्ताधारी बीआरएस पार्टी एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने आज कहा कि तेलंगाना के रोजगार क्षेत्र ने उनके शासन में काफी विकास किया है। उन्होंने कहा कि राज्य के आईटी क्षेत्र में 2.55 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया है और निवेश के माध्यम से 7 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है। उन्होंने राज्य विधान परिषद में तेलंगाना विधानमंडल के संयुक्त सत्र में राज्य की राज्यपाल तमिलिसाई सौदरराजन के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव में भाग लेते हुए ये टिप्पणी की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से राज्य के आर्थिक विकास में 128 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और कहा कि राज्य का जीएसडीपी 11.48 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रति व्यक्ति आय 3.17 लाख रुपये है। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के हालिया वार्षिक बजट में राज्य को कोई आवंटन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में तेलंगाना में आईआईटी और आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता बयाराम स्टील फैक्ट्री और काजीपेट कोच फैक्ट्री की स्थापना के बारे में भूल गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने सभी सरकारी संपत्तियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्योगपति मित्र गौतम अडानी को सौंप दिया है। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि जब सीएम केसीआर संपत्ति बना रहे थे, पीएम मोदी संपत्ति बेच रहे थे, जबकि यह देखते हुए कि राज्य के स्वामित्व वाली एलआईसी को अडानी को सौंप दिया गया था। राज्य के

कर्मचारियों के कल्याण पर टिप्पणी करते हुए, रेड्डी ने कहा कि वे पूरे देश में अपने कर्मचारियों को सबसे अधिक वेतन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश भर में सीएम केसीआर के लक्ष्यों का विस्तार करने की जरूरत है।

उच्च न्यायालय ने अधिवक्ता से बिना शर्त माफी मांगने का आदेश दिया

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन तुकारामजी की खंडपीठ ने अधिवक्ता बी. बालमुकुंद राव को बिना शर्त माफी मांगने या अदालत की अवमानना के लिए सजा का सामना करने का निर्देश दिया। अदालत राव द्वारा उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी माधवी देवी को जारी कानूनी नोटिस के आधार पर स्वत: संज्ञान लेकर अवमानना मामले पर सुनवाई कर रही थी। यह आरोप लगाते हुए कि उन्हें मामले का प्रतिनिधित्व करने का उचित अवसर नहीं दिया गया था, उनके नोटिस ने न्यायाधीश को सात दिनों के भीतर कारण बताने के लिए कहा कि क्यों न उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाए। अवमानना मामले में अधिवक्ता पर अभद्र व्यवहार करने, कोर्ट हॉल में अन्य अधिवक्ताओं पर चिल्लाने और जज को नोटिस जारी करने के आरोप लग रहे हैं। एक अन्य आरोप यह है कि न्यायमूर्ति माधवी देवी जब न्यायाधीश के सुझाव के विरुद्ध राव द्वारा दायर पर्यटन विभाग से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रही थीं। राव ने न्यायाधीश के साथ बहस की और अदालत कक्ष से बाहर चले गए। पीठ ने पाया कि अधिवक्ता न तो क्षमाप्रार्थी थे और न ही उन्हें इस बात का एहसास था कि उन्होंने उच्च न्यायालय की महिमा को कम किया है। महाधिवक्ता ने अदालत के संज्ञान में एक अन्य खंडपीठ द्वारा उनके खिलाफ जारी की गई स्वत: अवमानना और उच्च न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश के खिलाफ अधिवक्ता द्वारा दायर अवमानना मामले को लाया। पीठ ने चेतावनी दी कि उनके कार्यों ने आपराधिक अवमानना को आकर्षित किया है। इसने उनसे बार में अपने 40 साल के अनुभव के बारे में सोचने को भी कहा। पीठ ने सुझाव दिया कि वह इस मुद्दे पर फिर से सोचें और बिना शर्त माफी मांगे और मामले को 17 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया।

विश्व कैंसर दिवस के हिस्से के रूप में कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद में हुआ कार्यक्रम

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सैन्य अस्पताल, सिकंदराबाद ने विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर आज विशेष रूप से महिलाओं के लिए कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया। कैंसर जांच शिविर का उद्घाटन मोहनीश सिडाना, चेयरपर्सन, एफडब्लूओ एमसीईएमई के साथ ज्योति शंकर, चेयरपर्सन, एफडब्लूओ टीएएसए मिन्टी सुरेश चेयरपर्सन एफडब्लूओ 1 ईएमई सेंटर और डॉ. विजयश्री सिंह ने पारंपरिक दीप जलाकर किया। उन्होंने स्क्रीनिंग कैंप के रिसेप्शन, ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, ओरल कैंसर, एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर और यूएसजी क्लिनिक का दौरा किया। अतिथियों ने सैन्य अस्पताल के कर्मचारियों के बच्चों द्वारा बनाए गए प्रभावशाली पोस्टरों की भी सराहना की। श्रीमती सिडाना ने कैंसर की रोकथाम के विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार

प्रदान किए। उन्होंने कैंसर जांच के लिए आई महिलाओं से बातचीत की और उन्हें समय-समय पर जांच कराने के लिए प्रेरित किया। शिविर में योग्य ग्राहकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई है और कैंसर स्क्रीनिंग के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं आई हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञों ने उन्हें देखा और पीएपी स्मीयर एकत्र किए गए, जिसकी रिपोर्ट उन्हें उनके मोबाइल पर दी जाएगी। उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर की जांच के लिए योग्य आबादी के लिए यूएसजी और सीए 125 परीक्षण किए गए। मैक्सिलोफेशियल सर्जन ने मुंह के कैंसर के लिए उनकी जांच की। स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की जांच महिला चिकित्सा एवं नर्सिंग अधिकारियों द्वारा ही की गई ताकि अधिक से अधिक संख्या में महिलाओं को जांच कराने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। अल्ट्रासोनोग्राफी उन रोगियों के लिए की गई थी जिनमें स्तन गांठ या पेट की कोई शिकायत कैंसर का संकेत देती है। महिलाओं को कैंसर के शुरुआती निदान के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया, जिससे कुछ कैंसर को पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है। उन पर कैंसर से बचाव के पहलुओं पर जोर दिया गया। सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद की यह पहल ग्राहकों को संवेदनशील बनाने और उन्हें कैंसर का जल्द पता लगाने के लिए नियमित जांच कराने के लिए प्रेरित करने में एक लंबा रास्ता तय करेगी। मुख्य अतिथि ने विश्व कैंसर दिवस पर महान पहल और प्रयास के लिए कमांडेंट, ब्रिगेडियर संजय सिंह और उनके पूरे एमएच स्टाफ की सराहना की।

जगतियाल में दो बेटियों की लाश मिली

जगतियाल, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल ग्रामीण मंडल के नरसिंहपुर में शनिवार सुबह एक व्यक्ति और उसकी दो बेटियों की लाश मिली.

जबकि गद्दाम जलपति रेड्डी (40) का शव उनके कृषि क्षेत्र में पाया गया था, प्रणिता (11) और मधुमिता (9) के शव पास के एक कृषि कुएं में पाए गए थे। उनकी मौत का सही कारण अभी पता नहीं चला है। पुलिस ने एक सुसाइड नोट बरामद किया है, जो कथित तौर पर जलापति रेड्डी द्वारा लिखा गया है।

सुबह खेत में जलापति रेड्डी का शव मिलने वाले रिश्तेदारों ने पुलिस को सूचित किया, जिन्होंने लड़कियों की तलाश की और कुएं में उनके शव पाए। जलापति रेड्डी की पत्नी कविता के मुताबिक, तीनों शुक्रवार शाम एक शादी में शामिल होने के लिए जगतियाल गए थे। जब वे वापस नहीं लौटे तो उन्होंने फोन पर उनसे संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। उसने शनिवार को सुबह 5 बजे से 8 बजे तक दोबारा कोशिश की लेकिन नतीजा वही रहा। जगतियाल ग्रामीण सीआई कृष्ण कुमार व एसआई अनिल मामले की जांच कर रहे हैं।

राज्यपाल के अभिभाषण में केंद्र के अन्याय को उजागर करना चाहिए था : ओवैसी

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्ष के नेता और एमआईएम नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को सदन में नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने राज्यपाल के बजट अभिभाषण में तेलंगाना के साथ केंद्र द्वारा किए जा रहे अन्याय को शामिल नहीं किया। राज्यपाल के अभिभाषण पर 'धन्यवाद प्रस्ताव' के दौरान बोलते हुए, ओवैसी ने कहा कि सरकार को भाषण में यह शामिल करना चाहिए था कि कैसे मोदी सरकार तेलंगाना के खिलाफ सौतेला व्यवहार अपना रही है और कैसे राज्य को उसका उचित हिस्सा और वित्तीय सहायता नहीं दी जा रही है। विकास कार्यों को लेने के लिए।

ओवैसीने कहा कि केंद्र आठ साल बाद भी काजीपेट में कोच फैक्ट्री, बयाराम स्टील प्लांट या आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में अन्य वादों जैसे वादों को लागू करने में विफल रहा है। केंद्र ने राज्य को धन और अनुदान भी कम कर दिया और एफआरबीएम सीमा को कम कर दिया, उन्होंने कहा कि केंद्र मिशन काकतीय, मिशन भागीरथ और कालेश्वरम के लिए धन नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह सब राज्यपाल के अभिभाषण में उजागर किया जाना चाहिए था। उन्होंने स्पीकर पोचारम श्रीनिवास रेड्डी से मोदी सरकार द्वारा तेलंगाना के साथ किए जा रहे अन्याय पर चर्चा के लिए एक विशेष सत्र आयोजित करने का भी आग्रह किया।

एआईएमआईएम नेता ने राज्य सरकार द्वारा पुराने शहर क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्यक्रमों को शुरू नहीं करने पर भी नाराजगी व्यक्त की। सीएम ने पुराने शहर में कई परियोजनाओं का वादा किया था, लेकिन उनमें से अधिकांश अभी भी लंबित हैं। मैं सरकार के रवैये से निराश हूं और चाहता हूं कि वह अपने सभी वादों को पूरा करे।

डीसीएम वैन पलटने से दो की मौत, 13 घायल

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार रात मजदूरों को ले जा रही एक डीसीएम वैन के डुंडीगलरोड पर पलट जाने से दो लोगों की मौत हो गई और लगभग 13 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि घायलों में दो की हालत गंभीर है। घटना गंडीमैसामा के पास सड़क पर स्थित एचपी पेट्रोल पंप के पास आधी रात के करीब हुई। पुलिस को संदेह है कि चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया जिसके कारण यह घटना हुई। पुलिस ने शवों को गांधी अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया, जबकि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

खम्मम से लापता व्यक्ति घर लौटा, पश्चिम बंगाल में मिला

खम्मम, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लगभग दो महीने तक अपने परिवार के सदस्यों से दूर रहने के बाद, वेमुला वेंकटस्वामी के लिए यह अपने परिवार के साथ एक सुखद पुनर्मिलन रहा, जब खम्मम से लापता हो गया था और बाद में पश्चिम बंगाल में पाया गया। वेंकटस्वामी को पश्चिम बंगाल रेडियो क्लब के सचिव अंबरीश नाग बिस्वास द्वारा दक्षिण 24 परगना जिले के गंगासागर मेले में पाया गया, जिन्होंने भाषण और श्रवण बाधित बुजुर्ग व्यक्ति के मूल स्थान का पता लगाया।

वेंकटस्वामी को शुक्रवार को सुंदरबन पुलिस जिले के अतिरिक्त एसपी इंद्रोबिदोन झा, एसडीओ ए बंदोपाध्याय और काकद्वीप प्रभारी निरीक्षक शिबू घोष की मौजूदगी में उनके पुत्र रामबाबू को सौंप दिया गया। एक हैम संचालक दिबास मंडल ने आधिकारिक कार्यवाही का समन्वय किया।

इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए मंडल ने कहा कि वेंकटस्वामी के ठिकाने का पता लगाना एक मुश्किल काम है, क्योंकि वह बोल और सुन नहीं सकते हैं। लेकिन पश्चिम बंगाल

रेडियो क्लब के सचिव बिस्वास ने इसे एक चुनौती के रूप में लिया और अपने मूल स्थान का पता लगाया और बाद में खम्मम पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने सुंदरबन पुलिस जिला अधिकारियों और योगिराज श्यामाचरण सनातन मिशन के अधिकारियों को वृद्ध व्यक्ति को उसके परिवार से मिलाने में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने वेंकटस्वामी को भावभीनी विदाई दी। बात करते हुए, बिस्वास ने कहा कि काकद्वीप के निवासियों ने स्थानीय मंदिर में वेंकटस्वामी के अपने बेटे के साथ पुनर्मिलन को चिह्नित करने के लिए एक विशेष पूजा की थी और लगभग 250 लोगों को सामूहिक भोजन कराया था, जो उन्होंने आदमी की सुरक्षित वापसी के लिए मंदिर देवता से की गई मन्नत को पूरा किया है। गांव की सभी महिलाएं उन्हें विदाई देने काकद्वीप पुलिस स्टेशन गईं और वेंकटवामी के खम्मम के लिए रवाना होते ही उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े और भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि जब वह वहां रह रहे थे तो पूरे गांव का उनके साथ एक भावनात्मक रिश्ता बन गया था। रामबाबू ने कहा कि वह अपने पिता को दोबारा देखकर बहुत खुश हैं और उनके पिता उन्हें देखकर रोने लगे।

हाईकोर्ट ने बीआरएस सांसद की संपत्ति कुर्क करने के ईडी के कदम पर रोक लगाई

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश उज्जल भुइयां ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यवाही और खम्मम के सांसद नामा नागेश्वर राव की संपत्तियों की कुर्की पर रोक लगा दी. बीआरएस सांसद ने मधुकॉन ग्रुप की सहायक कंपनी रांची एक्सप्रेसवे लिमिटेड के खिलाफ कथित धोखाधड़ी के लिए रांची में सीबीआई अदालत के मुकदमे से जुड़े एक मामले में ईडी की कार्यवाही को रद्द करने की मांग की। रांची की इस फर्म पर 360 करोड़ रुपये के बैंक ऋण के दुरुपयोग के आरोप लगे हैं। सांसद के वकील ई वेंकट सिद्दार्थ ने प्रस्तुत किया कि याचिकाकर्ता विधेय अपराध में आरोपी नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि याचिकाकर्ता का रांची एक्सप्रेसवे लिमिटेड और मधुकॉन समूह की कंपनियों से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि न तो वह उक्त फर्मों के निदेशक थे और न ही कर्मचारी। इसके अलावा, सीबीआई, रांची द्वारा दायर चार्जशीट और ईडी की जांच में, याचिकाकर्ता का नाम परिलक्षित नहीं हुआ। ईडी की ओर से पेश हुए साउथ जोन के असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल ने स्टे के खिलाफ आपत्ति जताई।

हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने सांसद के खिलाफ ईडी की कार्यवाही पर रोक लगाते हुए अंतरिम आदेश दिया।

अपहृत बच्चे माता-पिता के पास लौट आए

करीमनगर, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला द्वारा कथित रूप से अगवा किए गए दो बच्चों के माता-पिता ने अपने बच्चे वापस मिलने से राहत की सांस ली. हालांकि अपहरण 1 जनवरी को हुआ था, लेकिन यह शनिवार को सुर्खियों में आया जब बच्चों को उनके माता-पिता को लौटा दिया गया। करीमनगर शहर के मनकममाथोटा के मिदिदोद्दी लोकेश (9) और मदसी सुक्षिता (11) का 1 जनवरी को कथित तौर पर उसी इलाके की एक जयश्री द्वारा अपहरण कर लिया गया था। जयश्री ने कथित तौर पर बच्चों को चॉकलेट का लालच दिया और उन्हें महाराष्ट्र ले गई। बच्चों के मुताबिक, वे एक जनवरी को करीमनगर से जयश्री के पैतृक स्थान औरंगाबाद जाने के लिए ट्रेन में सवार हुए थे। उसने कथित तौर पर बच्चों को पीटा क्योंकि उन्होंने ट्रेन में चढ़ने से इनकार कर दिया था।

बच्चों के पास एक मोबाइल फोन था और जब माता-पिता ने फोन किया, तो जयश्री ने उन्हें बताया कि बच्चे उसके साथ हैं और वे एक घंटे के भीतर घर पहुंच जाएंगे। गुरुवार सुबह जब ट्रेन जालना रेलवे स्टेशन पर रुकी तो बच्चे ट्रेन से उतर गए। इस बात से नाराज होकर उसने फिर से उनकी पिटाई की और मोबाइल फोन तोड़ दिया। यह देखकर रेलवे सुरक्षा बल के पुलिसकर्मियों में संदेह पैदा हो गया और उन्होंने हस्तक्षेप किया, जिसके बाद बच्चों को जयश्री से ले जाकर बाल कल्याण समिति के अधिकारियों को सौंप दिया गया, जिन्होंने उन्हें बाल गृह में स्थानांतरित कर दिया।

माता-पिता, जिन्हें सूचित किया गया था, फिर जालना पहुंचे और बच्चों को शनिवार को वापस करीमनगर ले आए। पुलिस के मुताबिक, जयश्री करीमनगर कस्बे में कार्यरत एक डॉक्टर की मां है। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के मूल निवासी डॉक्टर का परिवार करीमनगर में रहता है। हालांकि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि उसने बच्चों को औरंगाबाद ले जाने की कोशिश क्यों की, जयश्री कथित तौर पर मानसिक रूप से परेशान है। पुलिस जांच कर रही है।

दंपत्ति ने की आत्महत्या की कोशिश, पति की मौत, पत्नी गंभीर

खम्मम, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कामेपल्ली मंडल के मद्दुलपल्ली गांव में शनिवार को एक व्यक्ति और उसकी पत्नी ने अपने घर में कीटनाशक खाकर कथित तौर पर आत्महत्या करने का प्रयास किया। खम्मम के जिला अस्पताल ले जाने के दौरान लकमैया (52) की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी पद्मा की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनके चरम कदम के पीछे स्वास्थ्य मुद्दों को कारण बताया गया था।

सीपीएम ने केंद्र से कपास की फसल को एमएसपी देने की मांग की

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम पार्टी रोजी ने केंद्र सरकार से राज्य के कपास किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मुहैया कराने की मांग की है। उन्होंने कपास की फसल की बिक्री में बिचौलियों की व्यवस्था के अस्तित्व के मुद्दे पर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने और बिचौलियों के खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग की। सीपीएम के राज्य सचिव तम्मिनेनी वीरबद्रम ने एक बयान में कहा कि भारी बारिश के कारण इस साल राज्य में कपास की फसल का उत्पादन काफी कम हो गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को 15 क्विंटल प्रति एकड़ की जगह मात्र 5 क्विंटल प्रति एकड़ उपज मिली है। उन्होंने कहा कि बिचौलियों के आने से सीजन की शुरुआत में कपास की फसल की कीमत जो 9800 रुपये प्रति क्विंटल थी, वह घटकर 7000 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गई। उन्होंने आरोप लगाया कि बिचौलिए विपणन एजेंसियों और कॉरपोरेट कंपनियों के सहयोग से मुनाफा कमाने के लिए कपास किसानों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य और केंद्र सरकारें बिचौलियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही हैं। उन्होंने केंद्र सरकार को बताया कि एक अनुमान के मुताबिक राज्य के कपास किसानों ने 50 लाख एकड़ जमीन से 60 लाख गांठ कपास का उत्पादन किया है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कपास की कीमत 12000 प्रति क्विंटल है, केंद्र सरकार ने 6600 प्रति क्विंटल का एमएसपी तय किया है। उन्होंने कहा कि राज्य के किसान न केवल कपास की फसल की खेती के लिए प्रति एकड़ 50,000 रुपये खर्च कर रहे हैं, बल्कि कपास की कम एमएसपी के कारण 15,000 रुपये प्रति क्विंटल का नुकसान भी उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए और बिचौलियों के खिलाफ कार्रवाई करने के अलावा कपास किसानों को उचित एमएसपी प्रदान करना चाहिए।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, 6948441P NK SHGD MAHADEV AVARADE, OF UNIT: AOC CENTRE, ADM BN, C/O 56 APO, My Daughter name changed from SANSKRUTI to SANSKRUTI MAHADEV AVARADE (affidavit dt. 03.02.2023)

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बिजनौर में 4 साल की बेटी को लेकर चलती ट्रेन के आगे कूदी महिला, दोनों की मौत

स्योहारा, 4 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बिजनौर जिले के स्योहारा से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है. यहां पारिवारिक कलह के चलते एक महिला ने अपनी चार वर्षीय बच्ची के साथ मालगाड़ी के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली. घटना मेवा नवादा रेलवे स्टेशन की है. शाम को 30 साल की सबा इकबाल नामक महिला अपनी 4 वर्षीय बेटी आरिफा के साथ सामने से आ रही मालगाड़ी के आगे कूद गई. ट्रेन से कटकर मां-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई. स्योहारा के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राजीव चौधरी ने बताया कि घटना का कारण पारिवारिक कलह बताया जा रहा है. सबा ने दो साल पहले पति से तलाक के बाद दूसरा निकाह किया था और आरिफा उसके पहले पति की संतान थी. फिलहाल मामला दर्ज करके जांच की जा रही है. सबा और आरिफा के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है.

सियासत में मचा 'शूद्र' का शोर

सब सियासी फायदे के लिए अपने-अपने ढंग से कर रहे हैं परिभाषित

लखनऊ, 4 फरवरी (एजेंसियां)। आम जनमानस के मुद्दों की डोर जैसे हाथ से फिसल गई है। रामचरित मानस से उपजे विवाद में अब यह बात पीछे छूट गई है कि केवट कौन थे और राम किसके हैं। इस समय सियासत में 'शूद्र' शब्द पर संग्राम चल रहा है। उपेक्षित और कमजोर वर्ग को परिभाषित करने वाले शब्द की राजनीतिक दल अपने-अपने हिसाब से व्याख्या कर रहे हैं। इस वर्ग की समस्याओं को उठाने की बजाय ताकत यह बताने में लगाई जा रही है कि हम भी शूद्र हैं और इनके शुभचिंतक हैं। दरअसल जिन्हें शूद्र कहा जा रहा है, वोट के लिहाज से उनकी सियासी हैसियत निर्णायक मानी जाती है। यही कारण है कि इस वर्ग को अपने साथ खड़े करने की होड़ मची है। प्रकरण की शुरुआत रामचरित मानस पर बिहार के एक मंत्री की टिप्पणी से हुई थी। मामले ने तूल उस समय पकड़ा, जब सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरित मानस पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर दी। उन्होंने दलितों और महिलाओं का अपमान किया गया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने भगवान राम पर कोई टिप्पणी नहीं की है। उधर, प्रदेश सरकार की माध्यमिक शिक्षा मंत्री राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने भी मोर्चा संभाला। कहा कि, भाजपा सरकार में शूद्रों को सम्मान मिला है। इसका बड़ा उदाहरण उन्होंने खुद को बताया। इसके पक्ष और विपक्ष में इस तरह के कई बयान आए और लगातार इस पर बहस चल रही है। उधर, मामला तब और गरमा गया जब इस मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कूद पडे.। उन्होंने कहा कि भाजपा हम सबको शूद्र समझती है। वह एक बार मुख्यमंत्री से चौपाई पढ़कर सुनाने को जरूर कहेंगे। सदन में जरूर इस बारे में पूछेंगे। उधर, सीएम योगी ने भी कहा कि वह इस मामले पर बहस को तैयार हैं। प्रदेश में हुए विकास से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सपा इस तरह के मुद्दे उठा रही है।

शूद्रों की वकालत से पहले स्टेट गेस्ट हाउस कांड याद करें अखिलेश : मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने रामचरितमानस प्रकरण को लेकर सपा पर हमला बोला है। मायावती ने ट्वीट कर कहा है कि देश में कमजोर एवं उपेक्षित वर्गों का ग्रंथ रामचरितमानस व मनुस्मृति नहीं बल्कि भारतीय संविधान है। इसमें बाबा साहब ने इन्हें शूद्रों की नहीं बल्कि एससी, एसटी व ओबीसी की संज्ञा दी है। सपाई शूद्र कहकर उनका अपमान न करें और न ही संविधान की अवहेलना करें। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख को इनकी वकालत करने से पहले लखनऊ गेस्ट हाउस के 2 जून 1995 की घटना को भी याद कर अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। याद करना चाहिए कि जब सीएम बनने जा रही एक दलित की बेटी पर सपा सरकार ने जानलेवा हमला कराया था। वैसे भी यह जगजाहिर है कि देश में एससी, एसटी, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के आत्मसम्मान एवं स्वाभिमान की कदर बीएसपी में ही है।

मायावती का बयान भाजपा की होशियारी : अखिलेश

मायावती के बयान पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा को घेरा। कहा कि भाजपा होशियार पार्टी है। वो जिस जवाब को नहीं देना चाहती है, इसके लिए वह कभी-कभी दूसरे दलों को आगे करती है। हम सपाइयों के लिए सबसे बड़ा कोई धर्म है तो वह संविधान है। संविधान में कहां कहा गया है किधर्म को ऊंचा-नीचा दिखाएं। डॉ. भीमराव आंबेडकर, राम मनोहर लोहिया ने जो आंदोलन चलाया, जो लड़ाई लड़ी क्या उसके तहत हमें अधिकार मिल रहे हैं। भाजपा वही अधिकार छीन रही है।

गठबंधन किया था.. अब गेस्ट हाउस कांड याद न करें मायावती : मौर्य

इधर स्वामी प्रसाद मौर्य ने मायावती पर पलटवार किया। उन्होंने एक चैनल से बातचीत में कहा कि अब मायावती को गेस्ट हाउस कांड याद नहीं आना चाहिए। लोकसभा चुनाव 2019 में उन्होंने सपा से गठबंधन किया था। उनका पूरा सम्मान किया गया। वह भी उनका बेहद सम्मान करते हैं, लेकिन अब मायावती के पैरों तले जमीन खिसक रही है। यही वजह है कि वे अलग-अलग बयान दे रही है। स्वामी प्रसाद ने उप मुख्य मंत्री केशव प्रसाद मौर्य पर भी निशाना साधा। कहा कि वह भूल गए कि पिछड़े समाज के केशव को स्टूल पर बैठना पड़ता था।

सात फेरों के बाद सामान समेटकर रफूचक्कर होने से पहले पकड़ी लुटेरी दुल्हन

आगरा, 4 फरवरी (एजेंसियां)। आगरा में खंदौली का रहने वाला युवक मीरजापुर जिले में शादी कराने के बाद रुपये व सामान समेटकर भागने वाले गिरोह के चंगुल में फंस गया। फेरों के बाद दुल्हन रेलवे स्टेशन से फरार होने की फिराक में थी। दूल्हे को शक हो गया, उसकी शिकायत पर पुलिस ने दुल्हन और उसके साथी को दबोच लिया। दूल्हे ने बताया कि शादी के लिए 1.10 लाख रुपये लिए गए थे। पुलिस ने दुल्हन उसके साथी समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी का अभियोग दर्ज किया है। दोनों आरोपितों को जेल भेज दिया। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर संतोष मिश्रा ने बताया कि आगरा के थाना खंदौली क्षेत्र के भवानी नगला निवासी धनीराम ने 30 जनवरी को कटरा कोतवाली में कुछ लोगों के खिलाफ तहरीर दी थी। आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने उनसे 1.10 लाख रुपये लेकर कैथी सोनभद्र निवासी पूजा के साथ 29 जनवरी को उनकी शादी करा दी।

रंगरलियां मना रहा था शिक्षक

छात्रा को इस हाल में पकड़ा, दोनों ने रास्ते में लांघी मर्यादा, अक्सर मिलते थे

अमरोहा, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अमरोहा के आदमपुर थाना क्षेत्र में एक शिक्षक ने गुरु और शिष्य के रिश्ते को शर्मसार कर दिया। यहां छात्रा के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े जाने पर परिजनों ने शिक्षक की धुनाई कर दी। बाद में शिक्षक को पुलिस को सौंप दिया। बताया जा रहा है कि छात्रा से संबंध रखने की वजह से शिक्षक को पहले ही एक कॉलेज से निकाला जा चुका है, लेकिन फिर भी दोनों के बीच बातचीत और मिलना जारी रहा। थाना क्षेत्र के एक गांव में स्थित इंटर कॉलेज में शिक्षक व कक्षा 12 की छात्रा का प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इसकी भनक कॉलेज के प्रबंधक को लगी तो कुछ माह पूर्व उन्होंने प्राइवेट शिक्षक की कॉलेज से छुट्टी कर दी। कॉलेज से निकाले जाने के बाद भी शिक्षक की आशिकी कम नहीं हुई। दोनों की मोबाइल से बातें जारी रहीं। चोरी छिपे मिलते रहते थे। छात्रा प्रयोगात्मक परीक्षा देने के लिए क्षेत्र के दूसरे कॉलेज में गई हुई थी। शिक्षक ने छात्रा से मोबाइल पर संपर्क साधा और वह भी वहां पहुंच गया। शिक्षक बाइक पर छात्रा को बैठाकर छात्रा के गांव की ओर चल पड़ा और रास्ते में ही रंगरेलियां मनानी शुरू कर दी। रास्ते में दोनों को छात्रा के परिजनों ने आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। दोनों को पूर्व के कॉलेज में ले गए। छात्रा को घर भेजने के बाद शिक्षक की जमकर धुनाई कर दी।

'नीतीश बोल रहे बनाए जाएंगे मंत्री, तेजस्वी ने कहा

अभी नहीं', बिहार में कैबिनेट विस्तार पर मतभेद

पटना, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में रामचरित मानस पर आरजेडी नेता के जहर उगलने के बाद महागठबंधन में खूब महाभारत हुआ. जेडीयू ने आरजेडी कोटे से नीतीश सरकार में शिक्षा मंत्री बने चन्द्रशेखर से माफी की मांग की इसके बाद दोनों पार्टी के नेताओं के बीच खूब बयानबाजी हुई. और अब बिहार के सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के बयान के बाद महागठबंधन में चल रहा मतभेद सामने आ गया है. दरअसल बिहार में पिछले कुछ दिनों से मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा जोरों पर थी.तब सियासी हलकों में चर्चा हुई कि जेडीयू नेता उपेंद्र कुशवाहा को कैबिनेट विस्तार के बाद उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे. उपेंद्र कुशवाहा इस चर्चा से खुश थे. तब उन्होंने मीडिया के सवाल पर कहा था कि वह किसी मठ के सन्यासी नहीं हैं.उन्हें भी इस तरह की चर्चा से खुशी मिलती है.

नीतीश ने कहा होगा कैबिनेट विस्तार

लेकिन नीतीश कुमार ने अगले दिन ही इस चर्चा को फालतू बात बता दिया.इसके साथ ही नीतीश कुमार ने यह भी स्पष्ट किया था कि जल्द ही कैबिनेट विस्तार होगा और आरजेडी और कांग्रेस कोटे से मंत्रियों को शपथ दिलाए जाएंगे. इसके बाद कांग्रेस की तरफ से बकायदा कैबिनेट विस्तार में अपने कोटे से दो लोगों को मंत्री बनाने की भी तैयारी शुरू कर दी गई. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तब संकेत दिया था कि खरमास के बाद कैबिनेट में विस्तार का काम किया जाएगा.

तेजस्वी ने नीतीश की बातों को झुठलाया

लेकिन अब बिहार के उपमुख्यमंत्री ने साफ शब्दों में कहा है कि कोई मंत्रिमंडल विस्तार फिलहाल नहीं होने वाला है.डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने साफ कर दिया है कि बिहार में कैबिनेट विस्तार की कोई योजना नहीं है. ये सभी बातें निराधार हैं, महागठबंधन में इस मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई है. तेजस्वी यादव का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब जेडीयू और आरजेडी के गठबंधन पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं.दोनों पार्टी के बड़े नेता एक दूसरे पर बड़े हमले कर रहे हैं. पिछले माह तो गठबंधन टूटने वाली स्थिति में आ गई थी.

पांच सीटों पर जीत से गदगद बीजेपी

डिप्टी सीएम ने सपा और अखिलेश यादव पर लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ, 4 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की पांच सीटों पर भारतीय जनता पार्टी की एकतरफा जीत के बाद प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है. एक ओर जहां बीजेपी इसे जनता का आशीर्वाद बता रही है तो वहीं समाजवादी पार्टी ने चुनाव में बेईमानी के आरोप लगाए हैं. उधर, राज्य के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने चुनाव में मिली जीत की खुशी का इजहार करते हुए सपा पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि समाज को बांटने का जहर बेअसर हो गया. डिप्टी सीएम ने ट्वीट किया कि एमएलसी चुनाव में भाजपा की एकतरफ़ा जीत लोगों के भरोसे की जीत,सपा पाँच एमएलसी सीटों में एक भी नहीं जीत सकी, यह डूबता जहाज़ इसका कोई भविष्य नहीं बचा,सबका साथ सबका विकास की जीत, सपा का समाज को बाँटने का ज़हर बेअसर हो गया,अखिलेश यादल गुंडों के बूते यूपी चुनावों में जीत का युग समाप्त! इससे पहले डिप्टी सीएमने कहा था कि शिक्षक और स्नातक एमएलसी चुनाव में बीजेपी की बंपर जीत नें आज फिर साबित कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हर वर्ग का अटूट विश्वास है. ब्रांड मोदी की चमक और बढ़ रही है!

चाचा शिवपाल और भतीजे अखिलेश पर बरसे सीएम योगी आदित्यनाथ

कहा- लूट में एक दूसरे का दिया साथ

लखनऊ, 4 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव पर बड़ा हमला बोला है. उन्होंने कहा है कि प्रदेश को लूटने में दोनों हमेशा एक साथ थे. सीएम ने दोनों के अलगाव पर भी प्रतिक्रिया दी. एक अखबार को दिए साक्षात्कार में सीएम ने कहा कि वह (अखिलेश-शिवपाल) अलग ही कब थे? प्रदेश को बर्बाद करने में एक साथ थे. सीएम ने कहा कि दोनों ने मिलकर यूपी के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा किया. लोकसभा चुनाव 2019 और विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान शिवपाल की अखिलेश से नाराजगी पर सीएम योगी ने कहा कि बेचारे शिवपाल को जब

सम्मान नहीं मिलता तो कुछ दिन के लिए कोप भवन में चले जाते हैं. अपमानित होते हैं फिर पास आ जाते हैं और बार-बार अपमानित होते हैं

रामचरित मानस विवाद पर बोले सीएम योगी

रामचरितमानस पर बढ़े विवाद को लेकर सीएम ने कहा कि जिनका एजेंडा विकास नहीं भटकाव है वह ऐसे मुद्दों को हवा दे रहे . जब प्रदेश प्रगति के ट्रैक पर है तो विपक्ष कुछ ना कुछ ऐसा करने की कोशिश में कि यह एजेंडा डिरेल हो जाए. अल्पसंख्यकों को जोड़ने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नागरिक हमारा है जाति, मत, मजहब, बहुसंख्यक, अल्पसंख्यक हमारी योजनाओं का आधार नहीं है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पीएम मोदी की सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीति पर चल रहे.सीएम ने कहा शरीर तब तक पूर्णांग नहीं होता जब तक सभी अंगों का विकास ना हो. वहीं नामित एमएलसी सीटों के प्रत्याशियों पर सीएम योगी ने कहा नामित सीटों के लिए भी जल्द नाम तय किए जाएंगे. साल 2024 के प्रस्तावित लोकसभा चुनाव पर सीएम ने कहा विपक्ष साथ रहे या अलग, 2024 में बीजेपी को पीएम मोदी के नेतृत्व में अब तक की सबसे बड़ी जीत मिलेगी.

रुपयों को लेकर हुई मारपीट, एक की मौत

चंदौली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अलीनगर थाना क्षेत्र के पटपरा गांव में पैसे के लिए लेनदेन को लेकर हुए विवाद हो गया. इस मारपीट में गांव के पूर्व प्रधान सोमेश्वर चौहान का छोटा भाई मिंटू सिंह चौहान(40) गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी अस्पताल जाते समय रास्ते में मौत हो गई. सूचना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. साथ ही घटना में शामिल दो आरोपियों को हिरासत में कार्रवाई में जुटी है.

100 विद्यार्थियों को विदेश भेजेगी बिहार सरकार: तेजस्वी यादव

पटना, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले शीर्ष सौ विद्यार्थियों को राज्य सरकार अपने खर्चे पर विदेश पढ़ने के लिए भेजेगी। उन्होंने फैकल्टी से भी कहा कि वे भी विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए विदेश भेजें, सरकार सहयोग करेगी। उन्होंने यह घोषणा पटना वीमेंस कालेज में ढाई हजार क्षमता वाला वेरोनिका आडिटोरियम के उद्घाटन समारोह में की। उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद रविशंकर प्रसाद से आग्रह किया कि वे पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय दर्जा दिलाने के लिए केंद्र सरकार के समक्ष पहल करें। उन्होंने कहा कि पटना वीमेंस कालेज ने हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ाया है। हमारी नीति है कि महिलाएं नीति नियंता बनें। हमारी पार्टी इस स्तर पर कार्य भी कर रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पुलिस नियुक्ति में बिहार सरकार ने सबसे अधिक महिलाओं की भर्ती की है। महिलाएं आगे बढ़ेंगी तो बिहार आगे बढ़ेगा। आने वाले समय में दस लाख युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य है। इनमें तीन लाख युवाओं को शिक्षा क्षेत्र में नौकरी देने का लक्ष्य है।

'बिहार में बस एक महीने चलेगी महागठबंधन सरकार

सूबे के इस नेता ने कर दिया बड़ा एलान, वजह भी बताई है

मुजफ्फरपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार की महागठबंधन सरकार में खटर पटर की स्थिति है. विपक्ष के नेताओं की ओर से बयानबाजी का दौर भी जारी है. जेडीयू और आरजेडी के बीच आई खटास को लेकर बीजेपी के एक विधायक ने दावा कर दिया है कि बिहार की महागठबंधन सरकार केवल एक महीने की मेहमान है. विधायक राजू सिंह ने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा है कि नीतीश अपनी मानसिक संतुलन खो चुके हैं. मानसिक संतुलन खोया व्यक्ति कुछ भी कर सकता है. बहुत से बहुत ये सरकार एक महीने चलेगी. एक महीने बाद तेजस्वी उन्हें सत्ता से बेदखल कर देंगे.

नीतीश के मर जाएंगे वाले बयान पर कसा तंज

साहेबगंज विधायक राजू सिंह ने कहा कि नीतीश जी समझते थे कि वो बीजेपी और आरजेडी दोनों के साथ मिलकर सरकार बना लेते हैं. अब हमारी पार्टी ने बोल्ड स्टेप उठाया है. नीतीश कुमार के साथ अब पार्टी नहीं जाएगी. राजू सिंह अभी हाल ही में वीआईपी पार्टी छोड़कर बीजेपी में आए हैं. पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कई बातें कहीं है. आगे नीतीश कुमार के बयान बीजेपी में नहीं जाएंगे मर जाएंगे वाले पर कहा कि छह साल पहले तो वो कहते थे कि मिट्टी में मिल जाएंगे मगर बीजेपी में नही जाएंगे. इसके बाद फिर क्या किया उन्होंने? नीतीश कुमार अब बिहार के लिए यूजफुल नहीं हैं. वो जो बोलते हैं कभी करते कहां हैं.

'आरजेडी उनको औकात दिखाएगी'

बीजेपी विधायक ने आगे कहा कि जल्द ही आरजेडी उनको औकात दिखाएगी. मुख्यमंत्री नीतीश का पहले बीजेपी के साथ और अब आरजेडी के साथ इनका गठबंधन हमेशा से बेमेल ही रहा है. बिहार से नीतीश कुमार की अहमियत खत्म हो रही है. अब तो इसका जवाब आरजेडी के लोग को भी जानने लग गए हैं और उनको भी पता लग गया है. आरजेडी इसको लेकर कोई कसर नहीं छोड़ेगी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में गद्दी पर आएगी और सरकार बना लेगी. कुशवाहा पर हमला मामले में कहा कि अब उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है. ऐसा आदमी कुछ भी कर सकता है.

अखिलेश यादव ने कहा- पिछड़ों, दलितों के लिए संविधान सबसे बड़ा धर्म

लखनऊ, 4 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने कहा है कि हम समाजवादियों के लिए संविधान सबसे बड़ा धर्म हैं हम लोकतंत्र की पूजा करते हैं. संविधान से हमें जो अधिकार मिले हैं, उन्हें भी छीना जा रहा है. इनके लिए बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर और डॉ. राममनोहर लोहिया ने लड़ाई लड़ी थी. पिछड़ों, दलितों को उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है. संविधान में भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है, लेकिन भाजपा सरकार भेदभाव कर रही है. जो चीज भाजपा खुद नहीं बोलती है, उसे वह दूसरी पार्टियों के जरिए कहलाती है. पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि हमारी संस्कृति मिली-जुली है. एक दूसरे के साथ सहयोग करने वाली है. हमारा भारत तभी अच्छा लगता है, जब एक गुलदस्ता की तरह हो, जिसमें सभी लोगों की भागीदारी हो. भाजपा ने देश की अर्थव्यवस्था को खोखला कर दिया है. मंहगाई और बेरोजगारी चरम पर है.

ये बड़े सवाल हैं, इनकी चिंता करनी चाहिए. किसान की आय दोगनी करने का वादा था, लेकिन आज आटा कितना महंगा हो गया है. रसोई गैस के दाम कम नहीं हुए हैं. भाजपा के बजट से कोई खुश नहीं है, हर वर्ग में निराशा है. एक कंपनी का दावा था कि वह 70 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी, उसका मालिक जो विश्व के अमीरों में नम्बर 2 पर था वह अब 20 की सूची से भी बाहर हो गया है. भाजपा लोगों को धोखे में रखती है. नोटबंदी और जीएसटी से लोगों को क्या फायदा पहुंचा? दूध के दाम बाजार में बढ़ गए हैं. दूध 70 रुपये लीटर तक पहुंच गया है. अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास अवरुद्ध है. संडीला में समाजवादी सरकार में जो कारखाना लगा उसके बाद कौन उद्योग लगा?

गंगा एक्सप्रेस-वे पता नहीं बन भी पाएगा या नहीं? इन्वेस्टर्स मीट पहले भी धोखा थी और अब भी धोखा है. स्नातक और शिक्षक खंड के निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव पर कहा कि भाजपा बेईमानी कर ले और बेईमानी की बधाई एक दूसरे को दें. यह पहला चुनाव नहीं है, इससे पहले भी ऐसे चुनाव हुए हैं. जिला पंचायत चुनाव में भी कीमत लगाई गई. ब्लॉक प्रमुख के चुनाव में पर्चे नहीं भरने दिए गए. एमएलसी चुनाव में डीएम, एसपी और पुलिस प्रशासन चुनाव लड़ता रहा. मतदाताओं को वोट डालने से रोका गया.

गया में महिला के साथ गैंगरेप, देवर समेत दोनों आरोपी गिरफ्तार

गया, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के गया में महिला के साथ दरिंदगी की गई. पीड़िता ने चचेरे देवर और उसके साथी के खिलाफ महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है. वहीं सूचना मिलने के बाद महिला थाने की पुलिस ने पूरी जानकारी एसएसपी को दी. एसएसपी आशीष भारती ने तुरंत ही कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए एक जांच टीम गठित की. जिसके बाद जांच टीम ने सिर्फ तीन घंटे की भीतर ही दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है.

रोडवेज बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर, दो दर्जन से ज्यादा यात्री घायल; पांच की हालत गंभीर

शाहजहांपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। शाहजहांपुर पलिया हाईवे पर खुटार थाना क्षेत्र में गांव लक्ष्मीपुर के पास रोडवेज बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दो दर्जन यात्री घायल हुए हैं। पांच यात्रियों की हालत गंभीर होने के चलते उनको शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। शाम शाहजहांपुर डिपो की बस मथुरा से गौरीफंटा के लिए निकली थी। शनिवार सुबह करीब छह बजे बस शाहजहांपुर से गौरीफंटा की ओर रवाना हुई। आठ बजे खुटार पुवायां के बीच गोमती नदी के पुल के पास बस खुटार की ओर से आ रहे ट्रक से टकरा गई। ट्रक गलत साइड में आ गया था। यात्रियों का कहना है कि घने कोहरे में ट्रक एक वाहन को ओवरटेक करते समय बस के सामने आ गया और टक्कर हो गई।

सट्टा खिलाने वाली महिला गिरफ्तार

वायरल वीडियो से खुली पोल

अमरोहा, 4 फरवरी (एजेंसियां)। जनपद के हसनपुर में सट्टा खिलाने वाली महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. इससे हसनपुर पुलिस में हड़कंप मच गया. आनन-फानन में पुलिस ने शुक्रवार को महिला को गिरफ्तार कर लिया. जानकारी के मुताबिक, एक महिला का सट्टा खिलाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. इसके बाद हसनपुर पुलिस महिला की तलाश में जुट गई. पुलिस ने नगर के मोहल्ला कोर्ट पश्चिमी काला शहीद निवासी आशा को गिरफ्तार कर लिया. उसके कब्जे से एक चाकू और सात हजार पांच सौ 20 रुपये बरामद हुए. पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय के समक्ष पेश किया.

पिस्टल जमा कराने को लेकर निलंबित आईपीएस ने केंद्रीय गृह सचिव-डीजीपी के खिलाफ दी शिकायत

जम्मू, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर के निलंबित आईपीएस अधिकारी बसंत रथ ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह सचिव, जेएंडके के पुलिस महानिदेशक और अतिरिक्त मुख्य सचिव 'गृह' राज कुमार गोयल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए जम्मू जिले के गांधी नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दी है। बसंत रथ ने अपनी शिकायत में कई गंभीर आरोप लगाए हैं। आईपीएस अधिकारी ने लिखा है, उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है। उन्हें जान का खतरा है। निलंबित अधिकारी, आत्मरक्षा के लिए जारी पिस्टल वापस लेने को लेकर चिंतित हैं। 9 एमएम पिस्टल, जिसके साथ एक मैगजीन व 35 राउंड जारी किए गए थे, उन्हें टेलीफोन पर बिना किसी कानूनी औचित्य और कारण बताए, वह पिस्टल और मैगजीन, सरेंडर करने के लिए कहा गया है। बसंत रथ ने उस प्रक्रिया को तयशुदा नियमों का उल्लंघन बताया है।

उनके जीवन को खतरे में डाला जा रहा है

निलंबित आईपीएस ने अजय कुमार भल्ला आईएएस (केंद्रीय गृह सचिव, भारत सरकार), दिलबाग सिंह आईपीएस (डीजीपी, जम्मू एंड कश्मीर) और राज कुमार गोयल आईएएस (अतिरिक्त सीएस, गृह विभाग, जेएंडके) के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए जम्मू जिले के गांधी नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दी है। बसंत रथ ने आरोप लगाया है कि उनकी जान को खतरा है। उनके खिलाफ आपराधिक साजिश रची जा रही है। शिकायत में जिन लोगों का नाम है, वे कानून के खिलाफ जाकर अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं। उनके जीवन को खतरे में डाला जा रहा है। रथ ने अपनी शिकायत में कहा, आरोपी उनकी स्वतंत्रता को अपने गुंडों/गुर्गों के माध्यम से खत्म कराने की कोशिश कर रहे हैं। निलंबित आईपीएस ने अपने ट्वीटर पर शिकायत की प्रति डाली है।

पिस्टल, एक मैगजीन और 35 राउंड जारी किए गए थे

शिकायतकर्ता बसंत रथ, मौजूदा समय में निलंबित हैं। उन्हें बतौर आईजी, कमांडेंट जनरल होमगार्ड/सीडी एंड एसडीआरएफ के साथ अटैच किया गया है। उन्हें आत्मरक्षा के लिए 9 एमएम पिस्टल के साथ एक मैगजीन और 35 राउंड जारी किए गए थे। रथ ने आरोप लगाया कि उपरोक्त अधिकारियों ने उनसे आत्मरक्षा का हथियार छीनने के लिए एक आपराधिक साजिश रची है। इस स्थिति ने उनके जीवन, अंग और स्वतंत्रता को शत्रुतापूर्ण तत्वों, विशेष रूप से जम्मू में भू-माफिया और आतंकवादियों की ओर से अत्यधिक खतरे में डाल दिया है। रथ ने उल्लेख किया कि उन्होंने एसडीपीओ चरार-ए-शरीफ, बडगाम, अतिरिक्त एसपी बारामूला, एसपी रामबन, एसपी पुंछ और एसएसपी जम्मू के रूप में कार्य किया है। उन्होंने आतंकवादियों और भू-माफिया के खिलाफ सख्ती से काम किया है।

शिकायत में एचके लोहिया मर्डर का जिक्र

बसंत रथ ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में कहा है कि तत्कालीन डीजी जेल, एचके लोहिया का मर्डर कर दिया गया था। उनके पास आत्मरक्षा के लिए कोई हथियार नहीं था। उन्होंने अपनी शिकायत में लिखा है कि जब मैंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया, तो सक्षम प्राधिकारी को पहले मेरे निलंबन पर फैसला लेना चाहिए था। उसके बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के आवेदन पर विचार करना था। इस प्रक्रिया के बाद नो ड्यूज सर्टिफिकेट 'एनडीसी' मांगा जाना था। आरोपों में कहा गया है कि डीजीपी जेएंडके ने निलंबन पर फैसला लेने से पहले उससे 'एनडीसी' मांग लिया। इस वजह से उससे पिस्टल जमा कराने के लिए कहा गया है। रथ ने कहा है कि मैं पिस्टल जमा कराता हूं तो मेरी जान को बड़ा जोखिम हो सकता है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने किया था निलंबित

विवादों को भड़काने के आरोप में बसंत रथ को जुलाई 2020 में गृह मंत्रालय द्वारा निलंबित कर दिया गया था। उस वक्त भी उन्होंने डीजीपी दिलबाग सिंह के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। बसंत रथ ने अपनी शिकायत में कहा था, कि उन्हें डीजीपी दिलबाग सिंह की कुछ गतिविधियों से जान का खतरा है। वह मुकदमा नहीं चाहते हैं, लेकिन इस संबंध में जानकारी दे रहे हैं। यदि उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है, तो उन्हें यह पता होना चाहिए कि कौन सा नंबर डायल करना है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया था, 'बसंत रथ के खिलाफ घोर कदाचार और दुर्व्यवहार के आरोप सरकार के संज्ञान में आए हैं। इस संबंध में अनुशासनात्मक कार्यवाही पर विचार किया गया है। निलंबन की अवधि के दौरान रथ का मुख्यालय जम्मू होगा। वे जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक की अनुमति के बिना इसे नहीं छोड़ेंगे।

बीजेपी की विकास यात्रा पर फूल सिंह बरैया का तंज

कहा- शिकारियों की तरह दाना डालकर जनता को करती है हलाल

ग्वालियर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में पांच फरवरी यानी रविदास जयंती पर बीजेपी विकास यात्रा की शुरुआत करने वाली है। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित तमाम बड़े नेता शामिल होंगे। इस विकास यात्रा को शुरू करने के लिए सीएम शिवराज हरी झंडी दिखाएंगे। बताया जा रहा है चंबल अंचल में दलित वोट को साधने के लिए बीजेपी रविदास जयंती पर इस विकास यात्रा की शुरुआत कर रही है। लेकिन इस विकास यात्रा की शुरुआत से पहले ही बीजेपी और कांग्रेस एक दूसरे पर आरोप लगाने में जुट गई है। इस विकास यात्रा के जरिए ग्वालियर चंबल अंचल की बीजेपी की इस विकास यात्रा को लेकर कांग्रेस के बड़े नेता फूल सिंह बरैया का बयान सामने आया है। कांग्रेस नेता फूल सिंह बरैया ने कहा, संत रविदास जी, महात्मा फुले और बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर अगर उनकी जयंती पर बीजेपी मनाती है तो मैं मानता हूं कि जैसे चिड़िया को दाना डाला जाता है, उस समय शिकारी भी दाना डालता है और चिड़िया को दाना एक मालिक भी डालता है। चिड़िया को यह देखना है कि शिकारी का कौन सा है। इसका आशय यह है कि बीजेपी के द्वारा रविदास जयंती मनाना एक तरह से शिकारी का दाना है और यह दाना चिड़िया को हलाल करेगा।

फतेहाबाद सिटी थाने में एएसआई की धुनाई

युवक से मोबाइल छीनकर थाना पहुंचे आरोपी; आईओ से मारपीट-वर्दी फाड़ी; 2 एफआईआर दर्ज

फतेहाबाद, 4 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के फतेहाबाद में बीती देर रात 2 भाइयों ने भट्टू रोड पर एक स्टोर पर काम करने वाले युवक से मोबाइल छीन लिया। भतीजे ने दोनों पर केस दर्ज करवाया तो दोनों आरोपी कुछ लोगों के साथ सिटी थाना पहुंच गए और वहां तैनात एएसआई से मारपीट कर वर्दी फाड़ दी। पुलिस ने दोनों ही मामलों में दोनों भाइयों समेत 6 लोगों पर केस दर्ज किया है।

भतीजे से मोबाइल छीन कर पहुंचे थाने

एएसआई हरजीत सिंह ने बताया कि सिटी थाना में तैनात हैं। देर रात करीब 11 बजे स्वामी नगर निवासी रजनी, लीला राम, विजय, लीला राम के बेटे रिंकू, मिंटू, सिंटू पुलिस थाना में आए। उन्होंने बताया कि उन्होंने भट्टू रोड स्थित एक स्टोर पर काम करने वाले युवक से मोबाइल छीन लिया है और अब उन्हें जान का खतरा है। मोबाइल क्यों छीना, यह पूछने पर थाने में आए व्यक्ति तैश में आ गए और एएसआई हरजीत से ही दुर्व्यवहार व मारपीट शुरू कर दी।

उसकी वर्दी फाड़ दी। थाने में शोर शराबा सुनकर वहां तैनात साथी पुलिस कर्मचारी मौके पर पहुंचे और उसे हमलावरों से बचाया। वहां से आरोपी चले गए। बाद में हरजीत को नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महिला मित्र से मिलने पहुंचा सॉफ्टवेयर इंजीनियर, 20वीं मंजिल से लगा दी छलांग, मौत

नोएडा, 4 फरवरी (एजेंसियां)। नोएडा सेक्टर-168 स्थित गोल्डन पार्क सोसायटी से एक युवक के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। यह घटना बीती रात 9.00 बजे की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवको कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार रात करीब 9.00 बजे एक्सप्रेसवे थानाक्षेत्र में गोल्डन पार्क सोसायटी के टावर की 20वीं मंजिल की बालकनी से कूदकर एक शख्स ने आत्महत्या कर ली।

ग्राम पंचायत की अनूठी पहल, टैक्स भरा तो लोगों को मिलेगा 10 लाख का दुर्घटना बीमा

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की एक ग्राम पंचायत ने लोगों को 10 लाख रुपए का एक्सीडेंट इंश्योरेंस कवर देने का ऐलान किया है। दरअसल, लोगों को टैक्स का भुगतान करने के लिए प्रेरित करने और ग्राम पंचायत का राजस्व बढ़ाने के लिए पंचायत ने यह अनूठी पहल की है। पंचायत ने कहा है कि गांव के जो लोग पंचायत द्वारा लगाए जाने वाले टैक्स का पूरा भुगतान करेंगे, उन्हें दुर्घटना होने पर दस लाख रुपए तक का एक्सीडेंट कवर मिलेगा। बता दें कि यह एलान किया है निलांगा तहसील की पंचिनचोली ग्राम पंचायत ने, जहां शुक्रवार को हुई ग्राम पंचायत की बैठक में यह फैसला किया गया। पंचिनचोली गांव की सरपंच गीतांजलि हनुमंते की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत की बैठक हुई, जिसमें पूर्व सरपंच श्रीकांत सालुंखे ने यह प्रस्ताव दिया। जिस पर गांव के पंचों ने भी सहमति दी। ग्राम पंचायत की बैठक में तय किया गया कि जो ग्रामवासी पंचायत का पूरा टैक्स देंगे, उन्हें 10 लाख तक का दुर्घटना बीमा मिलेगा। 5947 की जनसंख्या वाले इस गांव में करीब 930 करदाता हैं। यह विचार देने वाले पूर्व सरपंच सालुंखे ने कहा कि लोगों को टैक्स देने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है।

शादी के चार दिन बाद दस लाख के गहनों समेत दुल्हन फरार, पति कॉलेज छोड़कर आया था, फिर मिली ही नहीं

रेवाड़ी, 4 फरवरी (एजेंसियां)। रेवाड़ी के मोहल्ला शक्ति नगर से 26 जनवरी को विवाह के बाद घर में आई नई नवेली दुल्हन रहस्यमयी तरीके से लापता हो गई। सोमवार को दुल्हन परीक्षा देने के लिए कॉलेज में गई थी। घर में रखे लाखों रुपये के गहने भी गायब मिले हैं। परिजनों ने दुल्हन पर गहने ले जाने का संदेह जताया है। शिकायत के बाद मॉडल टाउन थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रोफेसर बेग को अग्रिम जमानत दी, राज्य सरकार से जवाब मांगा

इंदौर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने इंदौर के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज में सहायक प्रोफेसर डॉ मिर्जा मोजिज बेग को कथित रूप से बढ़ावा देने के लिए उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर के संबंध में अग्रिम जमानत दे दी है। पुस्तकालय में एक कथित 'हिंदूफोबिक' किताब मिलने के बाद ये मामला बढ़ गया था। जस्टिस एएस बोपन्ना और हिमा कोहली की पीठ ने डॉ बेग की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका पर मध्यप्रदेश राज्य को नोटिस जारी किया है। साथ ही शीर्ष अदालत ने तीन सप्ताह के भीतर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा, नोटिस जारी करें। इस बीच, याचिकाकर्ता के खिलाफ अंतरिम संरक्षण होगा, यदि आवश्यक हो तो वह पूरी लगन से जांच में भाग ले सकता है। डॉ. बेग के वकील एडवोकेट अल्जो के जोसेफ ने पीठ को बताया कि किताब खुद पुलिस ने अपने कब्जे में ले ली है। आश्चर्यजनक रूप से यह एलएलएम पाठ्यक्रम में है, जिसे अकादमिक परिषद और चांसलर विश्वविद्यालय की ओर से अनुमोदित किया गया है।

बीजेपी नेता ड्रग तस्करी में गिरफ्तार

ग्वालियर पुलिस ने रतलाम जाकर दबोचा, जानें इसके काले कारनामे

रतलाम, 4 फरवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर जिले की घाटीगांव पुलिस ने रतलाम जिले के ढोढर से विवेक पोरवाल को फिल्मी स्टाइल में उसकी दुकान के बाहर से गिरफ्तार किया। विवेक बड़े रसूख वाला नेता है और वहां से आसानी से लेकर आना कठिन था। ऐसे में पुलिस ने गोपनीय तौर पर उसकी घेराबंदी की और दुकान पर आए, स्थानीय पुलिस को सूचना भी दी। इस बीच वहां उसके अपहरण की अफवाह फैल गई। अंततः उन्हें पता चल गया कि उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घाटीगांव सर्किल के थाना मोहना पुलिस ने सितंबर 22 में एक ट्रक पकड़ा था, जिनमें 19 कुंटल डोडा चूरा भरा हुआ था, जिसकी कीमत 38 लाख रुपये थी। पुलिस ने जब इसके ड्राइवर संदीप तोमर और क्लिनर राम नारायण तोमर को गिरफ्तार कर पूछताछ करने पर विवेक का नाम आया था। लेकिन बड़े रसूख वाला होने से पुलिस ने हाथ डालने से पहले व्यापक जांचकर साक्ष्य जुटाना शुरू किए।

ऐसे खुला पूरा मामला...

पकड़े गए आरोपियों ने बताया था कि ट्रक बृजेश सिकरवार आगरा का है। ट्रक मालिक ने उसे फ्लाइट के टिकट करवाकर दिल्ली से कोलकाता भेजा था। वहां से नागालैंड भेजकर दीमापुर से मालभरा ट्रक आगरा लाने को कहा था। फिर उससे कहा गया कि वह इंदौर के देवास नाके पहुंचकर यह ट्रक जिसे बताए उसे सौंपकर आना है। इस मामले में ट्रक मालिक ने पूछताछ में बताया कि इसमें भरा डोडा चूरा रतलाम बीजेपी के नेता विवेक पोरवाल का है। उसने डील के बदले विवेक द्वारा किए गए भुगतान आदि के भी सबूत पेश किए थे।

आरोपी के पिता और दादा भी रहे हैं बीजेपी नेता...

पकड़े गए बीजेपी नेता विवेक पोरवाल का परिवार शुरू से ही बीजेपी से जुड़ा रहा है। उसके दादा और पिता जी भी अच्छे कद के नेता रहे हैं और वह स्वयं भी पदाधिकारी है। उसका वहां की सियासत में काफी अच्छा रसूख है। इसलिए पुलिस ने तत्काल उसे नहीं उठाया।

विवेक के खिलाफ दर्ज हैं और भी केस...

घाटीगांव के एसडीओपी संतोष पटेल ने आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि की और दावा किया कि उसके खिलाफ रतलाम जिले में भी मारपीट आदि के तीन मामले पहले से भी दर्ज हैं। यहां डोडा चूरा तस्करी में उसकी गिरफ्तारी की गई है।

तेज रफ्तार का कहर: हेड कांस्टेबल को बोनट पर बैठा दौड़ाई कार, रास्ते में आने वालों को मारी टक्कर; तीन घायल

गाजियाबाद, 4 फरवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद के इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के शिप्रा कट पर वाहनों की चेकिंग के दौरान तेज रफ्तार कार ने यातायात पुलिस के हेड कांस्टेबल अंकित को टक्कर मार दी। युवकों को पकड़ने के लिए पुलिसकर्मी ने प्रयास किया तो आरोपियों ने उन्हें बोनट पर बैठाकर करीब 700 मीटर तक घुमाया। ट्रैफिक पुलिसकर्मी आरोपियों को पकड़ने के लिए शोर मचाते रहे लेकिन युवक तेज रफ्तार में गाड़ी दौड़ाते रहे। आम्रपाली ग्रीन के पास सामने से आ रहे दो युवकों को भी टक्कर मार दी दोनों घायल होकर सड़क किनारे डिवाइडर पर गिर गए लेकिन बाइक गाड़ी के नीचे फंस गई। इसके बाद ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने भी मौके पर गाड़ी समेत दो आरोपियों को दबोच लिया जबकि एक मौका पाकर भाग गया। इंदिरापुरम कोतवाली में गाड़ी के अलावा अभि त्यागी निवासी मकनपुर अक्षित त्यागी और रक्षित त्यागी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।

अजित पवार का दावा

शरद पवार ने उद्धव ठाकरे को पहले ही दे दी थी शिवसेना में बगावत की चेतावनी

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने दावा किया है कि शरद पवार ने पहले ही उद्धव ठाकरे को शिवसेना में बगावत को लेकर चेताया था। अजित पवार ने ये भी कहा कि शरद पवार के चेताने के बावजूद उद्धव ठाकरे को नहीं लगता था कि उनकी पार्टी के विधायक ऐसा कोई कदम उठा सकते हैं। बता दें कि बीते साल जून माह में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के कई विधायकों ने बगावत कर दी थी, जिसके चलते शिवसेना का बंटवारा हुआ और महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी की सरकार भी गिर गई। एकनाथ शिंदे गुट ने भाजपा के साथ मिलकर महाराष्ट्र में सरकार बना ली। एक मीडिया संस्थान के साथ बातचीत में अजित पवार ने बताया कि उन्हें लगता था कि शिवसेना में टूट हो सकती है और उद्धव ठाकरे को इस बारे में बताया भी गया था। शरद पवार ने खुद फोन करके उद्धव ठाकरे को इस बात की आशंका जाहिर की थी। हालांकि उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्हें उनके विधायकों पर विश्वास है और उन्हें नहीं लगता कि उनकी पार्टी के विधायक ऐसा कोई बड़ा कदम उठा सकते हैं। अजित पवार ने कहा कि जब 15-16 बागी विधायक एकनाथ शिंदे के साथ चले गए थे तो बाकी बचे विधायकों को तुरंत एकजुट रखने की जरूरत थी लेकिन ऐसी कोई कोशिश नहीं की गई। जिसके चलते बाद में 55 में से 40 विधायक शिंदे कैंप में चले गए। अजित पवार ने कहा कि हम कह सकते हैं कि कुछ लोग बेफिक्र रहते हैं। अजित पवार ने ये भी कहा कि शिवसेना में बगावत से छह महीने पहले ही एनसीपी के नेताओं में चर्चाएं शुरू हो गईं थी। पवार ने कहा कि मैंने इस बारे में उद्धव ठाकरे से बात की थी. तब उद्धव ठाकरे ने कहा था कि उन्होंने इस बारे में सुना है। इसे लेकर वह एकनाथ शिंदे से बात करेंगे। हालांकि ठाकरे ने इसे पार्टी का आंतरिक मामला बताया था और वह इसे सुलझा लेंगे।

तराजू के साथ हाथी, लोकसभा की 13 सीटों पर फोकस; बसपा अकाली गठबंधन से किसको नुकसान?

चंडीगढ़, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने पंजाब में प्रकाश सिंह बादल की पार्टी शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन का ऐलान कर दिया है. यह घोषणा मायावती के उस बयान के कुछ दिनों बाद हुई है, जिसमें उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ने की बात कही थी. मायावती और सुखबीर सिंह बादल के बीच गठबंधन को लेकर गुरुवार को करीब 1 घंटे से ज्यादा देर की मीटिंग हुई. इस बैठक में बीएसपी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश मिश्रा और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल भी मौजूद थीं. पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 में भी बीएसपी और शिरोमणि अकाली दल (शिअद)मिलकर चुनाव लड़ी थी, लेकिन गठबंधन को सीटों का ज्यादा फायदा नहीं हुआ. शिअद 18 सीटों से सिमटकर 3 पर पहुंच गई. वोट शेयर में भी काफी कमी आई थी. इसके बावजूद शिअद ने फिर से बीएसपी के साथ गठबंधन किया है.

पहले जानिए शिअद पंजाब में कितना मजबूत?

शिरोमणि अकाली दल की कमान 1970 के दशक में प्रकाश सिंह बादल को मिली. बादल अकाली दल से मुख्यमंत्री भी बने. 1977 के चुनाव में अकाली दल ने पंजाब के 13 में से 9 सीटों पर जीत दर्ज की. इसके बाद शिअद के भीतर बादल का दबदबा बढ़ता गया. 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद इंदिरा गांधी की हत्या हो गई. इसके बाद पूरे देश में सिखों के खिलाफ हमले शुरू हुए. शिअद ने इसका भारी विरोध किया, जिसका फायदा पंजाब चुनाव में पार्टी को मिला. चुनाव में शिअद 13 में से 7 सीटों पर जीत दर्ज की. हालांकि, 1989 के चुनाव में पार्टी जीरो सीट पर सिमट गई. 1991 में भी पार्टी को चमत्कार नहीं कर पाई. इसके बाद कांशीराम के नेतृत्व वाली बीएसपी ने शिअद ने 1996 में गठबंधन किया. शिअद और बीएसपी का यह गठबंधन प्रयोग हिट रहा. दोनों पार्टी मिलकर पंजाब की 13 में से 11 सीटों पर जीत हासिल कर ली. 2022 के चुनाव में भले शिअद के सीटों में इजाफा नहीं हुआ है, लेकिन पार्टी को 18 प्रतिशत मत मिले हैं. ऐसे में पंजाब में शिअद तीसरा फ्रंट बनाने की कोशिश में है.

पंजाब पॉलिटिक्स से बीएसपी का क्या वास्ता?

दलित नेता कांशीराम ने बीएसपी का गठन किया था, जो खुद पंजाब से आते थे. बीएसपी भले यूपी में ज्यादा सफल रही, लेकिन 1990 के दशक में पार्टी पंजाब में भी काफी मजबूत थी. पंजाब चुनाव 1992 में बीएसपी को 9 सीटों पर जीत मिली थी, जिसके बाद वहां तीसरी शक्ति के रूप में पार्टी को माना जाने लगा. हालांकि, कांशीराम के निष्क्रिय होने के साथ ही बीएसपी पंजाब से सिमटती गई. पार्टी का दोआब इलाके में अब थोड़ा बहुत जनाधार बचा हुआ है. दलित राजनीति करने वाली बीएसपी के लिए पंजाब एक मुफीद राज्य है. क्योंकि यहां करीब 33 प्रतिशत आबादी दलित समुदाय से आते हैं. राज्य की 117 सीटों वाली विधानसभा में 34 सीटें दलितों के लिए रिजर्व है. 2022 के चुनाव में बीएसपी 20 सीटों पर चुनाव लड़ी थी. पार्टी को 1 सीट पर जीत मिली. पार्टी का वोट शेयर बढ़कर 1.73 फीसदी हो गया.

बीएसपी ने अकाली दल से क्यों किया समझौता?

बीएसपी प्रमुख मायावती ने कहा कि अब तक जितने भी गठबंधन हमने किए हैं. उसमें से अकाल दल ही ऐसी पार्टी है, जिसका वोट आसानी से ट्रांसफर हो जा रहा है. मायावती फिर से बीएसपी को मजबूत करने में जुटी है. ऐसे में यूपी के अलावा अन्य राज्यों में सहयोगी ढूंढ रही हैं, जिसके साथ लड़कर जनाधार मजबूत किया जा सके.

बीएसपी और अकाली दल समझौता से किसे नुकसान?

1. कांग्रेस और बीजेपी के लिए मुश्किल- बीएसपी का जनाधार पंजाब के दोआबा इलाके में है, जहां लोकसभा की 3 सीटें जालंधर, होशियारपुर और खदूर साहिब हैं. 2019 में जालंधर और खदूर साहिब से कांग्रेस और होशियारपुर से बीजेपी को जीत मिली थी. कांग्रेस की जीती हुई जालंधर और खदूर साहिब में अकाली दल दूसरे नंबर पर रही थी. अगर बीएसपी और अकाली दल का गठबंधन कामयाब होता है, तो इन दोनों सीटों पर कांग्रेस को झटका लग सकता है.

2. आप के लिए भी राह आसान नहीं- 2022 के चुनाव में आप की एकतरफा जीत ने पंजाब में सारे समीकरण को ध्वस्त कर दिया था. अब राष्ट्रीय पार्टी बनने के बाद आप की नजर लोकसभा चुनाव पर है.ऐसे में अगर दोआबा इलाके में बीएसपी और अकाली दल गठबंधन मजबूत हुई, तो आप की राह में रोड़ा अटक सकता है. 2014 में आप पंजाब की 4 सीटों पर जीत दर्ज की थी.

गठबंधन कामयाब हुआ तो बीएसपी मजबूत होगी

पंजाब की तरह ही बीएसपी हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और महाराष्ट्र में पांव जमाने की कोशिश कर रही है. अगर पंजाब में बीएसपी का गठबंधन फॉर्मूला लोकसभा चुनाव में कामयाब रहा, तो इसी फॉर्मूला को अन्य राज्यों में लागू कर सकती है. 2022 के यूपी चुनाव में करारी हार मिलने के बाद से ही मायावती बीएसपी में जान फूंकने की कोशिश में जुटी है.

खेलकूद विद्यालय परिसर में शरारती तत्वों ने मचाया उत्पात, बैंक, डाकखाने के ताले चटकाए, तोड़फोड़

सोनीपत, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सोनीपत में राई के मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय परिसर में शुक्रवार रात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। चोरों ने भारतीय स्टेट बैंक के शाखा कार्यालय, डाकखाना कार्यालय व पीडब्ल्यूडी कार्यालय के ताले चटकाए और तोड़फोड़ की। हालांकि, तीनों जगह से सामान या नकदी चोरी नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि शरारती तत्वों ने तोड़फोड़ की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। राई स्थित मोतीलाल नेहरू खेलकूद स्कूल में एसबीआई शाखा के मैनेजर दीपक ने बताया कि सुबह जब वह और उनका स्टाफ बैंक पहुंचे तो बैंक के शटर के ताले टूटे हुए मिले। दरवाजे का शीशा भी टूटा हुआ मिला। भीतर जांच की तो पाया कि बैंक के सभी कागजात व नकदी सुरक्षित थे। वहीं, कुछ ही दूरी पर डाकखाना के सब पोस्टमास्टर राजीव कुमार ने बताया कि सुबह पौने 9 बजे जब वे कार्यालय में पहुंचे तो मुख्य काउंटर के कुंडे टूटे मिले, हालांकि, कागजात व अन्य सामान पूरी तरह से सुरक्षित था।

अंतरिक्ष विजेता : राकेश शर्मा

कुछ सुनहरे प्रसंग और यादें ऐसी होती हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता । यह घटनाएं इतिहास लिखने के साथ उसको यादगार भी बनाती हैं। चालीस साल पहले घटित वह ऐतिहासिक अवसर आज भी गर्व से सीना चौडा करते है । आंखों में ढेरों सपने लिये जीने वाली मानव जाति का एक सपना चांद पर उतरना था ।यह ऊंची छलांग थी पिछली तीन पीढियां अपोलो 11 का नाम सुन बडी हुईं । सातवें दशक के आखिर में यह प्रचलित नाम था जिसका इस्तेमाल कई वस्तुओं को बेचने के लिये होता । खूब चला भी । पूरी दुनिया में इसके चर्चे होते ।हों भी क्यों न । जो चांद शायरों कवियों और गीतकारों के बीच हंसीन ख्वाब के रूप में दिखायी देता उस पर पहली बार मानव ने कदम रख अंतरिक्ष विज्ञान का सुनहरा अध्याय लिखा। सुंदरता की उपमा चांद से पहले भी होती और आज भी होती है । लेकिन विज्ञान की अवधारणा इसको ले अलग रही जिसे उसने हासिल किया । 21 जुलाई 1969 को नील आर्मस्ट्रांग ने चांद पर कदम रख इतिहास रचा । इस उपलब्धी से दुनिया हैरान हुई ।

इसमें चार चांद तब लगे जब भारत के राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष में कदम रख पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बनने का गौरव प्राप्त किया पिछले दिनों उनके जन्म दिवस पर सोशल मीडीया में उनकी तस्वीरें देख उनके हिस्टारिकल अचीवमेंट याद आये । युवा वर्ग के लिये उन दिनों वह आइकान के रूप में ऐसे उभरे कि बच्चे बच्चे की ज़बान पर उनके नाम और काम की चर्चा होती । हैदराबाद के लिये तो वह विशेष खुशी के क्षण थे क्यों कि राकेश शर्मा की स्कूली पढाई लिखाई यहीं के सेंट जार्ज ग्रामर स्कूल में हुई ।इसके बाद यहीं के निज़ाम कालेज से ग्रैजुएशन की पढाई की । सन 1966 में नैशनल डिफेंस अकादमी से बतौर प्रशिक्षु जुडे ।चुनौतियों से सामना करने की पुरानी आदत ने सदा उन्हें फ़ाइटर बनाये रखा ।

जानकारों के अनुसार जब वह अंतरिक्ष में गये तब लोगों ने कहा कि वहां तक पका हुआ भोजन ले जाना मुश्किल है और खाना भी कठिन है लेकिन राकेश शर्मा ने इस मिथ को तोडते हुए मैसूर स्थित डिफेंस फूड रिसर्च लैब की मदद से सूजी का हलवा ,वेज पुलाव , और आलू छोले साथ ले गये और वहां खाया और साथी अंतरिक्ष यात्रियों को भी खिलाया । अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बने जिन्होंने स्पेस में सात दिन रह वहां भारत का परचम लहराया । कई जगहों की तस्वीरें लीं जिससे भारत को अंतरिक्ष के बारे में बहुत कुछ जानने मिला ।

राकेश शर्मा ने सपने में भी नहीं सोचा कि भारतीय वायु सेना से उनका सफर अंतरिक्ष तक पहुंचेगा ।उनकी अभिलाषा पायलट बनना थी ।बचपन से ही नीले आसमान में उडते हवाई जहाज़ों को देखना भाता । बडे हुए तो उन दिनों हैदराबाद में स्थित अपने घर से साइकिल से 16 कि मी सिर्फ यह देखने जाते कि विमान कैसे उडता है । उडने के बाद उसे आकाश में ओझल होने तक देखते रहते ।अपने सपने को पूरा करने के लिये नैशनल डिफ़ेंस अकादमी जाइन की और 4 वर्षों की कडी फ्लाइट ट्रेनिंग के बाद वायु सेना में बतौर फायटर पायलट कमिशन मिला। 1971 के भारत पाक युद्ध में हिस्सा ले साहस का परिचय दिया ।

35 साल की उम्र में अंतरिक्ष में गये ।वहां जाने वाले 128 वें व्यक्ति और पहले भारतीय थे ।50 फाइटर पायलटों के टेस्ट के बाद उन्हें चुना गया । रवीश मल्होत्रा बैक अप के रूप में उनके साथ थे ।उस समय के सोवियत संघ ने जब भारत के सामने दो भारतीयों को उनके अंतरिक्ष मिशन में शामिल करने का प्रस्ताव रखा तब वायु सेना के इन दो अफसरों को इसके लिये चुना गया ।मास्को से 70 कि मी दूर अंतरिक्ष यात्रियों का प्रशिक्षण केंद्र था जहां बहुत कडाके की ठंड पडती बर्फ में उन्हें एक इमारत से दूसरी इमारत में पैदल जाना पडता । उनके सम्मुख जल्द से जल्द रूसी भाषा सीखने की चुनौती भी थी ।क्यों कि ज़्यादातर ट्रेनिंग रूसी भाषा में ही होती हर दिन छः से सात घंटे रूसी भाषा सीखते इसका असर हुआ कि तीन महीने में ठीक ठाक रूसी भाषा सीख गये।

अंतरिक्ष में 7 दिन 21 घंटे और 40 मिनट का समय बिता लोगों को अचंभित किया । जो सपना नामुमकिन लगता उसे साकार कर इतिहास में अपनी सफलता को ऐसे दर्ज किया कि आज भी वह अजूबे के रूप में याद की जाती है ।उनके मिशन का नाम सोयूज टी – 11 था जिसकी हर ओर चर्चा होती ।वास्तव में इस उपलब्धि ने देश की वैज्ञानिक क्षमताओं की साख को दुनिया भर में स्थापित किया ।उनकी इस अंतरिक्ष यात्रा के बाद भारत उन देशों में शामिल हो गया जिन्होंने अपने एक आदमी को अंतरिक्ष में भेजा हो । 13 जनवरी 1949 को पटियाला पंजाब में उनका जन्म हुआ । सन 1971 के भारत – पाक युद्ध के दौरान मिग एयर क्राफ्ट से महत्वपूर्ण सफलता हासिल की कडी मेहनत और योज्ञता के बल पर आगे बढते रहे । इंडियन रिसर्च सेंटर और सोवियत संघ के (इंटरकासमास) के संयुक्त अंतरिक्ष मिशन में अंततः वह दिन आ ही गया जिसका सभी भारतीय बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे 3 अप्रेल 1984 का ऐतिहासिक दिन था जब तत्कालीन सोवियत संघ के बैकानूर से सोयूज टी -11 अंतरिक्ष यान ने तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ उडान भरी इन तीनों में एक भारतीय राकेश शर्मा शेष दो यान के कमांडर वाय वी मालिशेव और फ्लाइट इंजीनीयर जी एम स्ट्रकोलाफ सोवियत संघ से थे ।

इस दल ने 43 प्रयोग किये जिसमें वैज्ञानिक और तकनीकी अध्ययन शामिल थे । अंतरिक्ष से उडान दल ने मास्को में सोवियत अधिकारियों के साथ और फिर तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के साथ एक जाइंट टेलीविज़न न्यूस कांफ्रेस की जब इंदिरा गांधी ने राकेश शर्मा से पूछा " अपना भारत अंतरिक्ष से कैसा दिखता है ? तब उन्होंने जवाब दिया " सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा " ।इस महत्वपूर्ण क्षण को देशवासियों ने अपने टेलीविज़न पर देखा और गौरांवित हो जश्न मनाया और मिठाइयां बांटी । जगह जगह अंतरिक्ष की पोशाक में राकेश शर्मा की फोटो रख उसे पुष्प हार पहना उस पर दूध की वर्षा की ।स्कूल ,कालेजों में विजय उत्सव आयोजित कर अंतरिक्ष विजय के बर्णन किये गये । उस दौर में लोगों के मन में यह जानने कि उत्सुकता हुआ करती कि शर्मा और मल्होत्रा में किसके सिर पर पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री होने का सेहरा सजेगा । आखिरकार बाज़ी राकेश शर्मा के हाथ आयी । रवीश मल्होत्रा किसी भी विपरीत परिस्थिति में राकेश शर्मा का स्थान लेने तैयार थे ,लेकिन इसकी ज़रूरत नहीं पडी ।

इस यादगार उपलब्धि को हासिल करने के लिये राकेश शर्मा को कई कडी परीक्षाओं से गुज़रना पडा तब इस उंचाई को पाया एक कसौटी इसमें ऐसी भी थी कि उन्हें 72 घंटे अर्थात पूरे तीन दिन एक बंद कमरे में एकदम अकेले रहना पडा ।इस जटिल परीक्षा की तैयारी के दौरान उन्हें बडा आघात तब लगा जब उनकी छः वर्षीय बेटी का निधन हो गया ।तब वह देश में नहीं थे । इस घटना से भी विचलित नहीं हुए ।और स्वयं को अपने लक्ष्य पर केंद्रित रखा क्यों कि पूरे देश की आशाएं उन पर टिकी हुई थीं ।और उन्होंने उन उम्मीदों को टूटने नहीं दिया ।सोचिये कितनी बडी अग्नि परीक्षा से गुज़र उन्होंने देश का मान बढाया । वास्तव में यह हीरोइक अचीवमेंट थी । जिसकी सराहना शब्दों से परे है ।

अंतरिक्ष यात्रा से लौटने के बाद देश में उनका अविस्मरणीय स्वागत हुआ ।घर घर में उनकी चर्चा होने लगी ।भारत सरकार ने बहादुरी के लिये दिये जाने वाले सबसे बडे पुरस्कार " अशोक चक्र " से सम्मानित किया ।देश विदेश के कई प्रतिष्ठित सम्मानों व पुरस्कारों से उनको नवाज़ा गया । राकेश शर्मा के साथ अंतरिक्ष यात्री की अपार कीर्ती जुडी है । इसलिये हम उन्हें " अंतरिक्ष विजेता " कह सकते हैं ।

काव्य कुंज

बाकी है

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

तेरे आसमा को छूके वापस लौट आया
कुछ परिंदों ने कहा
अभी कई और आसमान बाकी है
शुक्रगुजार हूं तेरा
मेरा दामन भरने का
कमबख्त न जाने क्यों अरमान बाकी है
अब समझा सिलसिला
तेरी एक तरफा मोहब्बत का
मुट्ठी बंद करता हूं तो रेत गिरती है
और खोलो तो
रेत हाथों में अभी बाकी है
कब न जाने कौन कहां रुखसत हो जाऐ
चलो जीते हैं
छोड़ो सब कुछ जी लो जो भी बाकी है
न फिक्र कर उनकी वह तो कर लेंगे हमसे भी अच्छा
अब अपनों के संग
खुशियों के रंग बिखेरना बाकी है
दिल तो हमेशा यही कहेगा
गांडीव उठा अभी गाड़ी बंगला
मौज मस्ती घूमना फिरना बाकी है
ऊपर लिखी सारी बातें सच है साहब
क्योंकि जिंदगी के कई
आयाम अभी जीना बाकी है
ना बांटो उसको धर्म में, नाम में, और किताबों में
फिरो लो उसके सारे मोती एक ही माला में
अब जो कुछ भी बाकी है।।

सोच नहीं पाए थे पहले

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

उन दिनों की बात निराली
ख्याली पुलाव से भरते थाली,
कभी सपने एक संग हजार
कभी किसी से आंखें चार,
कभी तितली के पीछे भागे
कभी मोर के पंख संभाले,
बरसात के पानी में छप छप
कभी इठलाते करते गपशप,
गिल्ली डंडा छुपन छुपाई
रेत में तस्वीर बनाई,
पतंग बहाने किसी को देखा
क्योंकि खींची हुई थी लक्ष्मण रेखा,
पर हर नहले पर अब होंगे दहले
₹सोच नहीं पाए थे पहले₹,
व्हाट्सएप पर ही सूरज दर्शन
फेसबुक पर सर्वस्व अर्पण,
आसान नहीं अब जीवन सफर है
व्हाट्सएप,फेसबुक पर पल-पल की खबर है,
अनजानो से जुड़ गए रिश्ते
व्हाट्सएप,फेसबुक बन गए फरिश्ते,
कोरोना का दौर जो आया
धड़ाधड़ मौत का शोर तो आया,
अकेलेपन की मिली सजा
तब व्हाट्सएप,फेसबुक बने खुदा,
स्वरूप आभासी पटल में बदले
₹सोच नहीं पाए थे पहले₹।

मोहब्बत

रेणुका अग्रवाल

ये शोखियाँ ये अदा,
सुनाऊँ किसे दिल की सदा।
देखूँ तो धड़कन साज बजे,
नज़रों में बसे है मयकदा।
हमदोनों की बने कहानी,
सुनाये जो अपनी ज़ुबानी।
ज़र्रा ज़र्रा गीत गाता रहे,
फ़साना बने अपनी जवानी।
चीनी बन शर्बत में घुलो।
धूप सी निखरो चाँदनी में धुलो।
आंच सी लगे तनबदन में।
मेरे दिल जिगर जान में ढलो।
आओ सावन की बहार बनकर।
झूमो फ़ज़ा की बयार बनकर।
इक़रार इज़हार ताउम्र रहे,
दिल में रहो सिर्फ़ प्यार बनकर।
बून्दों सी बरसो रिमझिम रिमझिम।
शीतलता दो हिलमिल हिलमिल।
नज़रों में बसकर सुकून दे दो,
फ़िर से रूह को जुनून दे दो।
सृष्टि रूप अद्वितीय स्वरूप तुम।
काम के लिये हो रति रूप तुम।
बून्द बून्द खेले कण कण में,
बारिशों में कँवली धूप हो तुम।
ये रूहानी एहसास।
रहता है दिल के पास।
जो कभी नहीं बुझती
वो हो अनमोल एहसास।

शब्द तेरे ,छंद तेरे कविता तेरी

संजीव ठाकुर,
रायपुर

हवाएँ तेरी,शहर तेरा,मंजिल तेरी,
पल ठहर जायेंगे,मर्जी होगी तेरी।
शब्द तेरे,छंद तेरे,कविता तेरी,
गुनगुनायेंगे हम,हामी होगी तेरी।
आसमान तेरा,रंग तेरे,परिंदे तेरे,
उकेरेंगे आकृति, गर मर्जी होगी तेरी.
भाव तेरा, मन तेरा, भावनाएं तेरी,
रच लेंगे पंक्तिया, गर होगी लेखनी तेरी।
कलिया तेरी,पुष्प तेरे,उपवन तेरा,
हाथों में सजा देंगे, गर होगी मेहंदी तेरी।
कुह कुह तेरी,चह चहाहट तेरी,
खूब चहकेंगे,होगी चांदनी तेरी।
झरने तेरे,नदियां तेरी,सागर तेरे,
पी लेंगे नीर,गर नदी होगी तेरी।
पगडण्डी तेरी,सड़के भी तेरी,
तय करेंगे सफर,गर होगी गालियां तेरी।
पवन तेरा,गगन तेरा,आकाश तेरा,
उड़ जायेंगे, गर होंगी आशिकी तेरी।
सुर तेरा ,ताल तेरा,शहनाई तेरी,
आवाज देंगे, गर पुकार होगी तेरी।

डूब जाऊ तेरे इश्क़ की रूबाई में

किसके ख्यालों में खोये हुए हो
यूं नैन मतवाले मदहोश निगाहें
क्या करके घायल दिल को मेरे
सुकून के आहे भरोगे....।
किसके ख्यालों में खोये हुए हो
चेहरे पर मंद - मंद मुस्कान
और तिरछी नजरें लिए मानों
खोये हुए हो महोब्बत के अफसानों में।
कि ना छुपाऊ अब इश्क़ की जुदाई
झलकने लगी मनोहर मूरत पर तेरे
और तेरे इसी सादगी पर ना जाने कितने होंगे
तैयार खोने को तेरे इश्क़ की रूबाई में।
पर हमें नहीं गवारा किसी और के
महफ़िल में शामिल हो जाना
कि हमें तो चाहत है इतनी सी बस
चासनी बन डूब जाऊ तेरे इश्क़ की रूबाई में।

- ममता कुशवाहा

फ़ौजी

डॉ डी डी देसाई

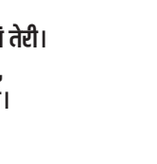

तुम बिन किताबों के पन्ने अधूरे हैं,
कहानी, नाटक कई उपन्यास अधूरे हैं।
इतना ही नहीं सिनेमा
का परदा भी अधूरा हैं।
तुम बिन हे फ़ौजी सारा जहान अधूरा है।
सुनी कलाई से कई राखियाँ गुजरी होंगी,
कई सुहागन की थाल – छलनियाँ सजी होंगी,
पर करवा चौथ की रातें अधूरी गुजरी होंगी।
दशहरे का पर्व,दीपावली की रोशनी से
सबकी दुनिया चमकी होंगी,
पर सीमा पार होती गोली बारी की चमक,
तुम्हारी आँखों में कौंधती होंगी।
माता–पिता की गोद, प्यार दुलार और
सुकून भारी नींद सबको मिलती होगी।
पर तुम्हे कभी राजस्थान की गर्म रेत,
तो कभी हिमालय की ठंडी बर्फ जगाती होगी।
तुम्हारी शहादत के बिना जीत का परचम अधूरा हैं।
तुम बिन हे फ़ौजी.. सारा जहान अधूरा हैं।
तुम्हारे साथ खेलने, मौज मस्ती के इंतजार में,
बच्चों की छुट्टियाँ मायूस गुजरी होंगी।
कभी चट्टानों पर तो कभी सरहद पर तैनात तुम
तुम्हारे इंतजार में माँ -बाप की कई रातें गुजरी होंगी।
तेरे रंग में रंग कर एक अरसा हुआ हैं,
तुम बिन लोहड़ी, बैसाखी और सावन गुजरा हैं,
अब आ भी जा हे भारत माता के लाल,
तुमने नहीं देखा अरसे से मेरा श्रृंगार अधूरा है।
सरहद को हैं ख़ुशी तेरी मौजूदगी की पर हे फ़ौजी,
तुम बिन मेरा घर परिवार ये जहान अधूरा हैं।

सबको विश्वास हो

गजानन पाण्डेय

फूल से बच्चों के
हाथों पुस्तक हो
उनमें भी ज्ञान का प्रसार हो।
मुख पर मुस्कान हो
इस जीवन पर सबका अधिकार हो ।
जीवन एक अवसर है
इस बात पर सबको विश्वास हो
हर किसी के जीवन में नव - प्रभात हो ।
कोई न भूखा हो
तन पर कपडा
हाथों में काम हो
मन में सुरक्षा का भाव हो ।
जीवन के साधनों पर
सबका अधिकार हो ।
समता व न्याय का
सब तरफ प्रसार हो ।
तभी तो ' गणतंत्र ' पर
सबका विश्वास हो ।

बढ़ो साथियों, लेके तिरंगा चलना है

कुमुद बाला,
हैदराबाद

मेरा शीश अगर ये कट
भी जाये लेके तिरंगा चलना है
अब आँधी आये या
तूफ़ां जाँ हथेली पे लेके चलना है 35
हमें तो आगे बढ़ना है
वंदे मातरम वंदे मातरम
पूरब में सूरज उगता है
मेरे वतन की खातिर
चंदा भी तम से मिलता है मेरे वतन की खातिर
सब तारे झिलमिल करते हैं मेरे वतन की खातिर
यह नीला व्योम चमकता है मेरे वतन की खातिर
हमें वतन की खातिर जीना दिल में वतन को लेके मरना है
मेरा शीश अगर ये कट भी जाये लेके तिरंगा चलना है।
हमें तो आगे बढ़ना है वंदे मातरम वंदे मातरम
देखो कितने वीरों ने दी देश पे अपनी कुर्बानी
हम भी तो कुछ कर जाएं रुक जाये नैनों का पानी
हँसकर पहने बासंती चोला चढ़ गये फाँसी पे
न्यौछावर देश पे की वीरों ने खिलती वह जवानी
उन वीरों की शहादत पे हमको जलाके मशालें चलना है
मेरा शीश अगर ये कट भी जाये लेके तिरंगा चलना है।
हमें तो आगे बढ़ना है वंदे मातरम वंदे मातरम
दुश्मन करता है गद्दारी पर कुछ अपने भी गद्दार हैं
लालच ये पैसों की करके उठाते फिर हथियार हैं
प्रण लें चलो निकालें चुनकर ऐसे धोखेबाज़ों को
तिलक लगा कहती है भाई अब बहनें भी तैयार हैं
मुण्डों की माला पहन बन काली
दुश्मन का रक्तपान करना है
मेरा शीश अगर ये कट भी जाये लेके तिरंगा चलना है।
हमें तो आगे बढ़ना है वंदे मातरम वंदे मातरम
शर्म नहीं आती तुझको छुप देश पे वार करता है
नापाक इरादे ले मुख में मिश्री घोल के रखता है
हम वो हैं जो चट्टानों में भी अपनी राह बनाते हैं
सीने पे गोली खाने की जवान तमन्ना रखता है
अगर मैदान में तुम आ जाओ
सर दल के तुम्हारे चलना है
मेरा शीश अगर ये कट भी जाये लेके तिरंगा चलना है।
हमें तो आगे बढ़ना है
वंदे मातरम वंदे मातरम।।

नानी की बातें

लवली आनंद,
बिहार

मुझे याद है नानी की वो बातें,
जब शाम होने पर,
नानी दिया जलती और,
तुलशी चौरा को सजती थी।।
तब गांव में बिजली कम आया करती थी।
अक़्सर शाम होते ही मैं पेड़ पे चमक रहे,
जुगनुओं को देख कर डर जाती थी।।
तब नानी मुझे गोद मे बिठा कर,
कहानियां सुनाया करती थी और,
ना जाने कब मेरी आँख लग जाती थी।।
याद है मुझे नानी की वो बातें,
जब शाम होते ही सारे पंछियो,
का शोर बन्द हो जाता तो,
मेरे पूछने पे वो कहती,
सब अपने बच्चों के पास,
घोसलों में सो गई,
मैं बचपन से ही चंचल हु,
रातो को एक पंछी,
जोर से बोला करती है,
आवाज सुनते ही मैं डर कर,
उठ जया करती तो नानी कहती,
सो जाओ एक पहर बीते है,
इसलिए चुचुहिया बोल रही,
और अपने आंचल से मुझे,
ढक देती और मैं गहरी नींद में,
अंतरिक्ष की उड़ान भरने निकल जाती,
ये बिल्कुल वैसा ही अंतरिक्ष था।
जैसे नानी के उस कहानियों में होता था।
सप्त ऋषि, चाँदा मामा की सभा सब कुछ,
किताबो से बाद में जानी,
पर नानी को पहले से पता था,
मुझे याद है बचपन की वो सारी बाते,
जो नानी बताती थी।।

अपनापन

टी तारासिंह
हैदराबाद

बिछडो को किस्मत मिला देती
मिला कर बस खुशियाँ ही देती
प्यार हम सबका बढ़ा देती
अब ना हम देखेंगे कोई सपने
हैं हम जो साथ अपनों के साथ
ये सहारा है जीवन भर का
जीवन के रास्ते हैं लम्बे चौड़े
फिर भी दिल के टूकड़े ना करेंगे
सुधार लिये हमारे प्यार के रास्ते
हम मिल कर साथ साथ रहेगे
प्यार की चाहतो ने सबके दिल जोडे
जिंदगी की बहारों ने अपनापन बढाया
खजाना प्रित का सबने अपनाया
अमृत से बोल सब बोल रहे हैं ।।

शिक्षा हमारी

डॉ विजय पांढरीपांडे
हैदराबाद

पढते पढाते न जाने
कितने सयाने हो गये
चलो अब गुस्ताखी करे,
बदनाम हो जाये
हम बोलते गये वो सुनते रहे,
बोअर हो गये
जाने कब बुझ गये अच्छे जलते दिये
पढते पढते जमा किये न जाने कितने कागज के तुकडे
आया बुढापा क्या कामके,सब जला दिये
आसान नही पढना समझना, अंदर बरसना
दिल दिमागके दरवाजे खुले रहना चाहिए
किताबो मे नही बाहर है असली जिंदगी
देखने के लिये आख खुली रहना चाहिए
सही गलत के फैसलेमे उलझी शिक्षा हमारी
जवाब कोई सही नही ये विज्ञान समझना चाहिए

करें चिंतन...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

सिख रहा हूँ मैं भी
इंसानों के पढ़ने का हुनर
सर्वविदित,
चेहरों पे किताबों से ..लिखा होता है
रास्ते थे अनजाने,
फिर भी चलता रह गया
शायद.. उम्मीद में,
कहीं रिश्ता जुड़ा होता है
तूने बहुत सम्हाल के रखा था कल जिसे
खफ़ा था,ऊपर से नीचे तक उलझा होता है
न जाने क्योंकर आग लगा दी जाती घर को
पूछा, कहा हस कर मैंने, पगला अधूरा होता है
सोचा था घर बना कर बैठूंगा सुकून से
सुबह उठा,मुसाफिरों का अड्डा बना होता है
हूँ अदना,लोग कहते हैं हम मुस्कराते बहुत हैं
दर्द छिपाते छिपाते शाल ओढ़ लिया होता है
महफ़िल दुआओं की,मैंने भी एक दुआ मांग ली
सभी खुश रहें,नित्य दिन पल पल यही सजदा.. है
राम तुम्हारे युग का रावण बहुत अच्छा था
दस के दस चेहरे बाहर रखा होता है
ख्वाहिशों ने ही भटकाए जिंदगी के रास्ते
करें चिंतन, वरना छींके से यूँ ही लटका..है।।

प्रेम कविता

आरती चिराग,
प्रयागराज

वो कहते हैं प्रेम पर कविताएं लिखो
मैं कहती हूं मैं प्रेम पर लिखती नहीं
मैं प्रेम में जीती हूं
मैं करती हूं प्रेम
नदी-तालाबों, पेड़-पौधों, बाग-बगीचों, पर्वत-पहाड़ से
उन सूखी नदी तालाबों से भी
जिन्हें बारिश के बाद भर जाना है
उन सूखे पेड़ों से भी
जिनमें नए पत्ते आने की उम्मीद है
मैं उस बच्चे से भी करती हूं प्रेम
जिसने खोली हैं अभी अभी आंखे
मैं उस पूरी मानव जाति से करती हूं प्रेम
जो मानवता की ऊंचाइयों को छू रहे हैं
जिस तरह बारिश के प्रेम से
धरती हो गई है हरी
प्रेम में पक्षी गाते हैं सुरीला गान
पर्वत पहाड़ सब खड़े हैं प्रेम में सीना ताने
प्रेम होता समुद्र की अथाह गहराइयों से भी गहरा
और अंतरिक्ष की ऊंचाइयों से भी ऊंचा
प्रेम निश्छल है उस बच्चे की आंखों में
जो मां का आंचल पकड़े पीछे-पीछे दौड़ रहा है।
प्रेम को प्रेमी जुगल जोड़े के इतर भी
अब देखना होगाप्रेम की परिभाषा को भी बदलना होगा
और प्रेम की कविताओं को भी।

प्रेम की खेती

डॉ. संतोष पटेल
नई दिल्ली

प्रेम बचा रहे! प्रेम बचा रहे!
आखिर हाँक कौन रहा है यह
पहले देखो अपने ह्रदय तल को
है वह उपजाऊ ?
जहां लग सके प्रेम की फसल।
जितना समय यह
हांकने में लगाते हो तुम
उतना समय अपने ऊसर ह्रदय को
उर्वर बनाने में लगाओ
माना कि बचपन में उपजाऊ ह्रदय को
बना दिया गया रेतीला
रोप दिये गये भेदभाव के बबूल के पेड़ उसमें
लेकिन उसको मरुधान बनाने में
कौन सी कसर छोड़ी है तुमने ?
अब भी कंटीले पेड़ों को पाल ही रहे हो।
अब जब तुम प्रेम बचाने की बात
हर मंच से कर ही रहे हो
तो ह्रदय तल में जमें बंजरपन को मिटाओ
हर प्रकार के भेदभाव की पाषाणता से हो मुक्त
उसको बना दो उपजाऊ
जहां ना उग सके किसी तरह के भेदभाव रूपी
कंटीले पेड़- पौधे
बनी रहे तरलता ह्रदय में
ताकि उगे प्रेम रूपी वृक्ष
और खिल सके प्रेम पुष्प
जिसकी सुगंध से सुभाषित
हो समस्त वातावरण
पुष्पित और पल्लवित हो मानवता
फिर कहने आवश्यकता नहीं होगी तुम्हें
कि प्रेम बचा रहे
प्रेम बचा रहे
हां, तब बात होगी
प्रेम को बचाने की नहीं
उसे आपस में बांटने की।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी

रविवार 5, फरवरी 2023

न फीस कम, न दवाएं सस्ती, जॉब्स भी गायब तो मिला क्या?

प्रियांशु यूपी के गाजीपुर के छोटे से गांव जखनिया के रहने वाले हैं। करीब 130 दिन से फीस बढ़ने के विरोध में इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के कैंपस में धरने पर बैठे हैं। पिता का नाम राम आसरे है। छोटी सी खेती से गुजारा चलता है। रुआंसे होकर कहते हैं- 'दो बहनें हैं। सोचा था, पढ़-लिख लूं तो उनकी शादी करने में पिताजी की मदद करूंगा। अब तो फीस इतनी बढ़ गई है कि पढ़ाई पूरी होगी, इसी का भरोसा नहीं। उम्मीद थी बजट से कुछ राहत मिलेगी, कोई ऐलान होगा, लेकिन सिर्फ छलावा मिला है।' इस बजट पर एक्सपर्ट्स ने मिले-जुले रिएक्शन दिए हैं। किसी ने 7 लाख तक इनकम टैक्स फ्री करने की तारीफ की, तो किसी ने इसे बेरोजगारों और किसानों के लिए बुरा बताया।

वहीं स्टूडेंटस, होम मेकर्स, किसान और टैक्सपेयर्स को ये बजट कैसा लगा। क्या उनकी जिंदगी में इससे कोई बदलाव आएगा, राहत मिलेगी? इन सवालों को लेकर 6 शहरों में अलग-अलग लोगों से बात कर रिपोर्ट तैयार की, उसी की लेखा-जोखा।

बजट से स्टूडेंटस को क्या मिला, ये जानने के लिए उन छात्रों से मिला गया, जो 14 सितंबर 2022 से एक बार में 400% फीस बढ़ाए जाने के विरोध में प्रयागराज यूनिवर्सिटी में धरने पर बैठे हैं। एक वक्त था, जब इलाहाबाद यूनिवर्सिटी को पूरब का ऑक्सफोर्ड कहा जाता था, यहां आज भी यूपी और आस-पास के राज्यों से आने वाले और आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति वाले हजारों बच्चे पढ़ने में गर्व महसूस करते हैं। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में फीस बढ़ाने का नोटिफिकेशन 14 सितंबर 2022 को हुआ था। इसमें बीए की 975 रुपए से बढ़ाकर 3,901 रुपए, बीएससी की 1,125 रुपए से 4,151 रुपए और बीकाम की फीस 975 रुपए से 3,901 रुपए कर दी गई। स्टूडेंट इसका विरोध कर रहे हैं। यहां ग्रेजुएशन सेकेंड ईयर में पढ़ रहे रवि सिंह रिंकू भी प्रोटेस्ट कर रहे लोगों में शामिल हैं। बजट का सवाल करते ही भड़क जाते हैं, कहते हैं- 'स्टूडेंटस के लिए कोई राहत नहीं दी। उम्मीद थी कि बढ़ती हुई फीस पर कुछ बोलेंगे, कोई घोषणा करेंगे। सोचा था, मेरे जैसे गांव-देहात से आने वाले स्टूडेंटस के लिए सस्ती पढ़ाई का कोई इंतजाम करेंगे।' गाजीपुर के प्रियांशु से सवाल किया तो बोले- 'कौशल विकास के नाम पर 3 साल तक युवाओं को भत्ता दे रहे हैं। इससे क्या फ्यूचर बनेगा? नौकरी दे देते, पढ़ाई सस्ती कर देते, तो हमें कुछ मिलता भी। नौकरियों और बेरोजगारी पर तो कुछ बोला ही नहीं।' पास में खड़े बीए फाइनल ईयर के स्टूडेंट अभिषेक यादव भी आ जाते हैं, कहते हैं- 'मैं जौनपुर का हूं। मेरे गांव में आज भी ज्यादातर लोग 12वीं से आगे नहीं पढ़ पाते, पढ़ भी लें तो नौकरी नहीं मिलती। पिताजी की कमाई मुझे पता है, उनसे फीस मांगने में शर्म आती है।'

पटना में बीते कई महीनों से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे और टीचर्स ट्रेनिंग कर चुके युवा प्रदर्शन कर रहे हैं, लाठियां खा रहे हैं। दिसंबर 2022 में हुए एक सरकारी सर्वे में बिहार के 19% पढ़े-लिखे लोगों ने खुद को बेरोजगार बताया है। बेरोजगारी पर बजट कैसा रहा, पूछने पर पटना में आशीष कुमार 10 साल से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं। सहरसा से पटना आए थे। बिहार लोक सेवा आयोग और बिहार कर्मचारी आयोग की दो परीक्षाओं में शामिल हुए। दोनों के पेपर लीक हो गए। अब नौकरी के लिए प्रदर्शन में शामिल हैं। पिछले दो महीने में तीन बार लाठियां खा चुके हैं। वे कहते हैं- 'बजट में कितनी नौकरियों का ऐलान हुआ है? आपको पता चले तो हमें भी बता देना। हमारे पास केंद्र और राज्य में टीचर की नौकरी के लिए सभी जरूरी डिग्री हैं, सीटेट-एसटेट एग्जाम भी पास किया है, लेकिन वैकेंसी कहां है? स्किल देने के नाम पर योजनाएं चल रही हैं, ट्रेनिंग हो रही। सर्टिफिकेट मिल जाता है, लेकिन नौकरी है ही नहीं।'

आशीष के साथ ही सौरभ कुमार भी लाठी खा रहे लोगों में शामिल हैं। साल 2010 में वैशाली जिले के भगवानपुर से पीजी करने के बाद पटना नौकरी के एग्जाम देने आ गए थे। नौकरी की तैयारी करते- करते पटना साइंस कॉलेज से एमएससी कर ली और आजकल पटना यूनिवर्सिटी में रिसर्च स्कॉलर हैं। 6 साल से बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन की तैयारी कर रहे हैं। दो बार प्री-एग्जाम निकाला, मेंस परीक्षा पास की और इंटरव्यू भी दिया, लेकिन नौकरी नहीं मिली।

बजट के सवाल पर कहते हैं- 'नौकरी की उम्मीद थी, लेकिन कोई घोषणा ही नहीं हुई। हजारों लोग बेरोजगार हैं, उनके लिए बजट में कुछ नहीं था। 2 करोड़ नौकरी और 20 हजार करोड़ के स्पेशल पैकेज का वादा था। इस बार भी स्किल से जुड़ी योजनाओं का ऐलान हुआ है, लेकिन उनसे सिर्फ सर्टिफिकेट मिलते हैं।'

घर के बढ़ते बजट पर बात करने के लिए राजधानी दिल्ली में नेवी से रिटायर्ड कर्मचारी रामनिवास पांडे मिले जो जनरल स्टोर चलाते हैं। बजट के सवाल पर कहते हैं- 'पहले दुकान में सामान भरने के लिए जितना पैसा खर्च करना पड़ता था, अब उससे 22% ज्यादा करना पड़ता है। हमें तो पता ही है कि महंगाई किस रफ्तार से बढ़ी है। लोग कम खरीदने लगते हैं, हमारा नुकसान बढ़ जाता है।' रामनिवास आगे बताते हैं- 'कोविड के बाद तो जैसे सब कुछ महंगा हो गया है। मुनाफा कम हो गया। बजट में हम जैसे छोटे कारोबारियों के लिए कुछ भी नजर नहीं आया। हम ही रोजगार देते हैं, बड़ी कंपनियां तो मशीनें लगाकर सारा काम करती हैं।'

रामनिवास की दुकान से सामान खरीद रहीं रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी रेणु शाह कहती हैं- 'विदेशों में जो हो रहा है, उससे देश में भी महंगाई बढ़ रही है। महंगाई सब जगह ही बढ़ रही है, सरकार इस मामले में ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। जो दाम बढ़ चुके अब वापस नहीं होंगे, महंगाई कम होगी, उम्मीद कम है। सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी बढ़िया काम कर रही है।' हालांकि सरकार की तारीफ के बीच ही उनका दर्द भी सामने आ जाता है। कहती हैं- 'दिक्कत आटा और दूध के दाम लगातार बढ़ने से है। हर दो-तीन महीने में दूध के दाम बढ़ रहे हैं। दूध ऐसी चीज है, जिसके बिना नहीं रहा जा सकता। सरकार को इस बारे में कुछ करना चाहिए। एक दिन पहले ही अमूल ने एक लीटर दूध की कीमत 3 रुपए बढ़ा दी है।' वे दूध का पैकेट उठाए दुकान से चली जाती हैं। मार्केट में मिली नेहा कहती हैं- 'सरकार ने महिलाओं के लिए महिला सम्मान बचत पत्र शुरू किया है। ये अच्छी योजना है, लेकिन अभी हम बचत कहां से करें, हम तो पहले ही महंगाई से परेशान हैं। कुछ बच ही नहीं रहा। ये योजना अभी किसी काम की नहीं है।' दिल्ली में एक छोटी दुकान चलाने वाले अनिल भी बजट से नाराज नजर आते हैं। वो कहते हैं-'हमें उम्मीद थी कि आम आदमी को कुछ राहत मिलेगी। आटा, दाल या नमक और रोजमर्रा के सामान की महंगाई पर कोई असर नहीं पड़ने वाला।'

लखनऊः जनरल डिब्बा चढ़ने लायक नहीं, स्लीपर भी 'कैटल क्लास' बना। पहले अलग रेल बजट आता था, लेकिन अब आम बजट में ही इसके ऐलान कर दिए जाते हैं। रेलवे औसतन हर रोज 2.5 करोड़ लोगों को सफर कराता है। ऐसे में रेल से रोज यात्रा करने वाले यात्रियों से बजट पर सवाल किए। इसके लिए यूपी की राजधानी लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर लोगों की प्रतिक्रिया काबिलेगौर है। मोहम्मद अशरफ खान मेरठ से सफर कर शादी में शामिल होने के लिए लखनऊ आए हैं। सरकारी नौकरी से रिटायर्ड हैं। बजट के सवाल पर कहते हैं- 'ट्रेन से हर महीने 2-3 बार सफर करना हो ही जाता है। जनरल क्लास चढ़ने के लायक ही नहीं। स्लीपर क्लास कैटल क्लास है। जानवरों वाला क्लास है। रिजर्वेशन करवाकर बैठा पैसेंजर भी टॉयलेट तक नहीं जा सकता। लोग घुस आते हैं, रोकने वाला कोई नहीं। लोग भी क्या करें, ट्रेनें कम हो गई हैं। हर कोई तो टैक्सी से नहीं चल सकता।' आगे कहते हैं- 'हमारे जैसे आदमी के लिए सिर्फ वादे और नारे होते हैं। हम तो उसी में खुश हो जाएंगे कि ट्रेन राइट टाइम चल जाए और टाइम से पहुंचा दे। आज भी ट्रेन आउटर पर घंटों खड़ी रहती है, जब से पैदा हुए यही देख रहे हैं।' स्टेशन पर ही मुलाकात देवेंद्र से होती है। देवेंद्र यूट्यूबर हैं और फूड ब्लॉगिंग करते हैं। महीने में कई बार ट्रेन से ट्रेवल करते हैं। देवेंद्र कहते हैं- 'ट्रेन में सफाई न होना सबसे बड़ी दिक्कत है। जनरल, स्लीपर और थर्ड एसी में तो आप वॉशरूम जा ही नहीं सकते। जिन ट्रेनों में जनरल डिब्बे नहीं होते, लोग स्लीपर-एसी में घुस आते हैं। आम लोग तो जनरल में ही सफर करेंगे, सरकार को इस बारे में सोचना चाहिए। मोबाइल कितना जरूरी है, लेकिन एसी के अलावा कहीं उसे चार्ज करने की सुविधा नहीं।' बलिया से लखनऊ आए मनीष और उन्नाव से रोजाना लखनऊ आने वाले मुजाहिद अंसारी भी स्टेशन पर बैठे हैं। कहते हैं- 'वेटिंग लिस्ट कंफर्म नहीं होती है। तत्काल इतना महंगा है कि आम आदमी कैसे ले। किराया तो बढ़ रहा है, लेकिन सुविधाएं कम हो रही हैं।'

दिल्ली के मयूर विहार में पकौड़े की दुकान लगाने वाले रोहताश यादव ग्राहकों के इंतजार में हैं। बजट के सवाल पर कहते हैं, 'मुझे बजट की ज्यादा समझ नहीं, सरकार ने अच्छा ही किया होगा। बस महंगाई पर कुछ कर दे, नमक से लेकर आटा, बेसन, गैस सब महंगा हो गया है। पेट पालना ही मुश्किल हो गया है।' रोहताश अपने परिवार के साथ नोएडा से सटे न्यू अशोक नगर इलाके में किराए के मकान में रहते हैं। कहते हैं, 'सारा पैसा किराए में चला जाता है। घर है ही नहीं, न ही उम्मीद है कि कभी हो पाएगा। महंगाई देखकर तो लगता है आगे कैसे जिएंगे।' रोहताश के पास रमेश हाथ-रिक्शा लेकर खड़े हैं। रमेश बिहार से आए थे और अब मयूर विहार में रिक्शा चलाते हैं। बजट की बात सुनकर कहते हैं- 'पिछले साल तो मुफ्त राशन मिल रहा था। पत्नी की मौत हो गई, तो अब वो भी नहीं मिल रहा। राशन कार्ड बिहार का है। अंगूठे का छाप नहीं आता है, इस वजह से राशन कार्ड आधार से नहीं जुड़ा पाया। दिल्ली में तो डीलर राशन देता ही नहीं, भगा देता है।' रमेश आगे कहते हैं, 'पहले आराम से तीन-चार सौ रुपए कमा लेता था। अब दिनभर में दो सौ-ढाई सौ भी नहीं कमा पाता। तीन हजार कमरे का किराया है।

परीक्षा प्रणाली में नकल का मर्ज

चूंकि शिक्षा सही ज्ञान की खोज की जगह बाजार बनती जा रही है, शायद इसीलिए नकल भी कारोबार बन गई है। ज्यादातर प्रतियोगी परीक्षाओं में तमाम सावधानी के बावजूद पर्चे बाहर आ जाते हैं। जल्दी और आसानी से धन इकट्ठा करने की इच्छा और सत्यनिष्ठा का अभाव इसके लिए अधिक जिम्मेदार है। यह प्रवृत्ति केवल प्रतियोगी परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। स्कूल-कालेज और विश्वविद्यालय भी इससे अछूते नहीं हैं। यह चिंता की लकीर को और गहरा कर देता है।

उत्तराखंड में यह प्रवृत्ति कुछ अधिक व्यापक है। अधीनस्थ कर्मचारी चयन आयोग से लेकर लोक सेवा आयोग तक इसकी जद में आ गए हैं। हैरत तो यह है कि पर्चा लीक को लेकर अभी धर-पकड़ जारी ही थी, नियम-कानून सख्त बनाने के प्रयास चल ही रहे थे कि उत्तराखंड लोक सेवा आयोग द्वारा 8 जनवरी को आयोजित पटवारी परीक्षा का पर्चा भी लीक हो गया। ऐसी घटनाओं ने प्रदेश को नए ढंग से सोचने पर विवश किया है और राज्य सरकार एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए है कि निष्पक्ष परीक्षा के लिए क्या नियम और कानून हों।

गौरतलब है कि फरवरी से बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। इसी सिलसिले में एक बार फिर प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से मन की बात की। एक बच्चे ने उनसे सवाल किया कि क्या परीक्षा में नकल करनी चाहिए? कुछ लोग नकल से परीक्षा पास कर जाते हैं, इससे हम कैसे बचें?

यह महत्त्वपूर्ण है कि बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी नकल को लेकर प्रधानमंत्री से बेझिझक बात कर रहे हैं और शायद इस असमंजस में हैं कि बेहतर अंक पाने का यह कहीं अच्छा तरीका तो नहीं। इसमें कोई दो राय नहीं कि नकल या पर्चा लीक जैसी प्रवृत्तियां प्रतिभा को ही नष्ट कर देती हैं। मगर जिस प्रकार शिक्षा और परीक्षा के मुकाबले पूंजी खड़ी हो रही है, उसमें सिक्के की खनक को अगर महत्त्व मिलता रहा, तो प्रतिभाशाली धोखे के शिकार हो जाएंगे। प्रधानमंत्री का जवाब बहुत सारगर्भित था। उन्होंने कहा कि जो मेहनती विद्यार्थी है उसकी मेहनत उसकी जिंदगी में अवश्य रंग लाएगी। कोई नकल करके दो-चार अंक ज्यादा ले जाएगा, मगर वह कभी आपकी जिंदगी में रुकावट नहीं बन पाएगा। इसमें कोई दुविधा नहीं कि भीतर की ताकत ही आगे ले जाती है, मगर नकलविहीन व्यवस्था बनाना भी सरकार की जिम्मेदारी है। सुशासन की परिपाटी में एक सजग प्रहरी के तौर पर सरकार का नकल और पर्चा लीक रोकना अनिवार्य पहलू है। अगर शिक्षा, परीक्षा या प्रतियोगिता में नकल और पर्चा लीक को शून्य नहीं किया जाता, तो देश का विकास भी बाधित होगा। विभिन्न प्रदेशों में आयोजित होने वाली परीक्षाओं में भी कमोबेश ऐसी घटनाएं देखने को मिलती रही हैं। हिमाचल प्रदेश कर्मचारी भर्ती चयन आयोग की परीक्षा में पर्चा लीक से लेकर हरियाणा कांस्टेबल भर्ती में आठ माह में दो बार पर्चा लीक, राजस्थान में शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट) परीक्षा का पर्चा लीक कुछ उदाहरण भर हैं कि परीक्षाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराने में भर्ती एजेंसियां और सरकारें बौनी सिद्ध हुई हैं।

बिहार लोक सेवा आयोग की सड़सठवीं प्रारंभिक परीक्षा पर्चा लीक होने के चलते स्थगित करनी पड़ी थी। इस प्रतियोगिता में छह लाख प्रतियोगियों ने आवेदन किया था और परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले पर्चा सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गया। बिहार लोक सेवा आयोग और सरकार की बड़ी किरकिरी हुई और प्रतियोगी छात्रों ने जमकर हंगामा किया। इससे पहले अलग-अलग रूपों में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड, हरियाणा और राजस्थान में पर्चा लीक के मामले हो चुके हैं।

बिहार में ही अग्निशमन सेवा 2021 और सिपाही भर्ती की परीक्षा में पर्चा लीक हुआ। पिछले साल उत्तर प्रदेश में बारहवीं बोर्ड में अंग्रेजी का पर्चा लीक होने के कारण प्रदेश के चौबीस जिलों में परीक्षा स्थगित कर दी गई थी। यूपीटीईटी परीक्षा 2021 का पर्चा लीक हुआ। हरियाणा में यूजीसी-नेट परीक्षा का पेपर लीक हुआ और गुजरात में हेड क्लर्क परीक्षा और दसवीं का हिंदी का पर्चा बाहर आ गया था।

उत्तराखंड में भर्ती परीक्षाओं की गड़बड़ी, मसलन स्नातक स्तरीय भर्ती, वन दरोगा भर्ती, सचिवालय रक्षक भर्ती समेत कई प्रतियोगी परीक्षाओं में जो गड़बड़ियां मिलीं, उससे सरकार की काफी किरकिरी हुई है। परीक्षा से पहले पर्चा बाहर आ जाना परीक्षा प्रणाली पर गहरे सवाल खड़े करता है। ऐसे माफिया से परीक्षा को सुरक्षित कैसे किया जाए, यह भर्ती एजंसियों और सरकार दोनों के लिए बड़ी चुनौती है। इसे रोकने को लेकर राज्य सरकारें अपने ढंग से कानूनी कसरत में लगी रही हैं। इस मामले में पुलिस धारा 120बी, 420 और 468 के तहत मुकदमा दर्ज करती है, जिसमें क्रमशः गंभीर अपराध, धोखाधड़ी से संपत्ति के वितरण और दस्तावेजों के गलत इस्तेमाल शामिल हैं। अधिकतम सात वर्ष तक की जेल और जुर्माना संभव है। कई राज्यों ने तो संपत्ति जब्त करने जैसे उपाय भी इस्तेमाल किए हैं। राजस्थान सरकार ने नकल रोकने के लिए एक विधेयक पेश किया है, जिसमें दस करोड़ का जुर्माना और दस साल की सजा शामिल है। उत्तराखंड सरकार भी पर्चा लीक के खिलाफ सख्त कानून लाने में लगी हुई है।

मौजूदा हालात ऐसे हैं कि पर्चा लीक से लेकर नकल रोकने तक के जितने भी जोड़-जुगाड़ किए जा रहे हैं, उतनी ही कठिनाइयां भी बनी हुई हैं। भारत का शायद ही कोई कोना खाली हो, जहां नकल या पर्चा लीक की गुंजाइश न हो। सवाल है कि परीक्षा से पहले ही पर्चा बाहर कैसे हो जा रहे हैं? इसके पीछे माफिया का गिरोह काम कर रहा है और उनकी करोड़ों की कमाई हो रही है। छोटी-छोटी प्रतियोगी परीक्षाओं का पर्चा दस से बीस लाख तक बिकना यह साबित करता है कि पर्चा लीक माफिया की सांठगांठ आर्थिक तौर पर कितनी सशक्त है।

एक ओर बढ़ती बेरोजगारी, तो दूसरी ओर खाली पद भरने की विज्ञप्तियों का बरसों-बरस इंतजार के बाद निकलना युवाओं की उम्मीदों पर पानी फेर रहा है, तो दूसरी ओर पर्चा लीक उन्हें विफलता की पंक्ति में खड़े होने के लिए मजबूर कर रहा है। इसलिए इस पर चिंतन आवश्यक है कि पर्चा बाहर करने वाले यह बल कहां से प्राप्त कर रहे हैं। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग में तो अंदर के ही कर्मचारी ने यह कृत्य किया।

अडाणी की जांच जेपीसी से कराने पर क्यों अड़ा विपक्ष

दुनिया के दूसरे सबसे अमीर गौतम अडाणी को 21वें नंबर पर पहुंचाने वाली हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर संसद में शुक्रवार को भी जबरदस्त हंगामा हुआ। कांग्रेस, आप, तृणमूल समेत 13 विपक्षी दल इसे घोटाला बताकर जेपीसी से जांच की मांग पर अड़े हैं, लेकिन सरकार इसे अनसुना किए बैठी है। जेपीसी यानी जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी। यूं तो संसद में बनने वाले कई कानूनों की ऊंच-नीच जांचने के लिए जेपीसी बन चुकी है, लेकिन आजाद भारत में सिर्फ 6 बार किसी घोटाले की जांच के लिए जेपीसी बनाई गई।

जेपीसी की रिपोर्ट ने ऐसे-ऐसे खुलासे किए कि राजीव गांधी जैसी ताकतवर सरकार भी चुनाव हार गई। देश में उदारवाद का फाटक खोलने वाले नरसिम्हा राव दरकिनार हो गए। मनमोहन सरकार 2जी घोटाले में ऐसी फंसी कि कांग्रेस दोबारा सत्ता में नहीं लौटी।

आज जानेंगे कि वित्तीय घोटालों के लिए कब-कब जेपीसी बनाई गई और उसका क्या असर हुआ? जेपीसी होती क्या है और विपक्ष इससे जांच कराने पर क्यों अड़ा है? लोकसभा की वेबसाइट के मुताबिक, देश में हुए वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए आजादी के बाद अब तक 6 बार जेपीसीबनाई जा चुकी है

1. बोफोर्स घोटाला, 1987

देश में राजीव गांधी की मजबूत सरकार थी। 543 में से 414 सांसद कांग्रेस के थे। 16 अप्रैल 1987 को स्वीडिश रेडियो स्टेशन ने पहली बार एक खबर चलाई। इसमें उसने आरोप लगाया कि स्वीडिश हथियार कंपनी बोफोर्स ने कई देशों के लोगों को कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए घूस दी है। आरोपों की आंच राजीव गांधी सरकार तक पहुंची। विपक्ष ने जेपीसी बनाने की मांग की। अगस्त 1987 में जेपीसी बनाई गई। कांग्रेस नेता बी. शंकरानंद इस कमेटी के अध्यक्ष थे। कमेटी ने 50 बैठकों के बाद 26 अप्रैल 1988 को अपनी रिपोर्ट दी। जेपीसी में शामिल कांग्रेस सदस्यों ने राजीव गांधी सरकार को क्लीन चिट दे दी थी। हालांकि, एआईएडीएमके (जानकी गुट) के सांसद और इस कमेटी के सदस्य अलादी अरुणा ने इस रिपोर्ट में असहमति का नोट लगाया था और घोटाला होने की बात कही थी। 414 सीटों वाली कांग्रेस 1989 के लोकसभा चुनाव में 197 सीटों पर सिमट गई। जेपीसी रिपोर्ट को इसकी एक बड़ी वजह माना जाता है।

2. हर्षद मेहता घोटाला, 1992

देश में नरसिम्हा राव की सरकार थी। शेयर मार्केट घोटाले में हर्षद मेहता का नाम जोर-शोर से उछाला गया। मेहता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि उसने पीएम नरसिम्हा राव को एक करोड़ की रिश्वत दी थी। कांग्रेस और राव ने आरोपों को नकार दिया। इसका कभी कोई सबूत भी नहीं मिला, लेकिन इस मामले ने नरसिम्हा राव की बहुत किरकिरी की, क्योंकि इसी दौरान उन पर अपनी सरकार बचाने के लिए जेएमएम सांसदों को रिश्वत देने के भी आरोप लगे थे। विपक्ष ने इसकी जांच कराने के लिए जेपीसी की मांग की। अगस्त 1992 में जेपीसी बनाई गई थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राम निवास मिर्धा ने इस कमेटी की अध्यक्षता की। जेपीसी की सिफारिशों को न तो पूरी तरह से स्वीकार किया गया और न ही लागू किया गया। इसके बाद जब 1996 में आम चुनाव हुए तो कांग्रेस की हार हुई।

3. केतन पारेख शेयर मार्केट घोटाला, 2001

देश में तीसरी बार जेपीसी 26 अप्रैल 2001 को बनाई गई। इस बार केतन पारेख शेयर मार्केट घोटाले की जांच के लिए। इस कमेटी की अध्यक्षता जेपीसी सांसद रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल प्रकाश मणि त्रिपाठी ने की थी। कमेटी ने 105 बैठकों के बाद 19 दिसंबर 2002 को अपनी रिपोर्ट सौंपी। कमेटी ने शेयर मार्केट के नियमों में व्यापक बदलाव की सिफारिश की। इनमें से कई सिफारिशों को बाद में कमजोर कर दिया गया। हालांकि, इस घोटाले में सरकार पर कोई आरोप नहीं था।

4. सॉफ्ट ड्रिंक में पेस्टिसाइड का मामला, 2003

चौथी बार अगस्त 2003 में जेपीसी बनाई गई। इस बार जेपीसी को सॉफ्ट ड्रिंक, फ्रूट जूस और अन्य पेय पदार्थों में पेस्टिसाइड के मिले होने की जांच का जिम्मा सौंपा गया। इस कमेटी की अध्यक्षता जेपीसी प्रमुख शरद पवार ने की। कमेटी ने इस मामले में 17 बैठकें कीं और 4 फरवरी 2004 को अपनी रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में बताया गया कि शीतल पेय में पेस्टिसाइड था। कमेटी ने पीने के पानी के लिए कड़े मानकों की सिफारिश की। हालांकि इस सिफारिश पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

5. 2G स्पेक्ट्रम केस, 2011

देश में मनमोहन सिंह की सरकार थी। 2009 के चुनाव में कांग्रेस 206 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी और यूपीए-2 की सरकार बनाई थी। उनकी सरकार पर बेहद कम कीमत पर 2G स्पेक्ट्रम के लाइसेंस देने के आरोप लगे। विपक्ष ने इसकी जांच जेपीसी से कराने की मांग की। फरवरी 2011 में जेपीसी बनाई गई। 30 सदस्यों वाली इस कमेटी की अध्यक्षता कांग्रेस नेता पीसी चाको ने की थी। चाको ने ड्राफ्ट रिपोर्ट में पीएम मनमोहन सिंह और वित्त मंत्री पी चिदंबरम को क्लीन चिट दे दी थी। कमेटी में शामिल 15 विपक्षी सदस्यों ने विरोध जताया। चाको बाद में रिपोर्ट के ड्राफ्ट में संशोधन को तैयार हो गए। अक्टूबर 2013 में रिपोर्ट आई। इसमें कहा गया कि उस वक्त के सूचना मंत्री ए. राजा ने मनमोहन सिंह को यूनिफाइड एक्सेस सर्विसेज लाइसेंस जारी करने में दूरसंचार विभाग द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर गुमराह किया था। इसका असर ये हुआ कि कांग्रेस 2014 का आम चुनाव हार गई और अब तक सत्ता में नहीं आई।

6. हेलिकॉप्टर घोटाला, 2013

मामला यूपीए -2 के दौरान वीवीआईपी हेलिकॉप्टर की खरीद से जुड़ा है। ये हेलिकॉप्टर्स प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति और रक्षा मंत्री जैसे लोगों के लिए खरीदे गए। भारत ने 12 अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर्स खरीदने के लिए 3,700+ करोड़ रुपए का सौदा किया था। आरोप लगा कि सौदा कंपनी के पक्ष में हो, इसके लिए 'बिचौलियों' को घूस दी गई जिनमें राजनेता और अधिकारी भी शामिल थे। विपक्ष ने जेपीसी से जांच की मांग की। 27 फरवरी 2013 को जेपीसी बनाई गई। इस कमेटी में 10 सदस्य राज्यसभा और 20 लोकसभा से थे। इस कमेटी ने अपनी पहली बैठक के 3 महीने बाद ही रिपोर्ट सौंप दी थी।

जेपीसी क्या बला है, ये बनती कैसे है?

जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी यानी सांसदों की मिली-जुली कमेटी। भारत की संसद में दो तरह की कमेटियों का रिवाज है- स्थायी कमेटी और अस्थायी कमेटी।

स्थायी कमेटी का प्रावधान संविधान में है। जैसे- पीएसी यानी पर्मानेंट अकाउंट कमेटी। ये सरकार के वित्तीय कामों पर नजर रखती है और उसकी जांच करती रहती है। इनसे इतर जरूरत पड़ने पर संसद सभी दलों की सहमति से कुछ कामों के लिए अस्थाई कमेटी भी बनाती है। जैसे- तकनीकी विषयों के विधेयकों की जांच-परख के लिए कमेटी। ये कमेटियां जांच-परख कर विधेयक में कुछ जोड़ने, बदलने या घटाने की सलाह सरकार को देती हैं। ठीक इसी तरह देश में होने वाली किसी बड़ी घटना या घोटाले की जांच के लिए भी सांसदों की मिली-जुली कमेटी यानी जेपीसी बनाई जाती है। अडाणी मामले की जांच के लिए विपक्ष ऐसी ही जेपीसी बनाने की मांग कर रहा है। चूंकि संसद में सरकार का बहुमत होता है इसलिए कमेटी बनाने या न बनाने का फैसला सरकार के हाथ में होता है। जेपीसी की परंपरा भारत ने ब्रिटेन के संविधान से ली है।

जेपीसीमें कौन-कौन मेंबर बन सकते हैं और ये कैसे चुने जाते हैं?

जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी संसद का ही एक छोटा रूप होता है। यानी इसमें कोशिश की जाती है कि सदस्य उसी अनुपात में रखे जाएं जिस अनुपात में लोकसभा में पार्टियों के सदस्य हैं। साफ है इसमें भी सत्ताधारी पार्टी का बहुमत होता है। इसमें राज्यसभा के भी सदस्य होते हैं, लेकिन इसके मुकाबले लोकसभा के सदस्य दोगुने होते हैं। हालांकि, कमेटी में कितने लोग होंगे, इसकी संख्या तय नहीं होती। आमतौर पर करीब 30 सदस्य होते हैं।

जब जेपीसी का गठन संसद करती है तो फिर सरकार कैसे पेंच फंसा रही है? जेपीसी भले ही संसद बनाती है, लेकिन इसके लिए लोकसभा में साधारण बहुमत से प्रस्ताव पारित करना जरूरी है। प्रस्ताव पारित करने के लिए लोकसभा में बहुमत चाहिए, जो सरकार के पास होता है। अडाणी वाले मामले में भी यही हो रहा है। विपक्ष की मांग के बावजूद सरकार तैयार नहीं है, इसलिए जेपीसी का गठन नहीं हो सकता।

आखिर जेपीसी किससे पूछताछ कर सकती है?

जेपीसीकिसी मामले की जांच के बाद संशोधन के सुझाव के साथ भारत सरकार को रिपोर्ट देती है। फिर भारत सरकार कमेटी की रिपोर्ट पर विचार करके तय करती है कि उस विषय पर क्या करना चाहिए। जेपीसी की सिफारिश के आधार पर सरकार आगे की जांच शुरू करने का विकल्प चुन सकती है। हालांकि उसे ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है।

जहां माता सीता ने दी अग्निपरीक्षा वहां बना गर्म जल कुंड

बिहार के मुंगेर का प्राचीन नाम 'मुद्गलपुरी' है। यहां रामायण काल से जुड़े कई स्थल आज भी मौजूद हैं। यहां एक सीताकुंड भी है। इसके बारे में मान्यता है कि यहां माता सीता ने अग्नि परीक्षा दी थी और यही बाद में गर्म जलधारा का कुंड बन गया। सीताकुंड रामतीर्थ के नाम से भी जाना जाता है। इसका उल्लेख आनंद रामायण में मिलता है।

मुंगेर के सीताकुंड को लोक मान्यता यह है कि भगवती सीता ने अपनी पवित्रता प्रमाणित करने के लिए यहां अग्नि परीक्षा दी थी। अग्नि परीक्षा के बाद प्रज्ज्वलित अग्नि गर्म जल में परिणत हो गयी। इस कारण से सीताकुंड का जल हमेशा गर्म रहता है। सीताकुंड के अलावा भगवान राम समेत चारों भाइयों के नाम पर बनाए गए कुंड का पानी शीतल रहता है।

बिहार में पर्यटन स्थल के रूप में जाना जाता है। पौराणिक मान्यता से जुड़े होने के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं और सीताकुंड के गर्म जल में स्नान कर यहां के मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं। यहां एक माह तक चलने वाला माघी मेला का भी आयोजन होता है।

जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलो मीटर दूर सदर प्रखंड में अवस्थित सीताकुंड मंदिर की की जन श्रुति त्रेतायुग की कथा जुड़ी है। धार्मिक मान्यता है कि मां सीता ने इसी जगह अग्नि परीक्षा दी थी। मान्यता के अनुसार, जब राम रावण का वध कर अयोध्या वापस लौटे थे तब

चारो ओर राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का शीतल जल कुंड

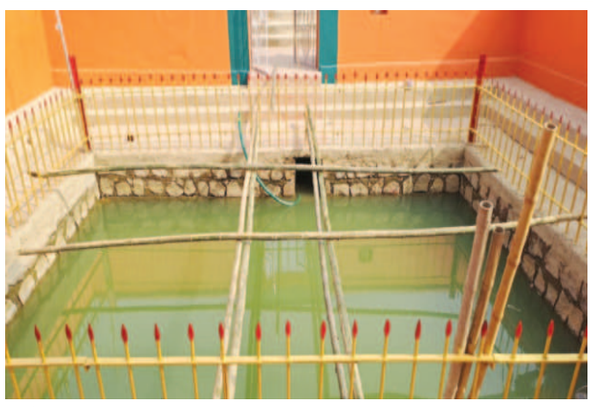

उन्हें ब्रह्म हत्या का पाप लगा था।

तदोपरांत; भगवान राम को कुंबोधर ऋषि ने सलाह दी थी कि रावण के वध से आप को ब्राह्मण हत्या का पाप लगा है। सारे तीर्थ स्थलों का भ्रमण करने से ही इस पाप से मुक्ति मिल सकती है। इसके बाद राम सीता के साथ अपने अन्य तीन भाई लक्षण, भरत और शत्रुघ्न के साथ मुंगेर पहुंच मुद्गल ऋषि के आश्रम में रुके थे।

यही मुद्गल आश्रम वर्तमान में सीताचरण मंदिर एवं कष्टहरणी घाट के रूप में प्रसिद्ध है। यहां मां सीता ने छठ व्रत किया था। मान्यता के अनुसार, पुजारी नागेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि मुद्गल आश्रम में ऋषियों ने सभी के हाथों प्रसाद ग्रहण किया, लेकिन रावण द्वारा हरण किए जाने के कारण सीता के हाथ से प्रसाद ग्रहण नहीं किया।

इसके बाद ऋषियों के द्वारा कहे जाने के बाद मां सीता ने इसी जगह पर अग्नि कुंड बनवाया और अग्नि परीक्षा देकर अपनी पवित्रता सिद्ध की थी। उसी कुंड में अपने पसीने का तीन बूंदें छिड़ककर उस अग्नि कुंड को गर्म जलधारा के कुंड में परिवर्तित कर दिया था। जिसमें आज भी पवित्र गर्म जल प्रवाहित हो रहा है।

इसके अलावा यहां अन्य चार कुंड भी बने हैं; जिसे भगवान राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ने अपने बाणों से बनाया था। आश्चर्य तो यह है कि सीताकुंड के आसपास होने के बावजूद इन कुंडों का जल बिल्कुल ठंडा रहता है।

मुंगेर गजेटियर में भी सीता कुंड की चर्चा सीता के अग्नि परीक्षा स्थल के रूप में को गई है। सीताकुंड में एक माह तक चलने वाला माघी मेला का आयोजन होता है।

मुस्लिम समुदाय के लोग भी इस मेले को सफल बनाने में अपना पूरा योगदान देते दिखते हैं। जिसके कारण सीताकुंड का माघी मेला

सांप्रदायिक सौहार्द का मिसाल पेश कर रहा है।

इस मेले की एक और खासियत है की यहां सस्ते कीमतों में फर्नीचर खरीदने के लिए साल भर लोग सीताकुंड के माघी मेला का इंतजार करते हैं। लकड़ी के बने फर्नीचरों की खरीदारी भी शुरू हो गयी है। खाली मैदान में 10 से 15 बड़े लकड़ी के कारोबारियों ने बाजार लगाया है।

स्थानीय अमरेश, दिलीप मंडल ने बताया कि अभी तक सीताकुंड के विकास कोले कोई खास पहल नहीं की गई है। अगर इसे पर्यटक स्थल के रूप में पूर्ण विकसित कर दिया जाय तो आस पास के कई लोगों को रोजगार मिल जायेगा।

गलती से भी इस दिन न खरीदें झाड़ू शुरू हो जाते है बुरे दिन

इस्तेमाल साफ सफाई आदि के लिए किया जाता है ज्योतिष और वास्तुशास्त्र में तो झाड़ू को महत्वपूर्ण बताया ही गया है लेकिन धार्मिक तौर पर भी इसे विशेष माना जाता है अगर मान्यताओं की बात करें तो झाड़ू को धन की देवी माता लक्ष्मी से जुड़ा जाता है। ऐसा कहा जाता है कि झाड़ू में मां लक्ष्मी का वास होता है इसलिए इसका प्रयोग करने से पहले इससे जुड़े नियमों का जानना जरूरी होता है वास्तुशास्त्र में झाड़ू को खरीदने या कहे घर लाने से जुड़ी बातें बताई गई है जिसके अनुसार कुछ ऐसे दिन है जिन पर झाड़ू भूलकर भी नहीं खरीदना चाहिए अगर कोई ऐसा करता है तो उसे अशुभ परिणाम झेलना पड़ सकता है तो आज हम आपको बता रहे है कि किस दिन झाड़ू की खरीदारी करना अशुभ होता है।

झाड़ू से जुड़े वास्तु नियम

वास्तुशास्त्र और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार झाड़ू को सोवार के दिन कभी नहीं खरीदना चाहिए क्योंकि सप्ताह का पहला दिन यानी सोमवार शिव पूजा को समर्पित होता है साथ ही इस दिन नई झाड़ू का प्रयोग करना भी अच्छा नहीं माना जाता है इससे दरिद्रता घर में वास करती है। वही झाड़ू को कभी भी शुक्ल पक्ष में नहीं खरीदना चाहिए इससे आर्थिक संकट का व्यक्ति को सामना करना पड़ सकता है।

शुक्ल पक्ष में झाड़ू खरीदना दुर्भाग्य का भी सूचक माना जाता है। वही रविवार का दिन धार्मिक तौर पर सूर्य भगवान को समर्पित होता है ऐसे में इस दिन अगर नई झाड़ू घर में खरीदकर लाया जाए तो कई परेशानियों का सामना परिवार को करना पड़ सकता है। वही अगर शनिवार के दिन झाड़ू घर लगाया जाता है तो भी इससे धन हानि का सामना करना पड़ सकता है साथ ही शनिदोष भी लगता है।

अयोध्या में शालिग्राम से बनेगी प्रभु राम की मूर्ति

श्रीहरि से जुड़ा है महत्व

अयोध्या में भगवान श्रीराम की मूर्ति बनाने के लिए शालिग्राम की दो बड़ी शिलाएं नेपाल से लाई गई हैं। इन शिलाओं से भगवान श्रीराम के बालस्वरूप की मूर्तियां बनाई जाएंगी। इस वजह से इस समय शालिग्राम चर्चा के केंद्र में है। आपको पता होगा कि तुलसी विवाह के दिन तुलसी का शालिग्राम के साथ विवाह कराया जाता है, जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ। गणेश मिश्र से जानते हैं कि शालिग्राम क्या है और इसका धार्मिक महत्व क्या है?

क्या है शालिग्राम?

शालिग्राम काले रंग का एक पत्थर है, जिसकी पूजा की जाती है। इसमें भगवान श्रीहरि विष्णु का वास होता है। भगवान विष्णु ने कार्तिक शुक्ल एकादशी को शालिग्राम स्वरूप धारण किया था और वृंदा उस तिथि को तुलसी के रूप में उत्पन्न हुई थी। शालिग्राम को भगवान विष्णु के अवतारों में से एक माना जाता है। शालिग्राम नेपाल के गंडकी नदी में पाया जाता है।

शालिग्राम पूजा का महत्व

1. विष्णु पुराण के अनुसार, जिस घर में शालिग्राम की पूजा होती है, वह तीर्थ के समान माना जाता है।
2. देवउठनी एकादशी के दिन शालिग्राम और तुलसी का विवाह कराने से दांपत्य जीवन मधुर होता है। अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
3. शालिग्राम और तुलसी का विवाह कराने से विवाह में होने वाली देरी खत्म होती है। जल्द विवाह का योग बनता है।
4. शालिग्राम की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

शालिग्राम की कथा

दैत्यराज जलंधर और भगवान शिव में भयंकर युद्ध हो रहा था। लेकिन जलंधर का अंत नहीं हो रहा था। तब देवताओं को पता चला कि उसकी पत्नी वृंदा के पतिव्रता धर्म के पुण्य फल से जलंधर को शक्ति मिल रही थी। तब भगवान विष्णु जलंधर का रूप धारण करके वृंदा के पास चले गए। इससे वृंदा का पतिव्रता धर्म भंग हो

गया। युद्ध में जलंधर मारा गया।

वृंदा विष्णु भक्त थी, लेकिन जब उसे पता चला कि भगवान विष्णु ने ही उससे छल किया है तो उसने श्रीहरि को पत्थर बन जाने का श्राप दे दिया और स्वयं के जीवन को समाप्त कर लिया। तब भगवान ने उसके श्राप को स्वीकार कर लिया और वे शालिग्राम बन गए। उन्होंने वृंदा को पौधे के रुप में छाया देने का आशीर्वाद दिया, जिसके फलस्वरूप वृंदा की तुलसी के पौधे के रूप में उत्पत्ति हुई।

सूर्य और चंद्रमा की पूजा का पर्व

5 फरवरी, रविवार को सूर्य और चंद्रमा की पूजा का पर्व है। इस दिन माघ महीने की पूर्णिमा रहेगी। ग्रंथों के मुताबिक लंबी उम्र और हमेशा सेहतमंद रहने की कामना से इस पर्व पर उगते हुए सूर्य और शाम में चंद्रमा को अर्घ्य देने की परंपरा है।

पुराणों में माघी पूर्णिमा पर स्नान, दान के साथ व्रत- उपवास करना विशेष फलदायी बताया गया है। पिछले एक महीने से रोज माघ स्नान कर रहे लोगों का तीर्थ स्नान का व्रत माघी पूर्णिमा के साथ रविवार को पूरा हो जाएगा।

स्नान-दान का महापर्व

मकर संक्रांति की तरह इस दिन भी तिल दान का विशेष महत्व है। पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि माघ पूर्णिमा गंगा-यमुना के किनारे संगम पर चल रहे कल्प वास का आखिरी दिन होता है।

इस दिन पूरे महीने की तपस्या के बाद शाही स्नान के साथ कल्प वास खत्म हो जाता है। इसलिए धार्मिक नजरिये से माघ पूर्णिमा का विशेष महत्व है। स्नान-दान की सभी तिथियों में इसे महापर्व कहा जाता है।

इन चीजों के दान का विशेष महत्व

डॉ. मिश्र का कहना है कि इस पर्व में यज्ञ, तप और दान का विशेष महत्व है। इस दिन स्नान के बाद भगवान विष्णु की पूजा, पितरों का श्राद्ध और जरूरतमंद लोगों को दान करने का विशेष फल है। जरूरतमंद को भोजन, वस्त्र, तिल, कंबल, गुड़, कपास, घी, लड्डू, फल, अन्न, पादुका आदि का दान करना चाहिए।

सूर्य और चंद्र पूजा का विधान

सूर्य पूजाः ये पर्व माघ महीने का आखिरी दिन होता है। माघ में की गई सूर्य पूजा से रोग और दोष दूर हो जाते हैं। इसलिए इस महीने के खत्म होते वक्त सुबह जल्दी उठकर भगवान सूर्य को जल चढ़ाया जाता है। उत्तरायण के चलते इस दिन उगते हुए सूरज को अर्घ्य देने से उम्र बढ़ती है और बीमारियां खत्म होती हैं। इस दिन स्नान के बाद ऊँ घृणि सूर्याय नमः मंत्र का जाप करते हुए सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए।

चंद्रमा पूजाः ग्रंथों में बताया गया है कि पूर्णिमा पर चंद्रमा को दिया गया अर्घ्य पितरों तक पहुंचता है। जिससे पितृ संतुष्ट होते हैं। माघ महीने की पूर्णिमा पर चंद्रमा अपने मित्र सूर्य की राशि में रहेगा। इसलिए इसका प्रभाव बढ़ जाएगा। विद्वानों का कहना है कि नीरोगी रहने के लिए इस दिन औषधियों को चंद्रमा की रोशनी में रखकर अगले दिन खाना चाहिए। ऐसा करने से बीमारियों में राहत मिलने लगती है।

पुत्र प्राप्ति के 8 उपाय

ऐसे ही हम आज पांच प्राचीन विज्ञानियों के द्वारा पुत्र प्राप्ति के जो सूत्र दिए गए हैं। उनके विषय में आपको बताने जा रहे हैं।

महर्षि व्यास ने अपनी तीन पत्नियों के द्वारा समागम करके 3 पुत्र धृतराष्ट्र, पांडू और विदुर को जन्म दिया था। जिसका वर्णन महर्षि दयानंद ने अपनी पुस्तक "संस्कार विधि" में विस्तार से किया है।

सूत्र 1: नासिका स्वर निश्चित करके पुत्र प्राप्ति

चन्द्रावती ऋषि का कथन है, कि लड़का-लड़की का जन्म गर्भाधान के समय स्त्री-पुरुष के दायां-बायां श्वास क्रिया, पिंगला-तूड़ा नाड़ी, सूर्यस्वर तथा चन्द्रस्वर की स्थिति पर निर्भर करता

हमारे दाहिने और बाएं नासिका स्वर को सूर्य स्वर और चंद्र स्वर के नाम से भी जाना जाता है।

गर्भाधान के समय स्त्री-पुरुष के क्रमशः दायां-बायां श्वास स्वर चल रहे हो तो पुत्र प्राप्ति होती है।

सूत्र 2: ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य स्थिति से पुत्र प्राप्ति

यही बात एक प्राचीन संस्कृत की पुस्तक सर्वोदय में भी वर्णित है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य के उत्तरायण रहने की

स्थिति में गर्भ ठहरने पर पुत्र की प्राप्ति होती है,

सूत्र 3: पुत्र प्राप्ति के निश्चित दिन

सप्ताह में मंगलवार, गुरुवार तथा रविवार पुरुष दिन हैं, अगर इन दिनों गर्भ ठहरता है, तो पुत्र प्राप्ति की संभावना बहुत ज्यादा होती है। बुध और शनिवार नपुंसक दिन हैं। अतः समझदार व्यक्ति को इन दिनों का ध्यान करके ही गर्भाधान करना चाहिए।

सूत्र 4: दार्शनिक अरस्तु के अनुसार पुत्र प्राप्ति उपाय

यूनान के प्रसिद्ध चिकित्सक तथा महान दार्शनिक अरस्तु का कथन है, कि पुरुष और स्त्री दोनों के दाहिने अंडकोष से लड़का का जन्म होता है।

सूत्र 5: भगवान अत्रि द्वारा पुत्र प्राप्ति का उपाय

2500 वर्ष पूर्व लिखित चरक संहिता में भगवान अत्रि कुमार के अनुसार पुरुष में वीर्य की सबलता से पुत्र पैदा होता है। कहीं ना कहीं इसका अर्थ यही निकलता है कि अगर महिला पहले चरमोत्कर्ष पर पहुंचती है, तो पुत्र प्राप्ति की संभावना बढ़ जाती है।

सूत्र 6: सुश्रुत संहिता के अनुसार शुक्ल पक्ष में पुत्र प्राप्ति के उपाय

दो हजार वर्ष पूर्व के प्रसिद्ध चिकित्सक एवं सर्जन सुश्रुत ने अपनी पुस्तक सुश्रुत संहिता में स्पष्ट लिखा है, कि मासिक स्राव के बाद 4, 6, 8, 10, 12, 14 एवं 16वीं रात्रि के गर्भाधान से पुत्र जन्म लेता है, लेकिन यह तारीख शुक्ल पक्ष में होनी चाहिए।

शुक्ल पक्ष में पुत्र प्राप्ति के उपाय के रूप में यह विधि समाज में बहुत प्रचलित है।

सूत्र 7: शिव पुराण के अनुसार पुत्र प्राप्ति के उपाय

अपनी कुंडली के अनुसार किसी भी शुभ मुहूर्त में या कुंडली नहीं है तो पंडित के अनुसार किसी भी शुभ मुहूर्त में संतान गोपाल मंत्र के सवा लाख जाप शुरू कीजिए यह जाप आप संकल्प लेकर कीजिए।

इसका विधि-विधान आप किसी भी ज्ञानी ब्राह्मण से जान सकती हैं जो आपकी ही आसपास आपको मिल जाएंगे उनके सानिध्य में इस जाप को पूरा करें।

जाप शुरू करने से पहले आप श्री गणेश को नमन अवश्य करें।

साथ ही बालमुकुंद (लड्डूगोपाल जी) भगवान की पूजन करें। उनको माखन-मिश्री का भोग लगाएं।

मंत्र : - ऊं क्लीं देवकी सूत गोविंदो वासुदेव जगतपते देहि मे, तनयं कृष्ण त्वामहम्-शरणंगताः क्लीं ऊं।।

सूत्र 8: गरुड़ पुराण के अनुसार पुत्र प्राप्ति के उपाय

गरुड़ पुराण के अनुसार मासिक धर्म के 4 दिन महिला को अपने पति को चेहरा नहीं दिखाना चाहिए और पति को भी चेहरा नहीं देखना चाहिए।

चौथे दिन के बाद स्नान करके पति पत्नी साथ रह सकते हैं, लेकिन संतान प्राप्ति के लिए बिल्कुल भी कोशिश नहीं करनी है। ब्रह्मचर्य का पालन करना है। यह ब्रह्मचर्य आपको 7 दिन तक निभाना है।

गरुड़ पुराण के अनुसार आठवें दिन ईश्वर की स्तुति करके संतान प्राप्ति की कोशिश करनी है। इस दिन से प्राप्त संतान पुत्र होगी।

दोनों बार शादीशुदा मर्दों पर आया था अरुणा ईरानी का दिल, बोलीं- 'आसान नहीं होता प्यार'

लीजेंड एक्ट्रेस अरुणा ईरानी ने अपनी निजी जिंदगी में काफी स्ट्रगल देखा है और अब एक्ट्रेस ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बात की है. इस दौरान अरुणा ईरानी ने इस दौरान अपनी शादी और लव अफेयर को लेकर भी बात की. अरुणा ईरानी ने बताया कि किसी शादीशुदा मर्द से प्यार करना आसान नहीं है. इसमें कई मुश्किलें सामने आती हैं. यहां बता दें कि करियर के शुरुआती दौर में एक्ट्रेस का नाम महमूद से जुड़ा था, उस समय वो शादीशुदा थे, बाद में एक्ट्रेस ने फिल्म निर्देशक कुकू कोहली से शादी की और वो भी पहले से ही शादीशुदा थे.

अरुणा ईरानी ने कहा, "जब आप एक शादीशुदा आदमी से शादी करते हैं तो यह बहुत मुश्किल हो जाता है. जैसे आज (वर्तमान में), मेरी शादी एक शादीशुदा आदमी से हुई है. मैं

शादीशुदा थी, लेकिन कोई नहीं जानता था कि मैं शादीशुदा हूं. अब, मुझे लगता है कि उसे (कुकू की पहली पत्नी को) कुछ समस्या थी, एक साल पहले उसकी मृत्यु हो गई. तब मैं हिम्मत से बात भी करती हूं, नहीं तो मैं कभी बात नहीं करती थी... क्योंकि मैं किसी को चोट नहीं पहुंचाना चाहती थी. कुकू कोहली के साथ मेरा अफेयर, मेरा रिश्ता किसी को चोट पहुंचाने या किसी को छीनने के लिए नहीं था. यह पहली बार है जब मैं कुकू कोहली के बारे में बात कर रही हूं."

उन्होंने आगे कहा, "मैं उनके बारे में कभी बात नहीं कर सकती थी..इंडस्ट्री जानती थी कि मैं उनके साथ हूं, यहां तक कि पत्रकारों को भी पता था. एक व्यक्ति के लिए एक विवाहित पुरुष से शादी करना आसान नहीं है, मेरे पास कोई रिश्ता नहीं था इसी वजह से मेरा कोई बच्चा नहीं है."

कुकू संग लिवइन में रहीं थी अरुणा ईरानी

कुकू ने उसी पर टिप्पणी की, देखो, ये सारी चीज तो होती रहती है हमारे इंडस्ट्री में. हम एक साथ काम करते हैं, विचारों का आदान-प्रदान करते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि वे शुरू में लिव-इन रिलेशनशिप में थे. जब उनसे पूछा गया कि क्या उनकी बेटियां उनके प्रति स्वीकार कर रही हैं, तो उन्होंने कहा, ऐसा कभी मौका ही नहीं आया.

वहीं इस पर अरुणा ईरानी ने कहा, उसने मुझे यह भी नहीं बताया कि जब हम मिले थे तो वह शादीशुदा था और इस तरह मुझे उससे प्यार हो गया. इसलिए हमारे रिश्ते के बारे में बात करना अच्छा नहीं लगा क्योंकि वह पहले से ही एक पत्नी और बेटियों के साथ शादीशुदा था. अब मैं इसके बारे में बात कर रही हूं क्योंकि उनकी पहली पत्नी का कुछ महीने पहले निधन हो गया.

ये फिल्म नहीं आसां बस इतना समझ लीजे, फराज के किस्सों में बात नशेब की भी है..

मूवी रिव्यू : फराज
कलाकार :जहान कपूर , आदित्य रावल , जूही बब्बर , आमिर अली , सचिन लालवानी , पलक लालवानी और रेशम सहानी
लेखक :रितेश शाह , कश्यप कपूर और राघव कक्कड़
निर्देशक :हंसल मेहता
निर्माता :भूषण कुमार , कृष्ण कुमार , अनुभव सिन्हा , साक्षी भट्ट , साहिल सहगल और मजाहिर मंदसौरवाला

पाकिस्तान के शायर जावेद सबा की गजल का एक शेर है, गुजर रही थी जिंदगी गुजर रही है जिंदगी, नशेब के बगैर भी फराज के बगैर भी। नशेब मतलब ढलान और फराज मतलब चढ़ाई, जीवन में कुछ अच्छा हासिल करना या फिर कि शिखर। ओटीटी पर धूम मचाए रहने वाले निर्देशक हंसल मेहता की नई फिल्म का नाम 'फराज' का मतलब समझ आने के बाद आपको ये फिल्म बेहतर तरीके से समझ आएगी। लेकिन, अनुभव सिन्हा और टी सीरीज की जुगलबंदी में बनी फिल्म 'फराज' क्या है, ये रिलीज से पहले दर्शकों को समझाने की कोई कोशिश दोनों ने नहीं की। कारण कुछ भी हो सकता है। दो नए कलाकार हैं फिल्म में। आदित्य रावल के तेवर उनकी पहली फिल्म 'बमफाड़' से ही लोगों को पता चल चुके हैं। हंसल ने फिल्म का नाम 'फराज' दरअसल फिल्म के दूसरे सितारे जहान कपूर के किरदार के नाम पर रखा है। जहान को मुंबई के पृथ्वी थिएटर आने जाने वाले खूब पहचानते हैं। वह शशि कपूर के पोते और कुणाल कपूर के बेटे हैं।

हंसल मेहता ने 1 जुलाई 2016 को बांग्लादेश की राजधानी ढाका में हुए आतंकवादी हमले पर फिल्म 'फराज' बनाई है। ढाका के होली आर्टिसन कैफे एंड बेकरी में हुए आतंकी हमले में सात आतंकवादियों ने 22 विदेशी नागरिकों को मौत के घाट उतार दिया था और बाकी लोग जो मुस्लिम समुदाय से थे उन्हें 10 घंटे तक बंधक बनाए रखने के बाद दिया था। बाद में बांग्लादेश की फौज ने सभी आतंकियों को मार गिराया था। कहानी फराज और निब्रस (आदित्य रावल) के बहाने ये बात बताने की है कि सभी आतंकवादी मुसलमान नहीं होते और सभी मुसलमान आतंकवादी भी नहीं होते। इस्लाम खतरे में है, का शिगूफा छोड़कर युवाओं को बरगलाने वालों के चेहरे पर ये फिल्म एक तमाचा भी है और एक सबक उन लोगों के लिए भी जो धर्म के नाम पर अपनी सियासत करते हैं।

फिल्म 'फराज' को बनाकर हंसल मेहता और अनुभव सिन्हा दोनों ने अपने दौर में एक मजबूत कदम इस दिशा में उठाया है कि आज के युवा ये जानें कि इस्लाम क्या है और मुसलमान क्या है। फिल्म में जब एक आतंकवादी फराज से पूछता है कि तुम्हें क्या चाहिए? तो फराज कहता है, "तुम जैसे लोगों से अपना इस्लाम वापस चाहिए।" फिल्म में यह बताने की कोशिश भी की गई है कि हर मुसलमान बुरा नहीं होता है। दो तरह की विचारधाराओं के लोग दिखाए गए हैं। एक कट्टर विचारधारा के हैं जो एक फरमान पर खून खराबा करने को आतुर हो जाते हैं। दूसरी तरफ ऐसे लोग भी हैं जिनका मानना है कि इस्लाम हो या कोई और धर्म, कोई धर्म किसी की हत्या करने की इजाजत नहीं देता है। अब 'फराज' के माध्यम से हंसल मेहता ने ये बताने की कोशिश की है कि आतंकवाद फैलाना महज कुछ चंद लोगों की सोच है।

'फराज' से शशि कपूर के पोते जहान कपूर बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म में उन्होंने बांग्लादेश के राजकुमार फराज हुसैन का किरदार निभाया है। परेश रावल के बेटे आदित्य रावल फिल्म में आतंकी सरगना बने हैं। देखा जाए तो ये फिल्म एक तरह से दोनों की शो रील है। कमाल काम किया है दोनों ने। पता नहीं चलता कि कौन उन्नीस है और कौन इक्कीस। दोनों की शानदार परफॉर्मेंस । फराज हुसैन की मां के किरदार में जूही बब्बर ने भी कमाल का अभिनय किया है। पुलिस कमिश्नर के किरदार में दिखे दानिश इकबाल भी दर्शकों को प्रभावित करने की कोशिश में दिखते हैं। इंटरवल से पहले फिल्म थोड़ी कमजोर दिखती है पर दूसरे भाग में हंसल मेहता सब कुछ ठीक कर देने की कोशिश करते दिखते हैं और इसमें उन्हें अपने सिनेमैटोग्राफर और म्यूजिक टीम से काफी मदद मिलती है।

'फराज' जैसी फिल्में उसी सोच से निकली फिल्म है जिसके तहत निर्माता, निर्देशक अनुभव सिन्हा ने 'मुल्क' बनाई थी। हंसल मेहता इस बात को काफी पहले समझ चुके हैं। दोनों की संवेदनशीलताओं का संगम है फिल्म 'फराज' लेकिन ऐसा सिनेमा देखने के लिए सिनेमाघर तक दर्शकों को खींचकर लाना अब बदले माहौल में बहुत मुश्किल है। ओटीटी पर देखने के लिए बिल्कुल मुफीद इस फिल्म से आम दर्शक शुरू से लेकर आखिर तक एकरस नहीं हो पाते हैं और वह इसलिए क्योंकि ये फिल्म विचारधारा की बात करती है, मनोरंजन की नहीं। और, यही इस फिल्म की सबसे कमजोर कड़ी है।

अधूरे प्यार में पूरी जिंदगी गुजारने वाली सुरैया

देव आनंद से रिश्ता टूटा तो ताउम्र शादी नहीं की, गुस्से में छोड़ी दिलीप कुमार की फिल्म

मुझे देव के प्यार पर तो यकीन था, लेकिन खुद पर विश्वास नहीं था। मैं कन्फ्यूज थी। जब मैंने देव से शादी करने को मना कर दिया तो उन्होंने मुझे कायर कहा। शायद मैं कायर ही थी। मेरे अंदर वह कदम उठाने की हिम्मत ही नहीं थी। शायद यह मेरी गलती थी या फिर किस्मत । ये बात सुरैया ने अपने एक इंटरव्यू के दौरान कही थी। देव आनंद से सुरैया ने बेइंतहा प्यार किया, लेकिन परिवार के खिलाफ जाकर शादी के लिए हां नहीं कह पाईं। आखिरी बार एक बालकनी में सुरैया और देव आनंद मिले और गले मिलकर खूब रोए। इसके बाद उन्होंने सुरैया को कभी नहीं देखा। ये किस्सा देव आनंद ने अपनी बायोग्राफी रोमांसिंग विथ लाइफः देव आनंद में लिखा है।

31 जनवरी 2004 को सुरैया का निधन हो गया। अंतिम यात्रा में शामिल हुए सभी लोगों की आंखें देव आनंद को ढूंढ रही थीं, लेकिन वो नहीं आए। इस तरह एक बार फिर से मोहब्बत की हार हुई। सुरैया और देव आनंद की प्रेम कहानी बॉलीवुड की सबसे चर्चित कहानियों में से एक है। सुरैया से रिश्ता टूटा तो देव आनंद जिंदगी में आगे बढ़ गए। उन्होंने अपनी को-स्टार कल्पना कार्तिक से शादी कर ली।

लेकिन, सुरैया की जिंदगी उसी रिश्ते पर ठहर गई। देव साहब से शादी नहीं हो सकी तो उन्होंने ताउम्र शादी ही नहीं की। अपने जमाने की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस सुरैया उस दौर की सबसे महंगी हीरोइन भी थीं। दिलीप कुमार जैसे एक्टर की भी ख्वाहिश थी कि वो सुरैया के साथ काम करें, फिल्म शुरू भी हुई, लेकिन पहले ही सीन की शूटिंग से वो इतना नाराज हुईं कि फिर कभी दिलीप कुमार के साथ काम नहीं किया।

1948 में रिलीज हुई फिल्म विद्या की शूटिंग शुरू हो गई थी, लेकिन हीरो कौन होगा, इसका फैसला नहीं हुआ था। एक दिन सेट पर सुरैया कुर्सी पर बैठी हुई थीं। तभी उनकी नजर कोने में बैठे एक नौजवान पर पड़ी जो एकटक सुरैया को घूर रहा

सुरैया को मल्लिका-ए-हुस्न , मल्लिका-ए-तरन्नुम और मल्लिका-ए-अदाकारी के नाम से भी जाना जाता है।

था। सुरैया ने प्रोड्यूसर को बुलाकर उनसे ये बात कही। सुरैया- वो जो शरीफ नौजवान कुर्सी पर बैठे हुए हैं, उन्हें वहां से हटा दीजिए। तभी मैं काम कर पाऊंगी। प्रोड्यूसर देव आनंद के पास गए, लेकिन उन्हें बाहर भेजने के बजाय सुरैया के पास ले गए और मुस्कुराकर उनका परिचय सुरैया से करवाया। प्रोड्यूसर- मिलिए, ये हैं हमारी फिल्म के हीरो देव आनंद। सुरैया इससे आगे बोलतीं तभी देव आनंद ने कहा- साथ काम करने से पहले एक नौजवान को इतनी बड़ी हीरोइन को अच्छी तरह से देख लेना चाहिए। गुस्ताखी माफ।

इस मुलाकात के बाद दोनों फिल्म की शूटिंग में बिजी हो गए। रोज की मुलाकात के बाद दोनों में गहरी दोस्ती हुई और बाद में दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे। सेट पर दोनों की आंखें एक-दूसरे को ढूंढती थीं। देव आनंद उन्हें प्यार से नोजी बुलाते थे और सुरैया उनको स्टीव। लेकिन कुछ दिनों बाद उनके रिश्ते की बात सुरैया की नानी को पता चल गई। देव आनंद का सुरैया के घर जाना बंद हो गया। नानी को ये बिल्कुल भी मंजूर नहीं था कि सुरैया की शादी किसी गैर धर्म के लड़के से हो। फिल्म की शूटिंग के दौरान सुरैया की नानी उनके साथ फिल्म सेट पर मौजूद रहती थीं, ताकि देव आनंद उनसे बात ना कर पाएं। फोन पर बात नहीं हो पाती थी इसलिए दोनों खत के जरिए बात किया करते थे। 1949 में जीत की शूटिंग के दौरान देव आनंद सुरैया के साथ भागकर शादी करने को तैयार थे, लेकिन नानी को ये बात पता चल गई। परिवार के खिलाफ सुरैया नहीं जाना चाहती थीं इसलिए उन्होंने शादी के लिए मना कर दिया और देव आनंद से हमेशा के लिए दूरी बना ली।

उस समय दिलीप कुमार हाईएस्ट पेड एक्टर थे जिन्हें एक फिल्म के लिए एक लाख रुपए फीस मिलती थी। वहीं एक्ट्रेसेस में सुरैया हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस थीं, जो लगभग सभी फिल्मों के लिए 40 से 50 हजार रुपए फीस चार्ज करती थीं।

सुरैया के साथ दिलीप कुमार एक फिल्म में काम करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने डायरेक्टर के. आसिफ से बात की थी कि वो उनके और सुरैया के साथ एक फिल्म बनाएं। के. आसिफ ने भी इस बात पर हामी भर दी। उन्होंने दोनों को लेकर फिल्म जानवर की अनाउंसमेंट कर दी। सब कुछ तय हो गया, फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई। तभी फिल्म के एक सीन के शूट के दौरान बवाल मच गया। सीन के मुताबिक, सुरैया के पैर पर एक सांप काट लेता है और दिलीप कुमार को उनकी जान बचाने के लिए पैर से चूसकर जहर बाहर निकालना था। वो सीन एक बार में ही परफेक्ट तरीके से शूट कर लिया गया, लेकिन उसी सीन को फिर से कई बार शूट किया जाता रहा, जिससे सुरैया परेशान हो गईं। ये बात उनके मामा को भी पता चल गई। अगले दिन जब वो सेट पर पहुंचीं तो फिर से उसी सीन को शूट करने के लिए कहा गया। इस बार जैसे ही दिलीप कुमार सुरैया के पैर से जहर चूसकर निकालने की कोशिश करने लगे तो सुरैया ने अपना पैर खींच लिया और उठ खड़ी हुईं। वह दिलीप कुमार से गुस्सा हो गईं।

इसी बीच सुरैया के मामा भी आ गए और उन्होंने भी दिलीप कुमार को मारने की कोशिश की, लेकिन के. आसिफ बीच में आ गए। इस घटना के बाद सुरैया ने तय कर लिया कि वो कभी भी दिलीप कुमार के साथ किसी भी फिल्म में काम नहीं करेंगीं। सुरैया इस फैसले से के. आसिफ बहुत नाराज हो गए थे। उन्होंने कहा कि फिल्म पर उन्होंने इतना पैसा लगाया है उसकी भरपाई कौन करेगा। तब सुरैया ने एक चेक भरकर के. आसिफ को दिया और तुरंत ही गुस्से में सेट से निकल गईं। उस दिन के बाद वो फिल्म फिर कभी पूरी नहीं हुई।

1954 में सुरैया की फिल्म मिर्जा गालिब रिलीज हुई थी। इस फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को भी आमंत्रित किया गया था। इसी कार्यक्रम के दौरान सुरैया की मुलाकात पं. नेहरू से हुई। उन्होंने सुरैया से कहा- तुमने गालिब की रूह को जिंदा कर दिया। प्रधानमंत्री से तारीफ सुनकर सुरैया काफी खुश हुईं।

किस्सा पहली फिल्म और पहला गाना मिलने का

सुरैया को फिल्मों में काम करने का मौका उनके मामा जहूर की मदद से मिला था। जहूर इंडस्ट्री में बतौर विलेन काम करते थे। एक बार स्कूल की छुट्टियों में सुरैया मामा के साथ फिल्म ताजमहल की शूटिंग देखने मोहन स्टूडियो गईं थीं। वहां पर फिल्म प्रोड्यूसर नानू भाई वकील की नजर उन पर पड़ी। नानू भाई उनकी खूबसूरती और सादगी से इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने सुरैया को फिल्म में मुमताज महल के लिए चुन लिया। एक बार ऑल इंडिया रेडियो पर सुरैया को गाते नौशाद ने सुना। सुरैया के गाने का अंदाज नौशाद साहब को बहुत पसंद आया। इसके बाद उन्होंने कारदार साहब की फिल्म शारदा में सबसे पहले सुरैया को गाने का मौका दिया।

1936 से 1963 तक, सुरैया ने फिल्मों में काम किया था। खराब स्वास्थ्य की वजह से उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बना ली थी। जिंदगी के अंतिम छह महीनों के दौरान सुरैया अपने वकील धीमंत ठक्कर के परिवार के साथ रहीं, जिन्होंने बीमार होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। वो हाइपोग्लाइसीमिया जैसी कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित थीं, जिस वजह से 74 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था।

37 की उम्र में सिक्स पैक एब्स बनाए, कई साउथ स्टार्स की फिटनेस ट्रेनर हैं किरण डेम्बला

जो महिला साड़ी पहने हैं उनका नाम है किरण डेम्बला। जो सिक्स पैक एब्स में दिख रही हैं वो भी किरण ही हैं। ये ट्रांसफॉर्मेशन एक सामान्य हाउसवाइफ और दो बच्चों की मां का है। अभी किरण 47 साल की हैं। जिम ट्रेनर, बॉडी बिल्डर, डीजे, गायिका, फोटोग्राफर सब हैं। ये साउथ की स्टार

फिटनेस ट्रेनर हैं।

अनुष्का शेट्टी, तमन्ना भाटिया, तापसी पन्नू, एस.एस. राजामौली, रामचरण तेजा और ऐसे ना जाने कितने साउथ सुपर स्टार्स की फिटनेस ट्रेनर हैं।

कुछ सालों पहले तक किरण एक साधारण हाउसवाइफ थीं, जिन पर घर और दो बच्चों को संभालने की जिम्मेदारी थी। बाहरी दुनिया से लगभग कोई लेना-देना ही नहीं था। परिवार ही सब कुछ था। एक दिन ब्रेन में क्लॉटिंग हुई। जिसे ठीक करने के लिए दवाइयों के डोज लिए, जिससे उनका वजन 53 किलो से बढ़कर 75 किलो तक पहुंच गया। फिर एक दिन किरण ने खुद को बदलने की सोची। जिम जॉइन की। शरीर को सुधारने के लिए जो जिम मजबूरी में जॉइन किया था, आगे वो पैशन बन गया।

किरण बॉडी बिल्डर बन गईं। जिम में साउथ सुपरस्टार रामचरण तेजा ने इन्हें देखा। इम्प्रेस हो गए। उन्होंने किरण को अपनी पत्नी उपासना के लिए जिम ट्रेनर के तौर पर हायर किया। इसके बाद तो किस्मत ही बदल गई। एक के बाद एक कई साउथ स्टार किरण के शागिर्द हो गए। सिक्स पैक बॉडी देख कर लोगों ने ताने भी मारे कि ये पूरी तरह मर्दों जैसी लगती है। चाल-ढाल भी वैसा हो गया है। लोग जिम में ट्रेनिंग लेने से भी कतराते थे।

खुद को एक सामान्य हाउसवाइफ से स्टार फिटनेस ट्रेनर तक लाने का किरण का सफर काफी रोचक है। आमतौर पर लगभग हर हाउसवाइफ की कहानी वैसी ही होती है, जैसी किरण की है। फर्क इतना है कि किरण ने खुद को समय रहते मोटिवेट किया। मेहनत की और अपनी किस्मत खुद बदल ली।

मिडिल क्लास परिवार में पली-बढ़ीं

मेरा जन्म 10 नवंबर 1974 को आगरा के मिडिल क्लास परिवार में हुआ था। हम चार भाई-बहन थे। पापा बैंकर थे और मां हाउसवाइफ। मुझे संगीत से बहुत लगाव था। मैंने आगरा घराने से 4 साल की उम्र में ही संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी थी। 1995 तक मैं कई स्टेज परफॉर्मेंस का हिस्सा रही और इसी साल भारतीय शास्त्रीय गायन में मास्टर की डिग्री हासिल की।

दो बच्चों की मां बनी, कई देश भी घूमीं

शादी के 2 साल बाद मैंने 1999 में बेटी प्रियंका को जन्म दिया। इसके बाद मैं, पति और बेटी के साथ बैंगलोर शिफ्ट हो गई क्योंकि वहां पर पति की नौकरी WIPRO में लग गई थी। काम के सिलसिले में पति को विदेश भी जाना पड़ता था। इस वजह से मैंने भी जर्मनी, जापान और US का टूर किया। इसी दौरान मैं दोबारा प्रेग्नेंट हुई और वापस बैंगलोर आकर बेटे क्षितिज को जन्म दिया।

पति के सुझाव पर म्यूजिक क्लासेज शुरू किया

इन सब चीजों की वजह से मैं बहुत परेशानी रहती थी। एक दिन मैंने पति से कहा कि मुझे कुछ करना चाहिए। ऐसे पूरी जिंदगी नहीं गुजार सकती। मेरी हालत को देखकर उन्होंने कहा कि मुझे घर पर ही दूसरे बच्चों को संगीत सिखाना शुरू कर देना चाहिए। घर से इसलिए क्योंकि मेरा इलाज चल रहा था और बच्चों को भी मेरी जरूरत थी।

इलाज के दौरान वेट कैसे कम करूं, ये भी समझ में नहीं आ रहा था। इसी वजह से मैंने घर के पास ही एक योग सेंटर में दाखिला ले लिया, लेकिन कुछ समय में ही वो योग सेंटर बंद हो गया जिसके बाद मैंने स्विमिंग क्लासेज जॉइन की। मैंने इसे भी 15 दिन बाद ही छोड़ दिया क्योंकि किसी ने मुझे स्विमिंग क्लास के दौरान पानी में फेंक दिया था जिस वजह से मैं बहुत डर गई थी। दूसरी ये भी वजह थी कि जब मैं स्विमिंग क्लास के दौरान पानी के अंदर जाती थी तो मेरे सिर में दर्द होने लगता था।

हालांकि कुछ दिनों बाद ही मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझ पर कमजोरियां इतना हावी होने लगेंगीं तो मैं फ्यूचर में तो कुछ भी नहीं कर पाऊंगी। इसके बाद मैंने डिसाइड किया कि मैं फिर से स्विमिंग क्लास जॉइन करूंगी और मैंने किया भी। लगभग एक साल तक मैंने स्विमिंग क्लास ली। इसके बाद मैंने जिम जॉइन किया।

तमन्ना भाटिया, तापसी पन्नू, एस.एस. राजामौली और प्रकाश राज की फिटनेस ट्रेनर रही हैं किरण डेम्बला।

सीखने के बाद जिम खोलकर दूसरों को सिखाना शुरू किया

इसी दौरान मैंने अमेरिकन मसल एंड फिटनेस पर्सनल ट्रेनर पर एक ऑनलाइन कोर्स किया। इस कोर्स से मुझे बहुत मदद मिली जिसके बाद मैंने खुद का एक जिम खोला। मेरा ये सफर काफी सफल रहा। कई लोगों को मैंने ट्रेंड किया। इस तरह से मैंने खुद को घर की चारदीवारी से बाहर किया।

वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइट में पति को बिकिनी पहनने पर थी आपत्ति

वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइट में पार्टिसिपेशन के दौरान मुझे डायरेक्ट एंट्री मिल गई क्योंकि आमतौर पर कोई मां बनने के बाद फाइट चैंपियनशिप में भाग नहीं लेता है । मैं ने इसमें पार्टिसिपेट तो कर लिया था, लेकिन मेरे सामने बिकिनी चुनौती बाकी थी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि पति को इस चीज के लिए कैसे राजी करूं, क्योंकि बिकिनी पहनने पर उन्हें आपत्ति थी। हालांकि बाद में उन्हें बहुत समझाया कि विदेश में मुझे पहनना होगा, इस दौरान यही ड्रेस कोड होता है। आखिरकार वो मान गए। इसके बाद मैंने चैंपियनशिप की तैयारी शुरू की।

मैंने बहुत सारे पहाड़ों पर ट्रैकिंग की। मैंने एवरेस्ट बेस कैंप भी कवर किया है- किरण

इंडिया में फीमेल ट्रेनर से कोई ट्रेनिंग नहीं लेना चाहता है। मुझसे भी लोग ट्रेनिंग लेने में कतराते थे। पड़ोसी से अंडे उबलवा कर घरवालों से छुपकर खाती थी । फिटनेस ट्रेनर के अलावा किरण एक ट्रेन्ड फोटोग्राफर भी हैं। डीजे और फोटोग्राफर भी हैं किरण। 2017 में किरण को डेब्यू फीमेल से सम्मानित किया गया। मैं यहां पर भी नहीं रुकी। मेरी मोबाइल फोटोग्राफी अच्छी थी तो मैंने फोटोग्राफी का प्रोफेशनल फोट्रिया एकेडमी में कोर्स किया। मैं अब एक ट्रेंड फोटोग्राफर भी हूं और फोटोग्राफी से जुड़े कई सारे इवेंट्स का हिस्सा भी।

पेटीएम ने की मुनाफे की घोषणा, विजय शेखर शर्मा बोले- हमारी टीम के प्रयासों से हो पाया संभव

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। देश की बड़ी फिनटेक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने मुनाफे की घोषणा की है। पेटीएम ने शुक्रवार को अपने राजस्व में 2,062 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की है जो सालाना आधार पर 42 फीसदी और तिमाही आधार पर आठ प्रतिशत की वृद्धि है। वन97 कम्युनिकेशं के पास वित्तीय भुगतान और सेवा प्लेटफॉर्म पेटीएम का स्वामित्व है। ईएसओपी लागत से पहले कंपनी का ईबीआईटीडीए एक साल पहले (27 प्रतिशत) की तुलना में ईएसओपी मार्जिन से 2 प्रतिशत राजस्व के साथ ईबीआईटीडीए के साथ 31 करोड़ रुपये था। इसमें कहा गया है कि यह प्रदर्शन उपभोक्ताओं द्वारा अपनाए जाने और मर्चेंट पार्टनर्स द्वारा सब्सक्रिप्शन सेवाओं के साथ-साथ ऋण वितरण और वाणिज्य व्यवसाय में देखी गई निरंतर वृद्धि से हुआ। वित्तीय सेवाओं से प्राप्त होने वाले राजस्व की बात करें तो, जो मुख्य रूप से ऋण वितरण है, अब इसके कुल राजस्व का 22 प्रतिशत है, जो पिछली तिमाही की समान तिमाही में नौ प्रतिशत से अधिक है। पेटीएम के सीईओ विजय शेखर शर्मा ने कहा कि यह हमारी टीम द्वारा लगातार काम करने के कारण संभव हो पाया है। टीम को गुणवत्ता राजस्व के साथ विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा गया था। पेटीएम ने कहा कि वह लागतों पर अनुशासन बनाए रखेगी, क्योंकि वह उन क्षेत्रों में निवेश करना जारी रखेगी जहां उसे भविष्य में विकास की संभावना दिखती है, जैसे मार्केटिंग (उपयोगकर्ता अधिग्रहण के लिए) या बिक्री टीम (व्यापारी आधार और सदस्यता सेवाओं को बढ़ाने के लिए)।

एफपीओ पहले भी वापस हुए, इससे देश की छवि बेअसर

अडाणी मामले पर वित्त मंत्री ने कहा- सेबी स्वतंत्र रूप से जांच कर रही

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। गौतम अडाणी मामले पर आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नियामक अपना काम कर रहे हैं। सेबी को सरकार ने स्वतंत्र छोड़ दिया है, ताकि वो इस मामले की सही से जांच कर सके। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंकों और एलआईसी ने आरबीआई को अडाणी समूह को लेकर अपने एक्सपोजर के बारे में बताया है।

आज हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को उन्होंने ये जानकारी दी। अडाणी के एफपीओ वापस लेने के सवाल पर उन्होंने कहा कि एफपीओ आते हैं और बाहर निकल जाते हैं। देश में कई बार एफपीओ वापस लिए गए हैं, और इससे भारत की छवि पर कोई फर्क नहीं पड़ा। उतार-चढ़ाव हर बाजार में होते हैं।

दो दिन में 8 बिलियन डॉलर विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

उन्होंने आगे कहा कि तथ्य यह है कि पिछले 2 दिनों में हमारे पास विदेशी मुद्रा भंडार 8 बिलियन डॉलर आया है। यह साबित करता है कि भारत और इसकी ताकत के बारे में धारणा बरकरार है।

देश का बैंकिंग सिस्टम मजबूत और स्थिर

इससे पहले आरबीआई ने शुक्रवार को कहा था कि देश का बैंकिंग सिस्टम मजबूत और स्थिर है। आरबीआई ने कहा कि वह लगातार बैंकिंग सिस्टम की निगरानी कर रहा है। आरबीआई ने कहा कि उसके पास बड़े कर्जों से संबंधित सूचनाओं का केंद्रीय संग्रह (सीआरआईएलसी) डेटाबेस प्रणाली है, जहां बैंक अपने 5 करोड़ और इससे अधिक के कर्ज की जानकारी देते हैं। इस जानकारी का इस्तेमाल निगरानी के लिए किया जाता है। हालांकि, आरबीआई ने अपने बयान में अडाणी ग्रुप का नाम नहीं लिया।

बैंकों और बीमाकर्ताओं का जोखिम सीमा से बाहर नहीं

नेटवर्क18 को दिए इंटरव्यू में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कहा कि बैंकों और बीमाकर्ताओं का जोखिम ₹तय लिमिट₹ के अंदर था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि एलआईसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया दोनों ने ही अडाणी ग्रुप के लिए कुछ स्पेशल व किसी सीमा से बाहर नहीं किया है। उन्होंने कहा कि एलआईसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अडाणी के लिए अपने जोखिम पर विस्तृत बयान जारी किया है। एलआईसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उनका जोखिम 'तय सीमा के भीतर है' और वे मुनाफे में ही हैं।

वीआई में 35% हुई सरकार की हिस्सेदारी

वोडाफोन-आइडिया के 16,133 करोड़ के ब्याज बकाये को इक्विटी में बदलने की मंजूरी मिली

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सरकार ने कर्ज में डूबी वोडाफोन-आइडिया के 16,133 करोड़ रुपए से अधिक के ब्याज बकाये को इक्विटी में बदलने की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी। सरकार को 10 रुपए के अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर इसी कीमत पर जारी किए जाएंगे। वोडाफोन आइडिया लिमिडेट ने शेयर बाजार को बताया, 'संचार मंत्रालय... ने आज यानी 3 फरवरी 2023 को एक आदेश पारित किया और कंपनी को निर्देश दिया कि वह स्पेक्ट्रम नीलामी की किस्तों को टालने से संबंधित ब्याज और एजीआर बकाये को इक्विटी शेयरों में बदले, जिसे भारत सरकार को जारी किया जाएगा।'

वीआई में सरकार की 35% हिस्सेदारी हुई

कंपनी को यह राहत सितंबर 2021 में सरकार द्वारा घोषित सुधार पैकेज के तहत मिली। कंपनी ने बताया, 'इक्विटी शेयरों में परिवर्तित होने वाली कुल राशि 1,61,33,18,48,990 रुपए है।' कंपनी को 10 रुपए अंकित मूल्य के 16,13,31,84,899 इक्विटी शेयर जारी करने का निर्देश दिया गया है। इनका निर्गम मूल्य भी 10 रुपए है। वीआई ने इससे पहले कहा था कि बकाये को इक्विटी में बदलने से सरकार को कंपनी में करीब 35% हिस्सेदारी मिल जाएगी।

हिंडनबर्ग-अदाणी समूह मामले में सेबी का बयान

कहा- हालात से निपटने के लिए सभी निगरानी व्यवस्था मौजूद

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट की वजह से शेयर बाजार में मची उठापटक और अदाणी समूह से जुड़े मसले को लेकर सेबी ने बड़ा बयान दिया है। सेबी ने अदाणी मामले में कहा कि वह बाजार में निष्पक्षता, कुशलता और उसकी मजबूत बुनियाद बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि शेयर बाजार निर्बाध, पारदर्शी, कुशल तरीके से काम करे, जैसा कि अब तक होता रहा है। सेबी ने कहा कि पिछले सप्ताह के दौरान एक कारोबारी समूह के शेयरों की कीमत में असामान्य उतार-चढ़ाव देखा गया। बाजार के सुचारू और कुशल तरीके से काम करने के लिए किसी खास शेयरों में

अत्यधिक उतार-चढ़ाव से निपटने को लेकर सभी निगरानी व्यवस्था मौजूद है। दरअसल, शेयर बाजार में अदाणी ग्रुप के शेयरों पर अफरातफरी हिंडनबर्ग की उस रिपोर्ट के सार्वजनिक होने के बाद देखी जा रही है जिसमें समूह के खातों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और धोखाधड़ी का दावा किया गया है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अदाणी समूह के शेयर मौलिक आधार पर अदाणी समूह के शेयरों में 85 प्रतिशत तक के गिरावट की संभावना है। ऐसा कंपनी के आसमान छूते वैल्युएशन के कारण है। रिपोर्ट में पिछले कई दशकों में अदाणी ग्रुप पर खातों में गड़बड़ी, स्टॉक्स में हेराफेरी और धनशोधन जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, अदाणी समूह ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में कही गई बातों का खंडन करते हुए कहा गया है कि यह रिपोर्ट उचित तरीके से नहीं किया गया है और कंपनी की घोषणाओं को ही कॉपी-पेस्ट कर रिपोर्ट तैयार कर दी गई है। अपने 400 पन्नों के जवाब में गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह ने हिंडनबर्ग के सभी आरोपों को भ्रामक बताया है।

सर्च इंजन में अब एआई फीचर जोड़ेगी गूगल

इंटरनेट सर्च में बहुत जल्द लेटेस्ट लैंग्वेज मॉडल के साथ सीधे बात कर सकेंगे यूजर

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। गूगल अपने सर्च इंजन में जल्द ही एआई फीचर जोड़ेगी। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचई ने ये जानकारी दी है। चौथी तिमाही के लिए कंपनी के वित्तीय नतीजे जारी करते हुए उन्होंने कहा कि यूजर बहुत जल्द इंटरनेट सर्च में लेटेस्ट लैंग्वेज मॉडल के साथ सीधे बातचीत करने में सक्षम होंगे। सर्च के दौरान तथ्यात्मक और सामान्य बातचीत के लहजे में परिणाम मुहैया कराने के लिए गूगल 'लैम्डा' (लैंग्वेज मॉडल फॉर डायलॉग एप्लीकेशन) का इस्तेमाल करेगी। पिचाई ने कहा, 'हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यात्रा के शुरुआती चरण में हैं। सबसे अच्छा आना अभी बाकी है।' गूगल की प्रतिस्पर्धी माइक्रोसॉफ्ट के निवेश वाली कंपनी ओपनएआई का चैटबॉट चैटजीपीटी इन दिनों दुनियाभर में चर्चा में है।दुनिया की तीन बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का मुनाफा दिसंबर तिमाही में घटा है। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के मुनाफे में सबसे ज्यादा गिरावट आई। आय और मुनाफे में कमी से परेशान टेक कंपनियों ने खर्च घटाना शुरू कर दिया है। इन्होंने स्पष्ट कहा है कि वे लागत घटाने

के तरीकों पर काम कर रहे हैं। भविष्य के प्रोजेक्ट्स को टालना इसमें शामिल है। इसके अलावा अमेजन, अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट और मेटा ने 10-10 हजार से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की भी घोषणा की है। एपल भारतीय बाजार को लेकर बहुत उत्साहित है।

सीईओ टिम कुक ने कहा है कि दुनिया के दूसरे बड़े मोबाइल फोन बाजार भारत में ग्रोथ की काफी संभावनाएं हैं। यहां रिकॉर्ड संख्या में लोग एपल के आईफोन की तरफ स्विच हो रहे हैं। पिछले साल कंपनी की ग्रोथ दोहरे अंकों में रही। कुक ने कहा, 'हम 2020 में यहां ऑनलाइन स्टोर लेकर आए। अब जल्द भारत में एपल के रिटेल खोलने की तैयारी कर रहे हैं।' एपल ने भर्ती भी शुरू कर दी है।'

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर-	05-09 बजे
चंद्र-	कर्क	में	कुंभ -	07-19 बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	08-58 बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	10-34 बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	12-18 बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन..	14-18 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	16-31 बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	18-43 बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-48 बजे
			तुला	22-55 बजे
			वृश्चिक.	01-05 बजे
			धनु.....	03-18 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिर**दिशाशूल-** पश्चिम • पान खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा- **23 -58** तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - माघ शुक्ल पक्ष **,** रविवार **Feb 05**
नक्षत्र - पुष्य - **12 -12** तक उपरान्त आश्लेषा
योग - आयुष्मान - **14 - 40** - तक उप सौभाग्य
करण- विष्टि - **10 - 44** - तक उप- बव
विशेष:- पूर्णिमा व्रत,श्री ललिता जं.
व्रत -त्योहार - रवि पुष्य योग- **12-12**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
16:47 से
18:12 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:50 - 08:14 अशुभ	शुभ.	18:10 - 19:47 शुभ
चंचल	08:14 - 09:39 शुभ	अमृत	19:47 - 21:21 शुभ
लाभ	09:39 - 11:05 शुभ	चंचल.	21:21 - 22:56 शुभ
अमृत	11:05 - 12:30 शुभ	रोग	22:56 - 00:30 अशुभ
काल	12:30 - 13:56 अशुभ	काल.	00:30 - 02:04 अशुभ
शुभ.	13:56 - 15:21 शुभ	लाभ.	02:04 - 03:39 शुभ
रोग	15:21 - 16:47 अशुभ	उत्पात	03:39 - 05:13 अशुभ
उत्पात	16:47 - 18:10 अशुभ	शुभ	29:13 - 06:50 शुभ

आपका राशिफल

मेष धू धे धो ला ली लू ले लो आ

यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है । कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे । इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा । आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

वृष ई उ ए जो वा वी वू वे वो

बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

मिथुन का की कू घ ङ झ के को हा

आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं । आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी । आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे। समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें ।आप पूरे मन से सुंदर और फिट दिखना चाहते हैं

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ट पे पो

आज पैसे को संभलकर खर्च करें । सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं । अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है । आज विवादो और टकराव से बचना ही बेहतर होगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं ।

तुला स री रु रे से ता तू ते

आप इस वक़्त अलौकिक घटनाओं से प्रभावित रहेंगे । आप आज अपना दिन किसी रहस्यमयी मुद्दे की खोजबीन में बिताना चाहते हैं और कोई रहस्यमयी फिल्म या उपन्यास देख/पढ़ सकते हैं । आप किसी रहस्य पर से पर्दा उठाने का फैसला भी ले सकते हैं या किसी स्थिति/व्यक्ति के बारे में और अधिक जानने की कोशिश करेंगे । हालंकि,आपको यह सब करते हुए सावधान रहना होगा ।

वृश्चिक तो मा मी मू मे मो य यी यू

आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हो तो सावधान रहें ।

धनु ये यो भा भी मू धा फा ढा भे

पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा । इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा । योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा । योजना बनाकर आप सभी कामो को सही ढंग से कर भी पायेंगे ।

मकर भे जे जी खी खू खो मा मी

आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं । दूसरों के बारे में सोच सोचकर खुद को तनाव न दें।

मीन ढी ढू ध ज्ञ ञ दे दो घ घी

आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवश्यकता है । बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा । जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गेहूं के दाम एक हफ्ते में 10 फीसदी से अधिक घटे, देश के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। गेहूं की बढ़ती कीमतों को रोकने के लिए खुले बाजार में बेचने से इसकी कीमतें एक सप्ताह में 10 फीसदी से अधिक गिर गई हैं। सरकार ने शुक्रवार को कहा, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने इस सप्ताह ई-नीलामी के पहले दो दिनों में थोक उपयोगकर्ताओं को 2,474 रुपये प्रति क्विंटल की औसत दर से 9.2 लाख टन गेहूं बेचा है। हाल ही में केंद्र ने ओपन मार्केट सेल स्कीम (ओएमएसएस) के तहत खुले बाजार में बफर स्टॉक से 30 लाख टन गेहूं उतारने का फैसला किया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, 2 फरवरी को गेहूं का औसत खुदरा मूल्य 33.47 रुपये प्रति किलोग्राम था। गेहूं के आटे की कीमत 38.1 रुपये प्रति किलो थी। एक साल पहले इसी समय गेहूं व आटे का औसत खुदरा मूल्य क्रमशः 28.11 रुपये और 31.14 रुपये प्रति किलोग्राम था।

थोक ग्राहकों को 25 लाख टन गेहूं बेचने की शुरुआत

खाद्य मंत्रालय ने कहा, ई-नीलामी का असर गेहूं की कीमतों पर दिख रहा है। उधर, एफसीआई ने पहले ही देशभर में थोक ग्राहकों को 25 लाख टन गेहूं की बिक्री शुरू कर दी है। एक और दो फरवरी को ई-नीलामी से गेहूं बेचकर 2,290 करोड़ रुपये जुटाए गए। 23 राज्यों में हुई ई-नीलामी में 1,150 से अधिक बोलीदाताओं ने भाग लिया।

15 मार्च तक हर बुधवार को होगी ई-नीलामी

एफसीआई की योजना 15 मार्च तक गेहूं की बिक्री के लिए हर बुधवार को साप्ताहिक ई-नीलामी आयोजित करने की है।

ने कहा, छोटे व मध्यम आटा मिलों और व्यापारियों ने नीलामी में सक्रिय रूप से भाग लिया, क्योंकि 100 से 499 टन की सीमा में अधिक मांग थी। एक बार में 3,000 टन की अधिक मात्रा के लिए केवल 27 बोलियां प्राप्त हुईं।

सात ट्रेडिंग सेशन में अदाणी समूह का मार्केट कैप 9 लाख करोड़ घटा

कौन सा शेयर सबसे ज्यादा पिटा

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले सात कारोबारी सेशन में अदाणी समूह का मार्केट कैप नौ लाख करोड़ कम हो गया है। 24 जनवरी 2023 को अदाणी समूह का कुल मार्केट कैप 19.2 लाख करोड़ था तो 3 फरवरी के कारोबारी सेशन के बाद महज 10 लाख करोड़ रह गया। दलाल स्ट्रीट में अदाणी समूह की 10 कंपनियां लिस्टेड हैं ये कंपनियां हैं अदाणी पावर, अदाणी टोटल गैस, अदाणी विल्मार, अदाणी ग्रीन, अदाणी ट्रांसमिशन, अदाणी पोर्ट्स, अदाणी एंटरप्राइजेज, अंबुजा सीमेंट्स, एसीसी और एनडीटीवी। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद से इन कंपनियों के शेयर अब तक लगभग 50 प्रतिशत तक लुढ़क चुके हैं। पिछले सात कारोबारी सेशन में अदाणी टोटल गैस के शेयर सबसे ज्यादा पिटे हैं। कंपनी के शेयर 3885.45 रुपये से 51%

लुढ़ककर 1901.65 रुपये पर पहुंच गए हैं। अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 40% की गिरावट दर्ज की गई है। समूह की फ्लैगशिप कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 38% तक टूटे हैं। अदाणी ट्रांसमिशन 37% तक फिसले हैं। अदाणी पोर्ट्स ओर सेज के शेयरों में 35% की गिरावट दर्ज की गई है। अंबुजा सीमेंट्स के शेयरों में 33% की गिरावट दर्ज की गई है। अदाणी विल्मार के शेयर 23% तक लुढ़के हैं। अदाणी पावर, एसीसी और एनडीटीवी के शेयर क्रमशः 22.5%, 21% और 17% तक टूट गए हैं। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार (3 फरवरी) को भी शुरुआती कारोबार में अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में 35% की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी के शेयरों में यह कमजोरी एसएंडपी डाउ जोंस के यह कहने के बाद आया कि उसके स्थिरता सूचकांक से अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 7 फरवरी से हटा दिए जाएंगे। हालांकि बीएसई पर कंपनी के शेयर आखिरकार एक प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी डाउ जोंस ने गुरुवार को जानकारी दी कि मीडिया में अदाणी समूह के संबंध में चल रही खबरों के बाद उसके शेयरों में जारी उतार-चढ़ाव को देखते हुए इंडेक्स ने समूह के शेयरों को अपने स्थिरता सूचकांक से हटाने का फैसला किया है। यह फैसला सात फरवरी से लोगे होगा।

ऑयल कंपनियों को झटका, क्रूड ऑयल और एटीएफ पर सरकार ने बढ़ाया टैक्स

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। एक बार फिर देश की पेट्रोलियम कंपनियों को तगड़ा झटका लगा है। सरकार ने आज विंडफॉल टैक्स में इजाफा कर दिया है। कच्चे तेल , डीजल के साथ एविएशन फ्यूल पर विंडफॉल टैक्स को बढ़ाया गया है। सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर लगभग 2.5 रुपये प्रति लीटर विंडफॉल टैक्स को बढ़ा दिया है। जानें देश में इसका कितना असर पड़ेगा और तेल के दाम में कितनी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल गेन टैक्स 1900 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 5050 रुपये प्रति टन कर दिया है। वहीं एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर विंडफॉल टैक्स 3.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 6 रुपये प्रति

लीटर हो गया है। यानि लगभग 2.5 रुपये प्रति लीटर टैक्स लगाया गया है। साथ ही डीजल पर एडिशनल एक्सपोर्ट ड्यूटी भी बढ़ा दी है। जबकि पेट्रोल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। डीजल पर 2.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़त के साथ अब अतिरिक्त एक्सपोर्ट ड्यूटी 5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 7.50 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। नए रेट 4 फरवरी 2023 से लागू हो जाएंगे। इससे पहले 3 जनवरी को पेट्रोलियम कंपनियों पर विंडफॉल टैक्स की दरों में कुछ संशोधन किया गया था। विंडफॉल टैक्स ऐसी कंपनियों या इंडस्ट्री पर लगाया जाता है जो किसी खास तरह की स्थितियों के चलते बड़ा फायदा उठाती है। मालूम हो कि, सरकार ने पहली बार 1 जुलाई को विंडफॉल टैक्स लगाया था। उस समय पेट्रोल और एटीएफ पर 6 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया गया था। वहीं कच्चे घरेलू तेल के उत्पादन पर 23,250 रुपये प्रति टन विंडफॉल प्रॉफिट टैक्स लगाया गया था। केंद्र सरकार एफवाई23 में विंडफॉल टैक्स से 25,000 करोड़ रुपये जुटाने के टारगेट के साथ काम कर रही है।

अभी भी यकीन नहीं की आपने खरीद लिया ट्विटर'...यूजर के इस ट्वीट पर मस्क ने दिया ये मजेदार जवाब

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। टेस्ला और ट्विटर के मालिक एलन मस्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काफी एक्टिव रहते हैं। हर दिन वह कोई न कोई दिलचस्प ट्वीट जरूर करते हैं। इसके साथ ही वह कई बार यूजर्स के सवालों के जवाब भी देते हैं। हाल ही मस्क ने संपूर्ण मंगल कैटलॉग नाम के ट्विटर अकाउंट के एक सवाल का जवाब दिया है। इस ट्विटर यूजर ने मस्क से मजाकिया अंदाज में पूछा कि मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि आपने ट्विटर खरीद लिया है। इस सवाल का मस्क ने एक मजेदार जवाब दिया है। आइए जानते हैं इस बारे में। यूजर्स के द्वारा यह ट्वीट किए जाने पर कि मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि आपने ट्विटर खरीद लिया है, मस्क ने

इसका जवाब देते हुए कहा कि मुझे भी इस बात पर विश्वास नहीं है कि मैंने ट्विटर को खरीद लिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ट्विटर को खरीदने के लिए उन्होंने टेस्ला के कई शेयर्स को बेचा है। एलन मस्क का यह ट्वीट वायरल हो गया है। अब तक करीब 7 मिलियन लोगों ने इस ट्वीट को देखा है और और 1 लाख से ज्यादा लोगों ने इसे लाइक किया है। आपको बता दें कि अक्टूबर के महीने में एलन मस्क ने 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर को खरीदा था। मस्क के ट्विटर टेकओवर के बाद से ही इस माइक्रो ब्लॉगिंग साइट में उन्होंने कई बदलाव किए हैं। ट्विटर को खरीदने के बाद सबसे पहले मस्क ने कंपनी के 50 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी निकाल दिया था।

हर मौसम के अनुसार ढल जाती है राबड़ी

राजस्थान की इसी राबड़ी के ठाठ का चित्ताकर्षक वर्णन

(एक्सक्लूसिव डेस्क), 4 फरवरी। रायथाना के निवासियों के लिए राबड़ी वरदान है। सर्दियों में तो राबड़ी और राबड़ी पान करने वाले के ठाठ ही अलग होते हैं, इस रोचक लेख के माध्यम से लीजिए राबड़ी का समग्र और मन को तर देने वाला आस्वाद।

मुरधर में जिस दिन मिनखाजूण (लोक देवी) जलमी उसी दिन एक और अमृत द्रव्य जलमा होगा जिसका नाम था राबड़ी। अयोध्या यदि राजस्थान में हुई होती तो दशरथ के यज्ञ कुंड से प्रकट यज्ञ पुरुष खीर का नहीं, राबड़ी का कटोरा लेकर आता। समुद्र मंथन यदि राजस्थान के रेगिस्तान में हुआ होता तो शर्तिया समुद्र से अमृत की जगह राबड़ी निकलती और राहु-केतु राबड़ी पीकर अमर हुए होते, सूर्य राबड़ी पीकर आकरे हुए होते, चंद्रमा राबड़ी से ठंड पाता और तमाम झगड़े अमृत के लिए नहीं, राबड़ी के लिए हुए होते।

वैसे अमृत का 'डोल डाल' किसने देखा? रूप-रंग कौन ही जानता है? बस इतना कि अमृत दोष रहित होता है, जैसे अमृत फल आंवला, जैसे निर्दोष अन्न मूंग, जैसे अमृत सहोदर गोदुग्ध वैसे ही अमृत सहोदरा राबड़ी। राबड़ी सर्वथा त्रिदोष रहित है क्योंकि वात का शमन बाजरी करती है, पित का शमन छाछ और कफ का शमन सांभरिया लूण (नमक)। राबड़ी नितांत त्रिफला है। हर मौसम के लिए मुफ़ीद। ठंड है तो बलबलती (गर्मागर्म) राबड़ी और गर्मी है तो ठंडी राबड़ी।

खाने-खजाने वाले राब के कई आकार-प्रकार गिनवाते हैं- मसलन मक्की की राब, जौ की राब, गुड़ की राब इत्यादि-इत्यादि। वैसे इनको कौन समझाए कि मक्की की 'घाट' होती है, जौ का 'गुलीचड़ा' और गुड़ से 'गलवाणी'। इन्हें कोई राब भले ही कह ले पर राबड़ी तो एक ही हुई वह है- बाजरे की। इससे इतर न भूतो न भविष्यति। बिहार में अलबत्ता हुई हैं, उनके चर्चे भी ख़ूब रहे पर राजस्थानी राबड़ी से इनकी क्या समता।

हमारी राबड़ी चर्चों से कोसों दूर है। भाषा और संस्कारों की तरह चुप्पे-चुप्पे रक्त में घुलती गई बिना किसी शोर-शराबे के।

जैसे धन के तीन नाम- 'परस्यो, परसू,परसराम', वैसे ही- 'तीन रूप की हुई बापड़ी / डुओ, डबको, कूटी राबड़ी।'

'डुआ' उसके हिस्से में आया जिसे राबड़ी नसीब नहीं। समाज का असल बीपीएल वह है जिसकी राबड़ी खाने तक की हैसियत नहीं। 'डुआ' छाछ के अभाव में पानी में आटा घोलकर बनाया जाता है।

'डबका' पतली राबड़ी जो छाछ में आटा डालकर तत्काल बना ली जाती है, लापसी की जगह थूली की तरह।

तीसरी हुई असल राबड़ी। राबड़ी का ठरका ही न्यारा है। बिना ठरके और ठरकाए राबड़ी नहीं बनती। पूरी पाकशास्त्रीय धीमी प्रक्रिया। सुबह विचार करो तो शाम तक बनेगी। सोने के चमकते मोतियों-सी बाजरी हो और बनाने वाली चतुर नार हो तो राबड़ी क्षीरोदन को भी लजा दे। ऐसी राबड़ी के लिए बाजरी को हल्के-हल्के पानी के छींटों से भिगोया जाता है, एक निश्चित समय के बाद हल्का-हल्का कूटा जाता है, हल्की कुटाई लकड़ी के मूसल से ही संभव है, लोहे वाला मूसल तो कचूमर निकाल दे। साबुत और कचूमर के बीच की अवस्था बनाए रख पाना इतना भी आसान नहीं। यहां सिर्फ़ छिलके उतारे जाते हैं बाजरी के। तीलियों के फूल जैसे हल्के छाजले से फटककर छिलके अलग कर दो तो यह पहला चरण संपन्न हुआ 'बालड़ी' निकालना।

अब गुली को कुछ छींटे और मारकर फिर से उंखल (ओखली) में दबा दो, बाजरी रसीज (रसयुक्त होना) रही है। रसीजी हुई बाजरी पर तीसरे चरण की हल्की चोटें लगती है तो मक्खन-मक्खन हो उठती है। अब छाछ के साथ मिलाकर राबड़ी को घोलना और भी सतर्कता की मांग करता है। सातत्य टूटा नहीं कि राबड़ी फटी नहीं, आग और हाथ का संतुलन ज़रूरी। दोनों हल्के हों तो ही काम चलेगा। मिट्टी की हांडी का जोड़ चाटू से ही होगा, चमचों से हांडी फूटते देर न लगती। राबड़ी में चमचे का क्या काम?

हमने कहा ना राबड़ी संतुलन का नाम है कूटने-फूटने के बीच का संतुलन, छानने-फटकने के बीच का संतुलन, तपाने-जलाने के बीच का संतुलन, घोलने-घुल्डने की बीच का संतुलन, सीजने-ओझने के बीच का संतुलन। ऐसी संतुलित राबड़ी दोनों टेम खाने वाला आदमी असंतुलित कैसे होगा?

ऊंट के तबड़के और राबड़ी के सबड़के के बिना रेतीला रजवट रीता है। राबड़ी के सहारे उसने पेट के 'सल' सीधे और मूंछ के 'बल' टेढ़े किए हैं।

इसलिए राबड़ी कभी रोब में आकर कह दे कि- 'मुझे भी दांतों से खाओ' तो खा लो। अपने बडेरे तो कह गए हैं- दांत दूखे नी जाबड़ी, धन ए माता राबड़ी।

अरपा मैराथन और जुंबा का आयोजन

एएसपी अर्चना झा और डिप्टी कलेक्टर भी जमकर थिरकीं, 5 फरवरी को साइक्लोथॉन, 6-8 फरवरी को अरपा योग महोत्सव

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 4 फरवरी (एजेंसियां)। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की स्थापना दिवस के मौके पर 10 फरवरी को अरपा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। वहीं 1 फरवरी से 10 फरवरी तक इसके तहत खेलकूद, जुंबा, मैराथन, साइक्लोथॉन समेत कई कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। इसी के तहत पेंड्रा के हाईस्कूल मैदान में शनिवार को जुंबा डांस के साथ ही अरपा मैराथन का भी आयोजन किया गया। इसमें जिले की कलेक्टर प्रियंका ऋषि महोबिया, एसपी योगेश पटेल, एएसपी अर्चना झा और राज्य अजजा आयोग की सदस्य अर्चना पूर्ति सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। एडिशनल एसपी अर्चना झा और डिप्टी कलेक्टर हितेश्वरी बाघे जुंबा डांस पर जमकर थिरकती हुई नजर आईं। दोनों ने पूरे उत्साह के साथ ताल से ताल मिलाते हुए डांस किया। अधिकारियों का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और इसे पसंद भी किया जा रहा है। वहीं अधिकारियों को इतने सहज रूप में अपने बीच पाकर लोग भी बहुत खुश नजर आए। जिला प्रशासन द्वारा जीपीएम जिले के स्थापना दिवस पर हर साल की तहत इस साल भी 10 फरवरी को अरपा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत जन भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 1 फरवरी से विभिन्न खेल गतिविधियां, 4 फरवरी को मैराथन और 5 फरवरी को सायक्लोथॉन का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में स्वस्थ एवं समग्र जीवनशैली के लिए अरपा आरोग्यम योग महोत्सव का भी आयोजन 6 से 8 फरवरी तक होगा। इसमें योग आसन, प्राणायाम, ध्यान एवं परामर्श शामिल है। यह कार्यक्रम दत्तात्रेय गार्डन गौरेला में प्रातः 6 से 8 बजे और शाम 4 से 6 बजे तक रखा गया है। अरपा आरोग्यम में शामिल होने के लिए पंजीयन एवं जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर 9399744250 और 8839895403 पर सम्पर्क कर सकते हैं। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। अरपा महोत्सव के लिए मुख्य समारोह 10 फरवरी को आयोजित होगा, लेकिन 1 फरवरी से ही कई कार्यक्रमों का आयोजन हर साल शुरू हो जाता है। शनिवार को अरपा मैराथन दौड़ का भी आयोजन किया गया, जो हाई स्कूल से शुरू होकर पेंड्रा के अरपा नदी के उद्गम से होते हुए 5 किलोमीटर तक संचालित हुई। इसमें कलेक्टर, एसपी एवं अन्य अधिकारियों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों ने भी दौड़ लगाई। जिले भर में अरपा महोत्सव को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। अरपा महोत्सव के तहत निर्धारित शेड्यूल के अनुसार मैराथन दौड़, सायक्लोथॉन, कबड्डी, खोखो, वॉलीबॉल, गेड़ी, संखली, रस्साकसी का आयोजन किया जाना है। इनमें मैराथन दौड़ और सायक्लोथॉन की प्रतियोगिता जिला स्तर पर होगी। वॉलीबॉल की प्रतियोगिता ब्लॉक और जिला स्तर पर होगी।

कबड्डी, खोखो, गेड़ी, संखली, रस्साकसी 1, 2 और 3 फरवरी को ग्राम पंचायत स्तर पर हुई। 6, 7 और 8 फरवरी को ब्लॉक स्तर और 9 फरवरी को जिला स्तर पर इसका आयोजन होगा।

'गरीबों का निवाला छीनकर पूंजीपतियों को देते हैं'

केंद्रीय बजट पर सीएम भूपेश का हमला, मनरेगा में कटौती को बताया भाजपा का मजदूर विरोधी चरित्र

रायपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। इस सप्ताह आये केंद्रीय बजट पर विपक्ष का हमला अब भी जारी है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बजट प्रावधानों और नीतियों पर लगातार हमलावर हैं। शनिवार को उन्होंने मनरेगा-महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के बजट में कटौती पर तीखी प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री ने इस कटौती को भाजपा का मजदूर विरोधी चरित्र बताया। उनका कहना था, भाजपा गरीबों का निवाला छीनकर पूंजीपतियों को देती है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार दोपहर अपने सोशल मीडिया एकाउंट से एक पोस्ट डाली। लिखा - जब कोरोना के रूप में मानवता पर बड़ा संकट आया तब मनरेगा जैसी योजना मज़दूरों का संबल बनी, उनकी रीढ़ बनी। इस बार मनरेगा का बजट 89, 400 करोड़ रुपए से घटाकर 60, 000 करोड़ रुपया कर दिया गया। यह भाजपा का मज़दूर विरोधी चरित्र है, जो गरीबों के मुंह से निवाला छीनकर पूंजीपतियों को देते हैं।

एक दिन पहले मुख्यमंत्री ने केंद्रीय बजट को अमृतकाल का मृत बजट बताया था। उन्होंने लिखा- अमृत बजट को समझने के लिए कुछ तथ्य आपके साथ साझा कर रहा हूं। यह केंद्रीय बजट 2023-24 किसान, मजदूर, निम्न वर्ग के लिए सिर्फ निराशा का एक और बूस्टर डोज है। बजट वाले दिन छत्तीसगढ़ के संदर्भ में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा था, यह निर्मला जी का निर्मम बजट कहा जा सकता है। न इसमें युवाओं के लिए कोई सुविधा है, न किसानों की आय दोगुना करने की बात है, न महिलाओं के लिए है और न ही ट्राइब्स के लिए है। न शेड्यूल ट्राइब्स के लिए कुछ है। कहा जाए तो यह बजट केवल चुनाव को देखकर बनाया गया है। इसमें किसी को कोई सहूलियत नहीं दी गई है।

सीएम ने आगे कहा एक चीज चौंकाने वाला है। रेलवे के लिए दो लाख 45 हजार करोड़ रुपए बजट में रखा गया है। क्या यह कर्मचारियों के लिए है? नई भर्ती के लिए है ? ऐसा तो नहीं है कि जैसे एयरपोर्ट को बेचने से पहले सैकड़ों-हजारों करोड़ रूपए उसके नवीनीकरण में लगाया और फिर निजी हाथों में बेच दिया। इसी प्रकार की सोच तो नहीं है कि केंद्र सरकार की कि रेलवे को भी चकाचक कर निजी क्षेत्र को बेच दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा था, इस बजट से छत्तीसगढ़ को पूरी तरह से निराशा मिली है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दो फरवरी को आर्थिक विकास के मोर्चे पर भी केंद्र सरकार को घेरा था। उन्होंने लिखा - आंकड़ों पर नजर डालिए तो पता चल जाएगा। दरअसल अमृतकाल में देश में कथित ऐतिहासिक विकास का दावा असत्य है। वास्तविकता यह है कि यूपीए के 10 वर्ष के कार्यकाल में जीडीपी की औसत वार्षिक वृद्धि दर एनडीए के विगत 9 साल के कार्यकाल की तुलना में अधिक रही है।

अपनी पत्नी के साथ बाबा बैद्यनाथ की शरण में पहुंचे अमित शाह

ललाट पर चंदन-भस्म लगाकर की पूजा अर्चना

देवघर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज 'विजय संकल्प' रैली में भाग लेने के लिए झारखंड के दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरे के तहत सबसे पहले वह देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी पत्नी के साथ पूजा अर्चना की। इसके बाद उन्होंने इफको नैनो यूरिया संयंत्र की आधारशिला रखी। उनके साथ सांसद निशिकांत दूबे और इफको के एमडी यूएस अवस्थी मौजूद थे। इसके बाद अमित शाह रामकृष्ण मिशन स्कूल के शताब्दी समारोह में भी शामिल होंगे। एक महीने के भीतर अमित शाह का यह दूसरा दौरा है। अमित शाह ने 6 जनवरी को झारखंड की राजधानी रांची का दौरा किया था और 7 जनवरी को चाईबासा में पार्टी की कोर ग्रुप मीटिंग और एक सार्वजनिक रैली की थी।

अंबेडकर अस्पताल की नर्सों की हड़ताल

मरीजों का ध्यान रखते हुए जताया विरोध, अब अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की है तैयारी

रायपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े अस्पताल माने जाने वाले अंबेडकर अस्पताल की नर्सों ने हड़ताल कर दी थी। 1 से 4 फरवरी की दोपहर तक ये हड़ताल चली। अब नर्सेस काम पर लौट चुकी हैं । हालांकि हड़ताल के दौरान भी नर्सों ने मरीजों का ध्यान रखते हुए ही अपना विरोध प्रदर्शन किया। अस्पताल में सुबह 8 बजे की शिफ्ट पर आकर ये नर्सें 1 घंटे मरीजों को सेवा देने के बाद आंदोलन पर चली गईं थीं।

सभी नर्सेस छत्तीसगढ़ नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन के बैनर तले हड़ताल कर रही थीं। संगठन की अध्यक्ष डॉ रीना राजपूत ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य के चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत काम करने वाले नर्सिंग स्टाफ के ग्रेड पे, वेतन विसंगति, नर्सिंग अलाउंस में पिछले 7 सालों से कई तरह की गड़बड़ियां हैं। साल 2018 में वेतन विसंगति को दूर कराने के लिए गठित कमेटी के अनुशंसा भी लागू नहीं हो पाई है। जिसकी वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

इन्हीं समस्याओं को दूर करने के लिए यह हड़ताल की गई थी। नर्सेस चाहती हैं कि उन्हें ड्रेस भत्ता, नर्सिंग भत्ता, जैसे मूलभूत अधिकारों से वंचित ना रखा जाए। डॉ रीना राजपूत ने बताया कि फिलहाल 4 फरवरी की दोपहर के बाद से नर्सेस से काम पर पूरी तरह से लौट चुकी हैं और शासन तक ज्ञापन के जरिए अपनी मांगों से अवगत कराया है। नर्सेस ने कहा हे कि आने वाले समय में यदि इनकी मांगे पूरी नहीं की जाती तो 15 फरवरी को एक सामूहिक अवकाश लेंगी। इस दिन कोई भी नर्स अस्पताल में काम नहीं करेगी। इसके बावजूद भी अगर बात नहीं बनती तो 15 मार्च से यह सभी नर्सेस अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली जाएंगी।

नर्सों की हड़ताल को लेकर बीजेपी ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है तो वहीं कांग्रेस का कहना है कि नर्सों की मांग पर भूपेश सरकार सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रही है। मेकाहारा की नर्सों की हड़ताल पर भाजपा ने सरकार पर निशाना साधा, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस 2023 में अपनी जमीन नहीं बचा पाएगी, इनसे कोई भी खुश नहीं है।

हर वर्ग हड़ताल कर रहा है, ये सरकार हड़तालियों की सरकार है। दूसरी ओर नर्सों की हड़ताल पर कांग्रेस का कहना है कि नर्सों की मांग पर भूपेश सरकार सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रही है, बीजेपी को इस पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

कश्मीर में सीएम की सैर पर केदार का तंज

बोले- भाजपा ने आतंकवाद किया खत्म, तभी मुख्यमंत्री आराम से घूमकर आए, कांग्रेस हमें ज्ञान न दें

जगदलपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता केदार कश्यप ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कश्मीर में बर्फबारी का मजा लेने पर तंज कसा है। केदार कश्यप ने कहा कि, केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने कश्मीर से धारा 370 हटाई। वहां आतंकवाद का खात्मा किया। यही वजह है कि अब सीजी के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कांग्रेस के नेता भी अब बड़े आराम से वहां घूमकर आ रहे हैं। ये भाजपा सरकार के किए हुए काम ही हैं कि अब बिना किसी डर के कश्मीर में आसानी से सैर कर सकते हैं। दरअसल, केदार कश्यप ने जगदलपुर में मीडिया से बातचीत की है। उन्होंने कहा कि, जिस तरह से प्रदेश में गुंडागर्दी, क्राइम बढ़ रहा है उसे नियंत्रण में रखना चाहिए। भाजपा ने कश्मीर में जो काम किए हैं उस काम को मुख्यमंत्री और उनके नेताओं को सीखकर आना चाहिए। एनसीबी की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में क्राइम चरम पर है।

कांग्रेस सरकार को व्यवस्था में सुधार करना चाहिए। जब केदार कश्यप से नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के बेटे पर दुष्कर्म के मामले पर सवाल किया गया तो उन्होंने सीधे कांग्रेस पर निशाना साधा।

भारत फाइनेंस कंपनी में 13 लाख की डकैती

बोकारो, 4 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के बीएस सिटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बारी कोऑपरेटिव मोड स्थित श्री शिव शंकर मंदिर में चोरी हो गई। मंदिर के परिसर में स्थित दुर्गा मंदिर में देर रात चोर ताला तोड़कर दान पेटी में रखें रुपए निकाल ले गए। खटपट की आवाज से पड़ोस के लोग जग गए। शोर होने पर चोर मंदिर से भाग गया। इस दौरान उसने मंदिर में रखी दुर्गा प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की सूचना पर सिटी डीएसपी की अगुवाई पुलिस टीम मौके पर पहुंची। तब तक मंदिर के पास लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई थी।

बीएस सिटी थाना सहित कई थानों की पुलिस रात से मंदिर के पास कैंप कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी में चोर की तस्वीर भी कैद हो गई है। भागने के क्रम में चोर का चप्पल मंदिर में ही छूट गया है। डॉग स्क्वायड के सहारे चोर की तलाश की जा रही है। पुलिस रात से ही छापेमारी अभियान में जुटी है।

अब हर नवजात को मिलेगा दूध

झारखंड में पहली बार रांची सहित चार जिलों में जल्द खुलेंगे मां का दूध बैंक

रांची, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए मां का दूध सबसे जरूरी है। जन्म के बाद छह महीने तक सिर्फ मां का दूध बच्चों के लिए सर्वोत्तम आहार है। यह बच्चे को न केवल पोषण देता है, बल्कि स्वस्थ जीवन की बुनियाद को मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाता है। लेकिन कई ऐसे बच्चे भी हैं, जिन्हें मां का दूध नहीं मिल पाता।

ऐसे में बच्चे कमजोर पड़ जाते हैं। ऐसे बच्चों के लिए झारखंड के चार जिलों रांची, दुमका, हजारीबाग और बोकारो में 'मां का दूध बैंक' (ह्यूमन मिल्क बैंक) खुलेगा। झारखंड सरकार ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिए स्वीकृति आदेश जारी कर दिया है। इन बैंकों की स्थापना पर 1.60 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

मिल्क बैंक की स्थापना से ऐसे नवजात, जिनकी मां किसी शारीरिक अक्षमता या किसी घातक मेडिकेशन के कारण स्तनपान नहीं करा पातीं, या प्रसव के बाद मां को काफी कम दूध आता हो, उनके लिए वरदान साबित होगा। इससे राज्य में नवजात मृत्यु दर को भी कम किया जा सकेगा।

मां का दूध बैंक में मांएं स्वेच्छा से दूध दान करेंगी। इसके लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। दूध खराब न हो और बच्चों को यह आसानी से मिल सके, इसके लिए व्यवस्था बनाई जाएगी। यह एक सुविधा केंद्र जैसा होगा, जहां दान किए गए दूध का संग्रह होगा। उसकी स्क्रीनिंग, प्रसंस्करण, भंडारण और वितरण की व्यवस्था होगी।

स्वीकृति आदेश में स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि इस योजना के क्रियान्वयन में उच्चतम गुणवत्ता मानदंडों का पालन किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी वहां तैनात तकनीकी पदाधिकारी की होगी। बैंक के सुचारू रूप से संचालन के लिए अस्पताल के किसी अधिकारी या कर्मचारी को दायित्व सौंपा जाएगा, जो दूध का पूरा लेखा-जोखा रखेंगे।

छह महीने तक दूध को स्टोर कर रखा जा सकेगाः इस बैंक में दूध को छह महीने तक स्टोर करके रखा जा सकेगा। इसे स्टोर करने के लिए पाश्चराइजेशन यूनिट, रेफ्रिजरेटर, डीप फ्रीज और आर-ओ प्लांट जैसी तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इस बैंक में कोई भी महिला स्वेच्छा से दूध दान कर सकती है। इसके अलावा वे मांएं भी दूध दान करती हैं, जो किसी कारण से अपने बच्चे को दूध नहीं पिला सकती। दरअसल कई मां अपने बच्चे को दूध नहीं पिला सकती है। ऐसे में दूध न निकाला जाए तो मां के बीमार होने की आशंका बढ़ जाती है। उनके लिए दूध का दान करना अच्छा विकल्प है। भारत में सबसे पहले ह्यूमन मिल्क बैंक की स्थापना वर्ष 2016 में हुई थी। इस बैंक की शुरुआत ब्रेस्ट मिल्क फाउंडेशन ने की थी, जिसका नाम है अमारा मिल्क बैंक। यह दिल्ली-एनसीआर में दूध की आपूर्ति कर रहा है।

भीषण सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत

पति-पत्नी, महिला और बच्चे को पिकअप ने मारी टक्कर, छठी कार्यक्रम में जा रहे थे

बलौदाबाजार, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बलौदाबाजार जिले के पलारी में शनिवार को हुए सड़क हादसे में पति-पत्नी और 10 महीने के बच्चे समेत 4 लोगों की मौत हो गई। हादसा विष्णु पेट्रोल पंप के ठीक सामने हुआ। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। मामला पलारी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम कुसमी के रहने वाले पूरन भारद्वाज (26 साल), पत्नी लता भारद्वाज, 10 महीने का बेटा खिलेश और एक अन्य महिला सभी एक ही बाइक पर सवार होकर करीब 11 बजे के आस-पास भरसेला गांव में एक छठी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। जैसे ही बाइक पलारी के विष्णु पेट्रोल पंप के पास पहुंची, वहां से निकल रहे एक पिकअप वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में सभी गंभीर रूप से घायल हो गए।

चारों को पलारी अस्पताल ले जाया गया, जहां पति-पत्नी और बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं एक अन्य महिला को इलाज के लिए बलौदाबाजार जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

पलारी थाना प्रभारी पुरुषोत्तम कुर्रे ने बताया कि आरोपी पिकअप चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और गाड़ी जब्त कर ली गई है। चारों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया है। उन्होंने बताया कि पति-पत्नी और अन्य महिला रायपुर में मजदूरी करती थी और पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बलौदाबाजार जिले के भरसेला गांव जा रहे थे।

बलौदाजाबार-भाटापारा जिले के पलारी थाना क्षेत्र में 23 दिन पहले सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पलारी थाने से 6 किलोमीटर दूर अमेरा मोड़ पर ये एक्सीडेंट हुआ था। बाइक चालक संतु राम (50 वर्ष) को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में वो गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल को पलारी अस्पताल लाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया था।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार, मृतक संतु राम ग्राम डाबाडीह का निवासी था, जो घरेलू गैस सिलेंडर भरवाने के लिए बाइक से पलारी जा रहा था, जिसे सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी।

गंभीर रूप से घायल संतु ने अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही दम तोड़ दिया था।

कम्युनिस्ट पार्टी का डर !

चाइना छोड़कर सिंगापुर में बस रहे चीनी अरबपति

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। चीन के कई अरबपतियों ने हाल के समय में सिंगापुर में बसने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के डर से वहां के अरबपति चीन छोड़कर किसी सुरक्षित देश का रुख कर रहे हैं। बता दें कि हाल के दिनों में कई अरबपतियों और टैक्स ना चुकाने वाले सेलिब्रिटीज के खिलाफ कार्रवाई की है। ऐसे में चीन के कई अरबपति अपनी संपत्ति को बचाने के लिए चीन छोड़कर अन्य देशों का रुख कर रहे हैं। कई अरबपति सिंगापुर पहुचे हैं। इसके अलावा चीन की जीरो कोविड नीति के बाद भी कई अरबपति दूसरे देशों को अपना ठिकाना बना रहे हैं।

चाइना के अरबपतियों की सिंगापुर के पहली पसंद बनने की वजह वहां पिछले साठ सालों से एक ही पार्टी का शासन होना और मजदूरों की हड़ताल और सड़कों पर विरोध प्रदर्शन होने पर भी पूरी तरह से रोक है। टैक्स भी तुलनात्मक रूप से कम हैं और सिंगापुर की अधिकतर जनसंख्या भी चीनी मूल की ही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल के समय में सिंगापुर में कई चीनी अरबपतियों ने लग्जरी घर खरीदे हैं और खासकर सेंटोसा आइलैंड पर चीनी नागरिकों की अच्छी खासी तादाद बसी है। यहां थीम पार्क, कैसिनों के साथ ही एक लग्जरी गोल्फ कोर्स भी है। सिंगापुर में इमीग्रेशन और रिलोकेशन का इंतजाम करने वाली फर्म एआईएमएस के सीईओ ने भी माना है कि चीन के अरबपति, सिंगापुर का रुख कर रहे हैं।

सेंटोसा गोल्फ कोर्स पर अब रोल्स रॉयल्स और बेंटले जैसी लग्जरी कारें दिखना आम हो गया है। सिंगापुर में बसने वाली चीनी नागरिक अधिकतर युवा हैं।

उल्लेखनीय है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने हाल ही में कई अरबपतियों के खिलाफ कार्रवाई की है, जिनमें टॉप बिजनेसमैन जैक मा का नाम प्रमुख है। चीन की सरकार की कार्रवाई के चलते जैक मा 25 बिलियन डॉलर का नुकसान झेल चुके हैं। चीन के कई अन्य अरबपतियों को भी चीन सरकार की कार्रवाई का डर सता रहा है। यही वजह है कि चीन के अरबपति अब अपनी संपत्ति को बचाने के लिए दूसरे देशों का रुख कर रहे हैं। चीन की सबसे बड़ी हॉटपॉट चेन हैदिलाओ के संस्थापक ने भी हाल ही में सिंगापुर में फैमिली ऑफिस खोला है। बीते साल के अंत तक 1500 चीनी बिजनेसमैन ने सिंगापुर में फैमिली बिजनेस खोले हैं।

'17 लाख रु. दो अमेरिका में करो घुसपैठ'

बॉर्डर पर भारतीयों को झांसा देकर काला धंधा चला रहे आपराधिक संगठन

वाशिंगटन, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी सीमा पर आए दिन घुसपैठ की खबरें सामने आती रहती हैं। लेकिन इस बार घुसपैठ को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। दरअसल, अमेरिकी सांसदों ने दावा किया है कि अमेरिकी सीमा पार करने में मदद करने के लिए आपराधिक अंतरराष्ट्रीय संगठन (कार्टेल) ने भारतीयों से औसतन 17 लाख रुपये वसूले। ये संगठन भारतीयों से 17 लाख रुपये लेकर अमेरिकी सीमा में अवैध रूप से प्रवेश दे देते हैं। एरिजोना के कोचिस काउंटी के शेरिफ मार्क डेनियल ने इस सप्ताह हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी के सदस्यों को बताया कि अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में आने के लिए एक विदेशी नागरिक के लिए एक कार्टेल द्वारा न्यूनतम पांच लाख रुपये का शुल्क लिया जा रहा है। वहीं भारतीयों से अधिकतम 17 लाख रुपये तक वसूल लेते हैं। सांसदों को सूचित करते हुए मार्क डेनियल ने कहा कि मेक्सिको के साथ सीमा सुरक्षित नहीं है, डेनियल ने कहा कि कार्टेल नामक आपराधिक अंतरराष्ट्रीय संगठन अमेरिकी सीमा के दक्षिण में नियंत्रण करते हैं। कार्टेल के सदस्य पता करते हैं कि कौन किस देश से आया है। यानी देश और काम के आधार पर पैसे वसूले जाते हैं। अगर आप कोई खतरनाक काम को अंजाम देने वाले हैं तो आपसे उस हिसाब से पैसे वसूले जाएंगे। यहां तक की आतंकवादियों को भी प्रवेश करने में यह संगठन मदद करता है। बता दें कि कार्टेल एक तरह से अंतरराष्ट्रीय अवैध संगठन है जो आम तौर पर सेक्स व्यापार, गिरोह, ड्रग्स जैसे धंधे को अंजाम देने के लिए सीमा पर घुसपैठ कराने में मदद करते हैं। वे लोगों को दूसरे देशों में घुसपैठ करने में मदद करते हैं।

पाकिस्तान में विकीपीडिया को ब्लॉक किया गया

48 घंटे की डेडलाइन के बाद क्यों उठाया गया कदम

इस्लामाबाद, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में विकीपीडिया की साइट को बैन कर दिया गया है। दरअसल, पाकिस्तानी सरकार ने विकीपीडिया से कहा था कि वह अपनी वेबसाइट से ईशनिंदा से जुड़ा कंटेंट हटा ले। इसे लेकर पाकिस्तान में काफी हंगामा भी हुआ था, जिसके बाद शहबाज शरीफ की सरकार ने विकीपीडिया को कदम उठाने के लिए 48 घंटे का समय दिया था। हालांकि, विकीपीडिया ने पाकिस्तान की मांग को अनसुना कर दिया, जिसके बाद पूरे देश में इस वेबसाइट की सेवाओं को बैन कर दिया गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले पाकिस्तान के टेलीकॉम रेगुलेटर ने पूरे देश में विकीपीडिया की सेवाओं को 48 घंटे के लिए धीमा कर दिया था। साथ ही चेतावनी दी थी कि अगर विकीपीडिया ने ईशनिंदा से जुड़ी सामग्री नहीं हटाई, तो वह वेबसाइट को पूरी तरह ब्लॉक कर देगा। इस मामले में पाकिस्तान की हाईकोर्ट ने भी टेलीकॉम रेगुलेटरी को विकीपीडिया पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विकीपीडिया को इस मामले में अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस भी जारी किया गया था। हालांकि, न तो वेबसाइट ने नोटिस का कोई जवाब दिया और न ही ईशनिंदा से जुड़ा कंटेंट हटाया। टेलीकॉम अथॉरिटी के मुताबिक, विकीपीडिया के इस तरह के ईशनिंदा से जुड़े कंटेंट हटाने पर ही इसे पाकिस्तान में फिर से शुरू किया जाएगा।

पाकिस्तान के एक डिजिटल अधिकार कार्यकर्ता ओसामा खिलजी ने इस प्रतिबंध को असंवैधानिक और बकवास बताया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदमों से छात्रों, शिक्षकों, रिसर्चर्स और समाज के अन्य वर्गों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

गौरतलब है कि इससे पहले 2012 में पाकिस्तान में सरकार ने यूट्यूब के 700 से ज्यादा लिंक्स को इस्लाम-विरोधी फिल्म के प्रदर्शन के मामले में बैन कर दिया था। इस फिल्म को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए थे। तब भी पाकिस्तान की कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिए थे कि वह इस्लाम का असम्मान करने वाली सामग्री को प्रतिबंधित कर दे।

प्राइवेट स्कूल में छात्र पर कहर

पानीपत, 4 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में एक निजी स्कूल में सातवीं कक्षा के छात्र के साथ अमानवीय व्यवहार करने का मामला सामने आया है। जिसके आरोप स्कूल प्रिंसिपल दंपति और महिला रिसेप्शनिस्ट पर लगे हैं। आरोपियों ने टॉयलेट सीट टूट जाने पर छात्र के साथ मारपीट की और उसके प्राइवेट पार्ट में पेन डाल दिया। साथ ही वारदात के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। छात्र के पिता ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 323, 506, 34 समेत एससी/एसटी एक्ट और 4 पॉक्सो में केस दर्ज कर लिया है। तहसील कैंप थाना पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर 13-17 निवासी व्यक्ति ने बताया कि नूरवाला के होली एंजल स्कूल में उसका 14 वर्षीय बेटा सातवीं कक्षा में पढ़ता है।

हीटवेव से चिली के जंगलों में आग, 13 लोगों की मौत

35 हजार एकड़ तक फैली, अर्जेंटीना और ब्राजील के 63 विमान आग बुझाने में जुटे

सैनटियागो, 4 फरवरी (एजेंसियां)। चिली में समर हीटवेव के चलते कई जंगलों में आग लग गई। आग में अब तक 13 लोगों की मौत हो गई। वहीं करीब 14 हजार हेक्टेयर (35 हजार एकड़) का इलाका जल गया। अधिकारियों ने बताया कि राजधानी सैंटियागो से करीब 500 किमी दूर सांता जुआना शहर में एक फायर-फाइटर सहित 11 लोगों की मौत हो गई।

मिनिस्ट्री ऑफ एग्रीकल्चर के मुताबिक, ला ऐरॉकैनिया में भी एक इमरजेंसी सपोर्ट के लिए पहुंचा हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें पायलट और एक मैकनिक की मौत हो गई।

सैकड़ों घर हुए तबाह

बायोबायो और नूबल के खेतों और जंगलों में मची तबाही को देखते हुए अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की गई है। गृहमंत्री कैरोलिना टोहा ने कहा कि देशभर में आग लगने की 39 घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिसमें सैकड़ों घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। आने वाले दिनों में स्थिति और खराब होने की चेतावनी दी गई है।

नूबल -बायोबियो के दौरे पर पहुंचे राष्ट्रपति बोरिक

चिली में बढ़ती आग को देखते हुए अर्जेंटीना और ब्राजील से 63 विमानों का बेड़ा आग बुझाने की कोशिश में लगा हुआ है। राष्ट्रपति गैब्रिएल बोरिक ने शुक्रवार को अपनी छुट्टियों बीच में रोककर नूबल और बायोबियो का दौरा किया। इन दोनों क्षेत्रों की कुल आबादी करीब 20 लाख है।

बोरिक ने बायोबियो से कहा- राष्ट्रपति के तौर पर मेरा काम है कि मैं आपात स्थिति के लिए सभी संसाधन उपलब्ध करवाऊं, जिससे लोगों को कम से कम दिक्कत हो। चिली की आपदा एजेंसी सेनाप्रेड के मुताबिक, कुछ परिवारों ने शेल्टर्स में शरण मांगी है। आग के चलते हाईवे को भी नुकसान पहुंचा है जिससे लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। इस दौरान कई बस्तियों को खाली करवाया गया है। मौसम विभाग ने नूबल में 38 डिग्री सेल्सियस तापामान होने का अनुमान लगाया है। इस दौरान तेज हवाएं चल सकती हैं जिससे स्थिति बिगड़ने का खतरा है।

अंतरराष्ट्रीय पहलवान एएसआई पर एफआईआर

रोहतक, 4 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक स्थित सनसिटी के रहने वाले हरियाणा आर्म्ड फोर्स में एएसआई के पद पर चंडीगढ़ में तैनात अंतर्राष्ट्रीय पहलवान के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। शिकायत में अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सर अमित पंघाल के चाचा व हरियाणा बॉक्सिंग संघ के प्रवक्ता एवं प्रेरक राज नारायण पंघाल सहित अन्य सन सिटी के रहने वालों ने शिकायत दी थी।

इधर, अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सर अमित पंघाल ने भी ट्वीट करके इस मामले में एफआईआर होने पर पुलिस का धन्यवाद किया है। शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपी अंतर्राष्ट्रीय पहलवान व हरियाणा पुलिस में एएसआई ऋषि पहलवान सन सिटी में रहता है। जब भी यहां आता है तो वह अन्य साथियों के साथ हुड़दंगबाजी करता है।

अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सर अमित पंघाल के चाचा व हरियाणा बॉक्सिंग संघ के प्रवक्ता एवं प्रेरक राजनारायण पंघाल ने कहा कि आरोपी एएसआई की हुड़दंगबाजी के कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। अब परीक्षा का समय है। इसलिए उन्होंने एसपी से भी इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की। साथ ही कहा कि अगर ऐसे ही हुड़दंगबाजी चलती रही तो उन्हें अपना फ्लैट छोड़ना पड़ेगा।

भारतीय मूल के युवक को ब्रिटेन देगा राजद्रोह की सजा

महारानी को मारने महल में घुसा था, बोला- जलियांवाला बाग का बदला लेना चाहता था

लंदन, 4 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन ने एक भारतीय मूल के युवक को राजद्रोह का दोषी ठहराया है। कोर्ट 31 मार्च को जसवंत सिंह छैल नाम के युवक को सजा सुनाएगा। उसने 2021 में क्वीन एलिजाबेथ 2 को मारने की धमकी दी थी।

जसवंत सिंह छैल एक क्रॉसबो के साथ विंडसर पैलेस पहुंच गया था। वहां जाकर उसने कहा था कि वो महारानी को मारना चाहता है। ब्रिटेन में साल 1981 के बाद पहली बार किसी को राजद्रोह के मामले में दोषी ठहराया गया है।

क्रिसमस के दिन क्रॉसबो लेकर पैलेस पहुंचा था

रिपोर्ट्स के मुताबिक जसवंत सिंह छैल को क्रिसमस के दिन एक सुरक्षा अधिकारी ने विंडसर महल के प्राइवेट इलाके में देखा था। जो नाइलोन की सीढ़ी से दीवार फांदते हुए महल में घुस गया था। इसके बाद जब छैल से सुरक्षा अधिकारी ने पूछा कि वो वहां क्या करने आया है, तो इसके जवाब में छैल ने कहा- मैं महारानी को मारने आया हूं।

इतना सुनते ही अधिकारी ने उससे क्रॉसबो नीचे रखवा दिया और उसे घुटने के बल बैठ जाने को कहा। छैल वो सब करता रहा जो सुरक्षा अधिकारी ने उसे करने को कहा था। हालांकि, वो यह भी कहता रहा कि वो महारानी को मारने आया है।

जलियांवाला बाग हत्याकांड का बदला लेना चाहता था छैल

क्रोसबो के अलावा छैल के पास एक हाथ से लिखा गया नोट था। इसमें लिखा था - प्लीज मेरे कपड़े, जूते और मास्क मत उतारना, मुझे पोस्टमार्टम नहीं करवाना है। थैंक्यू एंड सॉरी।

विंडसर पैलेस में घुसने से पहले छैल ने स्नैपचैट पर एक वीडियो भी पोस्ट किया था। इसमें छैल ने कहा था- मैनें जो किया है और जो मैं करने वाला हूं उसके लिए मुझे माफ कर देना।

वीडियो में छैल ने कहा कि महारानी को मारकर वो 1919 में हुए जलियावाला बाग हत्याकांड का बदला ले रहा है। उन सब लोगों की लड़ाई लड़ रहा है जिनके साथ नस्ल के चलते भेदभाव किया गया।

छैल का क्रोसबो एयर राइफल जितना पावरफुल था

प्रॉसीक्यूटर ने कहा था कि छैल ने वीडियो को घटना के चार दिन पहले रिकॉर्ड किया था और इसे अपनी गिरफ्तारी से 10 मिनट पहले 20 लोगों को भेजा था। प्रॉसीक्यूटर ने यह भी बताया कि छैल के पास से जो क्रोसबो बरामद हुआ वह एयर राइफल के जितना पावरफुल था। जिससे गहरी चोट पहुंचाई जा सकती है। छैल ने पहले भी ग्रेनेडियर गार्ड और डिफेंस पुलिस में भर्ती के लिए अप्लाई कर महल के करीब आने की कोशिश की थी।

काउंटर टेरेरिज्म यूनिट के कमांडर रिचर्ड स्मिथ ने कहा कि ये घटना बहुत गंभीर थी, लेकिन वहां मौजूद अधिकारियों ने इसे बहुत बेहतरी से संभाला। उन्होंने बताया कि छैल ने जो कुछ भी किया उसे आतंकी हमला नहीं कह सकते हैं, पर इसकी जांच काउंटर टेरेरिज्म विभाग को ही सौंपी गई। छैल फिलहाल ब्रोडमूर हॉस्पिटल में है। उसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट के सामने पेश किया गया था।

हरियाणा गृह मंत्री का जनता दरबार

अंबाला, 4 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज का जनता दरबार चल रहा है। अंबाला कैंट के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में विज लोगों की फरियाद सुन रहे हैं। जनता दरबार में झूठी शिकायत देने वालों पर विज ने सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान युवती ने बताया कि 5 साल से उसका ससुराल वालों के साथ विवाद चल रहा है। वह घर बसाना चाहती है। वह अंबाला के शहजादपुर स्थित ससुराल में शादी में गई थी ताकि रिश्तेदार उसका भी समझौता करा दें। वहां ससुराल वालों ने पुलिस को को बुला लिया। रात साढ़े 11 बजे पुलिस उसे व उसके परिजनों को उठाकर शहजादपुर पुलिस थाने ले गई। युवती ने आरोप लगाया कि यह पुलिस ने थाना बंद करके रातभर बुरी तरह से पीटा।

यही नहीं, जिस वक्त पुलिस वालों ने पिटाई की वहां लगे सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए। उल्टा उन्हीं पर पुलिस ने सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और मारपीट करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर दिया।

सिद्धू की रिहाई पर वडिंग ने तोड़ी चुप्पी

अमृतसर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब की पटियाला जेल में बंद पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को रिहा करने के लिए पहली बार प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने मांग उठाई है। वडिंग ने ट्विटर पर ट्वीट करके मुख्यमंत्री भगवंत मान से उनकी जल्दी रिहाई की मांग रखी है। वडिंग ने सिद्धू की रिहाई पर विचार करने के लिए कहा है।

पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने लिखा कि सीएम साहब कांग्रेस के सीनियर लीडर नवजोत सिंह सिद्धू की जल्द रिहाई पर विचार करें। न्याय को पार्टियों के पक्षपात से ऊपर माना जाना चाहिए। दरअसल, नवजोत सिंह सिद्धू की रिहाई पर संशय अभी तक बरकरार है। बैठक में नवजोत सिंह सिद्धू की रिहाई को लेकर फाइल पहुंची ही नहीं, लेकिन वहीं दूसरी तरफ जेल सूत्रों के अनुसार नवजोत सिंह सिद्धू का नाम उस लिस्ट में है, जिन्हें रिहा किया जाना है। यह फाइल साइन होने के लिए राज्यपाल के पास पहुंच चुकी है। यह पहली बार है जब नवजोत सिंह सिद्धू के हक में राजा वडिंग खड़े दिख रहे हैं। 2022 में विधानसभा चुनाव के बाद राजा वडिंग को प्रधान नियुक्त किया गया था, लेकिन सिद्धू उनके उल्ट चलते दिख रहे थे।

अमेरिकी बच्चों की मौत का बड़ा कारण कोविड

साउथ कोरिया में 31 हफ्तों में सबसे कम केस

बीजिंग, 4 फरवरी (एजेंसियां)। चीन में कोरोना की लहर का असर कम होने के बाद हालात बेहतर हो रहे हैं। शुक्रवार को चीन सरकार ने हांग कांग और मकाऊ से आने वाले लोगों के लिए कोरोना टेस्ट की अनिवार्यता खत्म कर दी। साथ ही यात्रियों की संख्या पर लगी पाबंदी भी हटा दी। अब सोमवार से लोगों के लिए आवाजाही आसान हो जाएगी।

इधर, इंटरनेशनल मोनेटरी फंड ने अनुमान लगाया है कि इस साल चीन की अर्थव्यवस्था वैश्विक विकास में एक चौथाई योगदान देगी। हालांकि कोरोना से बिगड़े हालात और प्रोपर्टी सेक्टर से जुड़ी अनिश्चितता विकास की गति को रोक सकती है।

भारत में शुक्रवार को कोरोना के 99 नए मामले सामने आए। पिछले 24 घंटे में एक भी मरीज की मौत नहीं हुई। हेल्थ मिनिस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक, देश में अभी एक हजार 764 एक्टिव केस हैं। महामारी की शुरुआत से अब तक देश में 5.3 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही 4.49 करोड़ से ज्यादा लोग वायरस से संक्रमित हो चुके हैं।

अमेरिका: बच्चों की मौत का बड़ा कारण है कोरोना

जेएएमए जर्नल में प्रकाशित एक हालिया रिसर्च के मुताबिक, अमेरिका में कोरोना संक्रमण बच्चों की मौत का एक बड़ा कारण बन गया है। नवजात से 19 साल तक के लोगों में यह मौत की 8वीं सबसे बड़ी वजह है। साथ ही बच्चों की मौत की 5वीं सबसे बड़ी बीमारी है। रिसर्चर्स ने इस स्टडी के लिए डेल्टा और ओमिक्रॉन वैरिएंट की लहरों का एनालिसिस किया।

जापान: कमजोर इम्यूनिटी ने लोगों की जान ली

जापान में शुक्रवार को 39 हजार 924 नए कोरोना केसेस रिपोर्ट किए गए। वहीं एक दिन में 237 लोगों की मौत हुई। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के डेटा के अनुसार, जापान में कमजोर इम्यूनिटी और बूढ़ी आबादी की वजह से कोरोना से मौत के आंकड़े बढ़े हैं। 20 जनवरी तक यहां मौत के मामले ब्रिटेन, अमेरिका और साउथ कोरिया से भी आगे निकल गए हैं।

साउथ कोरिया: 31 हफ्तों में सबसे कम केस

साउथ कोरिया में शुक्रवार को 14 हजार 961 नए मामले सामने आए। ये पिछले 31 हफ्तों में सबसे कम हैं।

इसके पहले 1 जुलाई 2022 को सबसे कम 9 हजार 514 केस आए थे। शुक्रवार को देश में कोरोना से 30 लोगों की जान भी गई। महामारी की शुरुआत से अब तक साउथ कोरिया में 3.02 करोड़ कोरोना मामले सामने आ चुके हैं।

बुलेट से पटाखे बजाने पर पड़े थप्पड़

जालंधर के सोढल रोड पर शराबी ने बाइक भगाई, पुलिस वालों ने पकड़ कर की धुनाई

जालंधर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में एक युवक को शराब पीकर तेज गति से बुलेट मोटरसाइकिल चलाना और पटाखे बजाने महंगे पड़ गए। बुलेट बाइक से पटाखे बजाने पर सरेबाजार नवाबजादे को पुलिस वालों से थप्पड़ खाने पड़ गए। यह सारा मामला सोढल रोड पर हुआ। सोढल रोड पर सिल्वर प्लाजा के पास पुलिस ने नाका लगा रखा था। एक युवक जो कि शराब के नशे में धुत था, बुलेट बाइक पर पटाखे बजाता हुआ तेज गति से आ रहा था। पुलिस वालों ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन युवक ने बाइक को रोकने की बजाय पुलिस वालों के पास आकर तेजी से भगा ली। पुलिस वालों ने तुरंत उसे पकड़ लिया। पकड़ने के तुरंत बाद गुस्साए पुलिस वालों ने पहले नाम पूछा न पता, सीधे चांटे रसीद कर दिए। मौके पर मौजूद पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि बाइक सवार युवक तेज गति से पटाखे बजाता हुआ आ रहा था। पंजाब मे बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखे बजाने पर प्रतिबंध है। युवक को नाके पर रोकने की कोशिश की तो उसने तेज गति से बाइक भगा ली।

एक हाथ में कुरान-दूसरे में बम, पाक लीडर का सुझाव

मुल्क को तंगहाली से निकालने का तरीका बताया, बोले- भीख मांगने से कुछ नहीं होगा

इस्लामाबाद, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान को आर्थिक तंगी और महंगाई से निकालने के लिए वहां के नेता ने एक अजीब सी सलाह दी है। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान पार्टी के नेता मौलाना साद रिजवी ने कहा है कि एक हाथ में कुरान लो और दूसरे में एटम बम ले लो फिर देखो कौन पैसे नहीं देता है।

उनके बयान का ये वीडियो पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। दरअसल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ चीन और सउदी समेत कई देशों से मदद मांग चुके हैं। जिसके बाद मौलाना साद रिजवी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

वजीर ए आजम समेत चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ तक भीख मांग रहा

सरकार की आलोचना करते हुए साद रिजवी ने कहा कि तुम दुनिया के हर दरवाजे पर भीख मांगते हो लेकिन कोई देता नहीं हैं। 'तुम लोग अपने वजीर-ए-आजम समेत पूरी कैबिनेट को जहाज में भरकर और आगे चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ को बिठाकर दुनिया के कोने-कोने में जाकर भीख मांग कर आ गए। किसी ने तुम्हारी मदद नहीं की। सभी अपनी शर्तें मनवाते हैं।

इसके बाद उन्होंने वो तरीका बताया जिससे पाकिस्तान को झट से लोन मिल सकता है। उन्होंने कहा - मैं पूछता हूं क्यों जा रहे हो पैसे मांगने?' इस तरह से भीख मांगने की बजाए एक हाथ में कुरान उठाओ और एक हाथ में एटम बम का बक्सा उठाकर स्वीडन चल जाओ। फिर देखना सारी कायनात की नेमतें तुम्हारे पांव में न आ गईं तो हमारा नाम बदल देना। साद रिजवी ने स्वीडन का जिक्र वहां कुरान जलाए जाने की घटनाओं के चलते किया। दरअसल कुछ समय से वहां रासमस पलूदान नाम का एक दक्षिणपंथी युवक हर शुक्रवार के दिन कुरान जला रहा है। जिसका पाकिस्तान समेत कई इस्लामिक देश विरोध जता चुके हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने माना है कि इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) ने 1.2 अरब डॉलर के कर्ज की तीसरी किश्त देने के लिए बेहद सख्त शर्तें रखी हैं। शरीफ ने कहा- आईएमएफ ने जो शर्तें रखी हैं वो हमारी सोच से भी ज्यादा सख्त और खतरनाक हैं, लेकिन क्या करें? हमारे पास कोई और चारा भी तो नहीं है।

वहीं पाक में महंगाई दर गुरुवार को 27.8% हो गई। सितंबर 2022 में विदेशी कर्ज 130.2 अरब डॉलर था। इसके बाद डेटा जारी नहीं किया गया। डॉलर के मुकाबले रुपया (पाकिस्तानी करंसी) 274 का हो चुका है।

विधायक को मारने वाला था डकैत केशव का भाई

पुलिसवाले को मारी थी गोली,चार दिन से जंगल में घेरा-दो डकैत गिरफ्तार

धौलपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने केशव गुर्जर के भाई शीशराम गुर्जर और गब्बर को गिरफ्तार कर लिया है। डकैत केशव गुर्जर की गिरफ्तारी के बाद धौलपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने केशव की गिरफ्तारी के चार दिन बाद आज उसके दो भाइयों को भी गिरफ्तार कर लिया है।

इनमें से एक 25 हजार रुपए का इनामी डकैत है। पकड़े गए आरोपियों पर विधायक को मारने की साजिश का भी आरोप है। जानकारी के अनुसार डकैत शीशराम गुर्जर और छोटू की गिरफ्तारी शनिवार सुबह करीब 9.30 बजे सोने का गुर्जा क्षेत्र में पीली कछार के पास से हुई है। केशव के साथ मुठभेड़ और उसकी गिरफ्तारी के बाद से ही पुलिस फोर्स ने पूरे एरिया में सर्च अभियान चलाया हुआ है। मुठभेड़ के दौरान भागे बाकी अपराधियों की भी तलाश की जा रही है। अधिकारियों का कहना है जब तक गैंग के सभी मेंबर पकड़े नहीं जाते तब तक अभियान जारी रहेगा। पुलिस ने जंगल को चारों ओर से घेरा हुआ है।

केशव के बड़े सहयोगी गिरफ्त में

30 जनवरी को केशव को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने अगले ही दिन उसके भाई नरेश गुर्जर और साथी बंटी पंडित को गिरफ्तार किया था। वहीं, शीशराम गुर्जर की तलाश की जा रही थी। भरतपुर के बयाना थाना क्षेत्र में शीशराम ने अपने भाई की गैंग में शामिल होकर पहली लूट की वारदात को अंजाम दिया था। 11 नवंबर 2019 को बसई डांग के सुख सिंह का पुरा गांव में मोहर सिंह को सरपंच का चुनाव लड़ाने के लिए शीशराम और उसके साथियों ने लक्ष्मण सिंह नाम के युवक की बंदूक के बट से जानलेवा हमला कर दिया। जिसके बाद शीशराम ने लक्ष्मण सिंह के चुनाव लड़ने पर उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गया।

बाड़ी विधायक की हत्या की रची थी साजिश

पुलिस को साइबर से इनपुट मिले थे कि डकैत शीशराम और उसके भाई धौलपुर के जंगलों में पिछले कुछ सालों में हुई कार्रवाई के लिए बाड़ी विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को जिम्मेदार मानते हैं। साल 2021 में पुलिस को इनपुट मिला था कि शीशराम और छोटू मलिंगा को मारने की साजिश कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की थी। इनपुट के बाद 21 जनवरी 2022 को पुलिस ने प्यारे का पूरा (धौलपुर) गांव में दबिश देकर केशव के भाई गब्बर और उसके 3 साथियों को गिरफ्तार किया था। हालांकि, कुछ दिनों बाद गब्बर को जमानत मिल गई थी।

पुलिसवाले को मारी थी गोली

26 अक्टूबर 2020 को शीशराम गुर्जर और उसके भाई केशव गुर्जर की पहली बार पुलिस से मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ से पहले तत्कालीन बाड़ी सदर थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह राजावत को सूचना मिली थी कि मनाखुरी की खिरकारी की झोपड़ियों में शीशराम अपने भाई केशव और गिरोह के अन्य लोगों के साथ छिपा है। जिस सूचना पर सुबह साढ़े 5 बजे पुलिस ने जैसे ही छापा मारा तो डकैतों की गिरोह ने पुलिस पर फायरिंग कर दी।

जयपुर महाखेल के फाइनल में शामिल होंगे पीएम मोदी

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में चुनावी साल शुरू होने के साथ ही सियासी हलचल तेज हो गई है। रविवार को जयपुर महाखेल का फाइनल मुकाबला जयपुर के चित्रकूट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दोपहर 1 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल होंगे। इस दौरान प्रदेश बीजेपी के नेता और कार्यकर्ताओं के साथ ही खिलाडी और आम जनता भी मौजूद रहेगी। बता दें कि सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की ओर से 15 जनवरी से जयपुर लोकसभा क्षेत्र में महाखेल की शुरुआत की गई थी। जिसमें 630 टीमों ने हिस्सा लिया।

बीजेपी सांसद किरोड़ी बोले-पूनिया ने नहीं निभाया वादा

कहा-जिस मुद्दे पर पार्टी को खड़ा होना था, बिल्कुल भी आक्रामक नजर नहीं आए

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के खिलाफ किरोड़ी लाल मीणा शनिवार को जयपुर पहुंचे। इस दौरान किरोड़ी लाल मीणा ने बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीन पूनिया पर ही सवाल उठा दिए। उन्होंने कहा- राजस्थान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया भी मुझसे मिलने आए थे। उन्होंने कहा था कि कल से युवा मोर्चा प्रदेशभर में इस मामले पर विरोध प्रदर्शन करेगा। एक भी जगह विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ।

उन्होंने कहा-जिस मुद्दे पर सतीश पूनिया की अगुवाई में भारतीय जनता पार्टी को खड़ा होना था। मुझे दुख है, उस मजबूती से सतीश पूनिया और बीजेपी खड़ी नहीं हुई। सतीश पूनिया के पास राजस्थान बीजेपी की जिम्मेदारी है। वह पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष है। इस मामले पर बिल्कुल भी आक्रामक नजर नहीं आए। इस मामले पर मैने आला नेताओं से भी बात की है। बता दें कि राजस्थान सरकार के खिलाफ राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने मोर्चा खोल रखा है।

जो पिछले 12 दिनों से जयपुर के आगरा रोड़ पर धरना दे रहे हैं। शनिवार को मीणा अपने समर्थकों के साथ जयपुर के शहीद स्मारक के लिए रवाना हो गए। जहां आज दोपहर मीणा और गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव की बातचीत होगी। मीणा ने कहा- जब तक सरकार युवाओं की चार मांगों को पूरा नहीं कर देती। हमारा आंदोलन जारी रहेगा। बता दें कि31 जनवरी को बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया भी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु शर्मा के साथ धरना स्थल पहुंचे थे।

लेकिन उसके बाद भी प्रदेश बीजेपी की ओर से इस पूरे मामले पर कोई एक्शन नहीं लिया गया। जिससे नाराज होकर आज मीणा ने पूनिया के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

चर्चित महिला आईएएस ने जूनियर को वॉट्सऐप पर धमकाया

अफसरों ने की मंत्री की शिकायत, चुनावी साल में मुखिया खुद ले रहे क्रॉस-फीडबैक

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सरकार के एक मंत्री और ब्यूरोक्रेसी की फिर पटरी नहीं बैठ रही है। जब किसी मंत्री की अपने विभाग के अफसरों से ही पटरी नहीं बैठे तो काम करना मुश्किल हो जाता है और महकमे का माहौल खराब होता है वो अलग। ब्यूरोक्रेसी से टकराते रहने वाले मंत्री की पिछले दिनों उनके ही विभाग के टॉप मोस्ट अफसरों ने शिकायत की। शिकायत भी सत्ता के सबसे बड़े केंद्र तक की है। अफसरों ने मंत्री के बर्ताव की शिकायत करते हुए तबादला करने तक की बात कह दी, इससे समझा जा सकता है कि कॉर्डिनेशन किस लेवल का है?

पंजाब के बाद अब राजस्थान की बारी?

सत्ताधारी पार्टी में 25 सितंबर के सियासी बवाल पर फिर से कई तरह की अटकलें शुरू हो गई है। पार्टी में अनुशासन बनाए रखने वाली कमेटी ने पंजाब के पूर्व मुखिया की पत्नी और सांसद को सस्पेंड कर दिया। इस एक्शन के बाद अब राजस्थान को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई है। बताया जाता है कि कमेटी जल्द राजस्थान को लेकर भी कुछ न कुछ फैसला जरूर करेगी। केवल ऊपर से हरी झंडी का इंतजार है। नोटिस देने वाले नेताजी ने भी राजस्थान के सियासी बवाल पर भी जल्द कुछ न कुछ करने के संकेत दिए हैं।

मुखिया खुद क्रॉस-फीडबैक लेने जुटे

चुनावी साल में प्रदेश के मुखिया से लेकर पार्टी हाईकमान तक अपने अपने आकलन में जुटे हैं। पहले आलाकमान ने एक एजेंसी से सर्वे करवाया। अब प्रदेश के मुखिया भी आकलन में लगे हैं। सत्ता के गलियारों के नजदीकी नेताओं ने भी अपना अपना फीडबैक पहुंचाया है। खुफिया आकलन भी करवाया है। बताया जाता है कि प्रदेश के मुखिया इस बार परंपरागत फीडबैक के तरीकों पर आंख मूंद कर भरोसा करने के मूड में नहीं है। पिछले कुछ दिनों से मुखिया प्रदेश भर में अपने संपर्क के लोगों से सरकार और पार्टी को लेकर खुद फीडबैक ले रहे हैं। कई स्थानीय नेताओं के पास फोन पहुंच रहे हैं और ग्राउंड रियलिटी के बारे में पूछा जा रहा है। इसे मेगा तैयारी के तोर पर देखा जा रहा है। प्रदेश के एक जिले की चर्चित कलेक्टर की पिछले दिनों एक अफसर को दी गई धमकी सियासी और प्रशासनिक गलियारों में टॉकिंग पॉइंट बनी हुई है।

जयपुर में चाय में बाप-बेटे को दिया जहर

बहू की डिलीवरी कराने आए थे हॉस्पिटल, बेहोश होने पर मोबाइल-कैश लूटा

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में बाप-बेटे के साथ जहरखुरानी का मामला सामने आया है। बातचीत के दौरान एक बदमाश ने चाय में जहर मिलाकर बाप-बेटे को दिया था। बेहोशी की हालत में बदमाश उनकी जेब में रखे मोबाइल और कैश को लूट कर फरार हो गया। सिंधी कैम्प थाने में शुक्रवार रात मामला दर्ज करवाया गया है।

पुलिस ने बताया कि जहरखुरानी की वारदात घाटगेट निवासी अब्दुल हकीम और उसके बेटे साहिम के साथ हुई। 6 जनवरी को अब्दुल हकीम अपनी पत्नी-बेटे के साथ बहू की डिलीवरी के लिए जनाना हॉस्पिटल आया था। बहू को हॉस्पिटल में भर्ती करने पर सास उसके पास वार्ड में रूक गई। दोनों बाप-बेटे हॉस्पिटल के बाहर आकर बैठ गए। रात करीब 11 बजे दोनों के पास एक व्यक्ति आकर बातचीत करने लगा। बातचीत के दौरान वह चाय लेकर आया।

बिजनेसमैन की बेटी की फ्लैट के लिए हत्या या सुसाइड?

पिता का दावा : लात-घूंसों से पीटा इसलिए मौत ससुरालवाले बोले- जहर खाकर जान दी

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में 6 महीने की बच्ची की मां की मौत पर पर सवाल उठने लगे हैं। ससुरालवालों का कहना है कि बहू ने जहर खाकर सुसाइड किया जबकि महिला के परिजनों का दावा है कि लात-घूंसे से पिटाई की गई, इसलिए उनकी बेटी की जान चली गई। मृतका के पिता हीराशंकर शर्मा ने ससुरालवालों पर दहेज में फ्लैट मांगने का आरोप भी लगाया है। उन्होंने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है। लिवर डैमेज होने की बात भी सामने आ रही है।

उधर, गांधी नगर थाना पुलिस ने एसएमएस हॉस्पिटल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया- मृतका श्वेता शर्मा (24) पत्नी पंकज शर्मा गांधी नगर क्वार्टर में रहती थी। 31 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे श्वेता की तबीयत खराब हो गई। परिजन उसे मानसरोवर के टैगोर हॉस्पिटल ले गए। डॉक्टर्स ने हालत गंभीर देखते हुए उसे एसएमएस हॉस्पिटल रेफर कर दिया। एसएमएस हॉस्पिटल ले जाते समय रास्ते में ही श्वेता ने दम तोड़ दिया था।

कॉल कर बताया-श्वेता ने जहर खा लिया

हीराशंकर ने बताया-बेटी की तबीयत खराब होने के करीब 3 घंटे बाद हमें सूचना दी गई। दोपहर करीब 3:15 बजे श्वेता के ससुर रजनीश शर्मा ने कॉल आया। उन्होंने कहा- श्वेता ने जहर खा लिया है। उसकी तबीयत खराब है। एसएमएस हॉस्पिटल ले जाने की बात बताई, लेकिन पता चला कि पहले वह श्वेता को मानसरोवर स्थित टैगोर हॉस्पिटल ले गए थे। एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचकर कॉल करने पर बताया कि टैगोर हॉस्पिटल में डॉक्टर के परिचित होने के कारण हम वहां ले गए थे।

पिता का आरोप-दहेज के लिए करते थे टॉर्चर

हीराशंकर अजमेरी गेट पर खाद-बीज का बिजनेस करते हैं। 8 नवंबर 2019 को उनकी बेटी श्वेता की शादी पंकज से हुई थी। उनका कहना है कि शादी से पहले पंकज ने आरएएस-प्री एग्जाम पास होने के साथ ही कोचिंग में पढ़ाना बताया था।

आरोप है कि शादी के बाद से ही दहेज को लेकर श्वेता को उसके ससुरालवाले टॉर्चर करने लगे। शारीरिक और मानसिक रूप से उसे प्रताड़ित किया गया। उसके परिवारवालों से मिलना तो दूर बातचीत करने से भी मना कर दिया गया। वह सवा साल पहले दीपावली पर बेटी से मिलने गए थे तब दामाद पंकज ने भला-बुरा कहकर धमकी दी- दोबारा आने पर टांगें तोड़ देंगे।

मांफी मांगकर दोबारा ले गए घर

पिता के मुताबिक दहेज के लिए आए दिन टॉर्चर से परेशान बेटी श्वेता को वह अपने घर ले आए थे। करीब 8 महीने पहले श्वेता के ससुर रजनीश घर आए, मांफी मांगकर दोबारा अन्याय नहीं होने का वादा करके बहू को साथ ले गए, लेकिन दहेज के लिए फिर उसे टॉर्चर करने लगे। 2 महीने बाद ही श्वेता ने बच्ची को जन्म दिया था। इसके बाद ससुरालवाले बच्ची को भी श्वेता से दूर रखने लगे। दहेज में फ्लैट की मांग को लेकर श्वेता और पीहरवालों पर दबाव डालने लगे।

गहलोत सरकार 93 हजार मेधावी विद्यार्थियों को बांटेगी टैबलेट, महिलाओं को स्मार्ट फोन

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। 1.33 करोड़ चिरंजीवी परिवार की महिला मुखिया को फ्री स्मार्टफोन की पिछली बजट घोषणा के बाद अब गहलोत सरकार ने 93 हजार मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट बांटने का भी फैसला लिया है। शिक्षा विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस पर फाइनल डिसीजन ले लिया गया है। पिछले चार महीनों से इस बारे में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी कि स्टूडेंट्स को टैबलेट दिए जाएं या लैपटॉप दें, लेकिन विभाग की रिपोर्ट से स्पष्ट हो गया है कि स्टूडेंट्स को टैबलेट दिए जाएंगे। जिनमें तीन साल तक फ्री इंटरनेट कनेक्शन की सुविधा भी सरकार की ओर से दिलवाई जाएगी। राजस्थान सरकार की 8वीं, 10वीं और 12वीं क्लास के मेधावी (ब्रिलिएंट) स्टूडेंट्स के लिए लैपटॉप स्कीम चल रही है, लेकिन सरकार ने पिछले 4 साल में एक भी लैपटॉप नहीं बांटा है। पिछले साल अक्टूबर में इस स्कीम में बदलाव कर टैबलेट दिए जाने का फैसला लिया गया, लेकिन तब वापस लैपटॉप देने की ही मांग उठने लगी तो पेंच फंस गया। लेकिन जनवरी में निदेशालय ने स्पष्ट कर दिया कि 93 हजार स्टूडेंट्स को टैबलेट ही बांटे जाएंगे।

इस तरह दिए जाएंगे 93 हजार मेधावी स्टूडेंट्स को टैबलेट

अब टैबलेट खरीद का प्रोसेस शुरू किया जाएगा। सरकार एक सत्र में 27 हजार 900 स्टूडेंट्स को स्कीम का फायदा देती है। लेकिन पिछले चार सत्र 2019-20, 2020-21, 2021-22, 2022-23 के मेधावी स्टूडेंट्स को अब एक साथ ही टैबलेट दिए जाएंगे। चार सत्रों की कुल स्टूडेंट्स संख्या 1 लाख 11 हजार 600 हो रही है। लेकिन 8वीं कक्षा के स्टूडेंट्स की परीक्षा नहीं होने के कारण दो सत्रों के 18600 टैबलेट नहीं दिए जाएंगे। अब टैबलेट के लिए लाभार्थी स्टूडेंट्स की संख्या 93 हजार है।

सेलेक्शन इस तरह होगा

8वीं, 10वीं और 12वीं क्लास की परीक्षा में स्टेट लेवल पर टॉप रहने वाले 6-6 हजार मेधावी स्कूली स्टूडेंट्स को मिलाकर 18000 स्टूडेंट्स को स्कीम का फायदा दिया जाएगा। इसी तरह जिला स्तर पर टॉप रहने वाले तीनों क्लासेज के 100-100 स्टूडेंट्स के हिसाब से 33 जिलों के 9900 स्टूडेंट्स को टैबलेट दिए जाएंगे। एक साल में 27900 स्टूडेंट्स सेलेक्ट होंगे। सरकार इस तरह चार सेशन के स्टूडेंट्स को सेलेक्ट कर टैबलेट देगी। 8वीं कक्षा के 9300, 10वीं कक्षा के 9300 और 12वीं कक्षा के 9300 स्टूडेंट्स को प्रति सत्र के हिसाब से सेलेक्ट कर टैबलेट दिए जाएंगे।

चुनावी साल में ही क्यों ?

सूत्र बताते हैं कि सरकार ने पहले से ही मन बना रखा था कि चुनावी साल में ही ये रेवड़ियां बांटी जाएंगी। इसीलिए पिछले चार सत्र में स्टूडेंट्स को लैपटॉप या टैबलेट नहीं बांटे गए। चुनावी साल के लिए इन्हें रोककर रखा गया, ताकि सरकार की ओर से दिया गया तोहफा चुनाव के दौरान ज्यादा से ज्यादा स्टूडेंट्स के परिवारों को याद रह सके।

1.33 करोड़ महिलाओं को फ्री स्मार्टफोन भी चुनाव से पहले बांटने की तैयारी

राजस्थान सरकार 'फ्री मोबाइल योजना 2022' के तहत चिरंजीवी कार्डधारी परिवारों की महिला मुखिया को स्मार्ट फोन मोबाइल भी बांटेगी। 'मुख्यमंत्री डिजिटल सेवा योजना' के तहत राज्य की 1.33 करोड़ महिलाओं को ये स्मार्ट फोन मिलेंगे। जिनमें तीन साल तक फ्री इंटरनेट, कॉल और मैसेज की सुविधा रहेगी। यह सीएम गहलोत की साल 2022-23 की बजट घोषणा है।

अपहरण और मारपीट के आरोपी मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने सीएम को घेरा

बोले-सब उनके इशारे पर ही हो रहा

नीमकाथाना, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अपहरण मामले में नीमकाथाना शहर के कोतवाली थाने में केस दर्ज होने पर सैनिक कल्याण राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने एक बार सीएम को निशाना बनाया। गुढ़ा का आरोप है कि यह झूठा मुकदमा मुख्यमंत्री के इशारे पर ही दर्ज हुआ है। गुढ़ा ने सीएम गहलोत पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि गृह मंत्रालय उनके पास ही है। सीधा सा मतलब है सब उनके इशारे पर ही हो रहा है। प्रदेश के किसी मंत्री या विधायक के खिलाफ पुलिस थाने में सीधा केस दर्ज नहीं होता। गुढ़ा ने कहा कि अगर सीएम से पूछे बिना केस दर्ज नहीं हुआ होता तो इस मामले में मुकदमे से पहले वो एक बार मुझसे बात तो कर लेते।

मंत्री ने आरोपों को नकारा

मंत्री गुढ़ा ने कहा कि मैंने पहले ही बताया था कि मेरी पत्नी को पहले से ही आशंका थी। उसने कहा भी था मुख्यमंत्री से पंगे मत लो। अपहरण और मारपीट का ये आरोप उसी का नतीजा है। राजेंद्र गुढ़ा ने बताया कि जिस वार्ड पंच ने केस दर्ज करवाया है वो धोखेबाज है। उससे पीड़ित महिला विमला कंवर मेरे पास आई थी। वो अपनी दो बेटियों के साथ आत्महत्या करने वाली थी। उसकी बेटियों की शादी होने वाली है और उसके पास पैसे नहीं थे। मैंने लोगों को बोलकर पैसे की व्यवस्था करवाई। वार्ड पंच ने झूठा केस दर्ज करवाया है।

पुलिस ने मामले की जांच सीआईडी सीबी को सौंपी

नीमकाथाना के वार्ड नंबर 31 में रहने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता और ककराना पंचायत के वार्ड पंच दुर्गा सिंह ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट देकर मंत्री राजेंद्र गुढ़ा पर अपहरण और मारपीट का आरोप लगाया था। परिवादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मंत्री गुढ़ा के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। आरोपी गुढ़ा के सरकार में मंत्री होने के कारण पुलिस ने मामले की जांच सीआईडी सीबी को सौंपी थी।

निवेश के नाम पर 50 लाख का गबन कर दुबई भागा युवक भारत लौटते ही गिरफ्तार

जोधपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। निवेश के नाम पर एक व्यक्ति से 50 लाख का गबन कर दुबई भागे एक शख्स को पुलिस ने मुंबई एयरपोर्ट पर डिटेन करने के बाद आज गिरफ्तार कर लिया गया। उससे शहर की चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस पूछताछ में जुटी है। आरोपी के खिलाफ पुलिस उपायुक्त पश्चिम के मार्फत भारत सरकार की तरफ से लुक आउट नोटिस जारी करवाया गया था।

थानाधिकारी जुल्फिकार अली ने बताया कि दुदासनी पाली के भरत सिंह पुत्र जबर सिंह की तरफ से शास्त्रीनगर थाने में केस दर्ज करवाया गया था। इसमें बताया कि एफएक्स एरिमा में निवेश के नाम पर पुख सिंह राजपुरोहित, चुतर सिंह, दिनेश सिंह राजपुरोहित एवं खेतपाल सिंह आदि मिलकर 50.50 लाख का गबन कर फरार हो गए हैं। मामला दो जून 2022 को दर्ज हुआ था। थाना अधिकारी जुल्फिकार अली ने बताया कि आरोपी रूहपोश होने पर पुलिस उपायुक्त पश्चिम के मार्फत आव्रजन ब्यूरो भारत सरकार की तरफ से लुक आउट नोटिस जारी करवाए गए।

सदन में आने से पहले ही 'राजस्थान अकाउंटिंग सिस्टम अमेंडमेंट बिल' का विरोध

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। गहलोत सरकार अकाउंटिंग सिस्टम में बड़े बदलाव करने के लिए 'राजस्थान अकाउंटिंग सिस्टम अमेंडमेंट बिल 2023' विधानसभा सदन में बजट सत्र के आगामी दिनों में लाने जाने जा रही है। यह विधेयक पास ही प्रदेश के सभी ट्रेजरी और सब ट्रेजरी ऑफिस बंद कर दिए जाएंगे। इनकी जगह सिंगल ई-ट्रेजरी काम करेगी। मौजूदा समय में हर जिले में ट्रेजरी ऑफिस हैं। तहसील लेवल पर सब ट्रेजरी ऑफिस भी हैं। इनमें करीब 3000 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी काम कर रहे हैं। राज्य सरकार के करीब 8.50 लाख रिटायब ीज ेपी क र ेग ी वि ध ाख सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स का भुगतान इन्हीं ट्रेजरी ऑफिसों से होता है। अलग-अलग सरकारी डिपार्टमेंट की ओर से भेजे गए बिलों का वेरिफिकेशन करने के बाद फाइनल पेमेंट का प्रोसेस भी इन्हीं ट्रेजरी ऑफिसेज के जरिए ही होता है। फाइब ीज ेपार्टमेंट लेवल पर पहले भी ट्रेजरी और सब ट्रेजरी सिस्टम को खत्म कर नया पे एंड अकाउंटिंग सिस्टम लाया गया था, लेकिन ासीएजी ने उस पर रोक लगा दी थी। साथ ही कहा था कि यह सिस्टम संविधान के डीपीसी एक्ट 1971 के प्रोविजन के खिलाफ है।

बीजेपी करेगी विधानसभा सदन में विरोध

बीजेपी ट्रेजरी सिस्टम को खत्ब ीज ेपी ाए जाने वाले बिल का विधानसभा सदन में विरोध कर इसे मुद्दा बनाएगी। बीजेपी चाहती है कि ट्रेजरी सिस्टम बनाए रखा जाए। आरोप है कि नया अकाउंटिंग सिस्टम खामियों से भरा है, उसमें चेक एंड बैलेंस सिस्टम खत्म हो जाएगा।नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि 'बजट पर बहस के दौरान बीजेपी सदन में इस मुद्दे को उठाएगी। हमारे पास जनता से जो फीडबैक आ रहा है, वह ट्रेजरी सिस्टम को बनाए रखने के पक्ष में है। मैं इसे लेकर सरकार को पत्र भी लिख चुका हूं।'

ईआरओ और एईआरओ को चुनाव के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए : विकास राज

सीईओ ने उप-तहसीलदारों को प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित किया

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज ने कहा कि ईआरओ और ईआरओ को चुनाव को ध्यान में रखते हुए चुनाव प्रबंधन की पूरी समझ होनी चाहिए। इससे पूरी चुनावी प्रक्रिया को आसानी से संचालित किया जा सकता है। विकास राज शुक्रवार को जीएचएमसी मुख्यालय में राज्य स्तरीय उप तहसीलदारों (चुनाव) के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम में उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सत्यवती, अपर आयुक्त चुनाव पंकजा आदि भाग लिया। इस मौके पर सीईओ विकास राज ने कहा कि ईआरओ और एईआरओ को चुनाव नियमों की पूरी जानकारी होनी चाहिए। उन्हें बूथ स्तर के अधिकारियों को इलेक्ट्रो-रोल पर उचित निर्देश देना चाहिए और बीएलओ को नागरिकों को सभी रूपों में जागरूक करना चाहिए। बीएलओ को इलेक्ट्रो रोल की पूरी जानकारी होनी चाहिए। उनकों चुनाव खर्च के बारे में पता होना चाहिए और समय-समय पर ईवीएम के प्रदर्शन की जांच करनी चाहिए। संकटग्रस्त क्षेत्रों में प्रभावी मतदान के लिए कड़े कदम उठाए जाने चाहिए। मतदाताओं को उनके नाम, पता और निर्वाचन क्षेत्र में परिवर्तन के बारे में अग्रिम सूचना दी जानी चाहिए। इससे पहले फार्म-6, 7, 8 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। इसके बाद सीईओ विकास राज ने बताया कि नियुक्त मास्टर ट्रेनर दो दिनों तक इलेक्ट्रो-रोल और ईवीएम के प्रबंधन का प्रशिक्षण देंगे। कार्यक्रम में इब्राहिमपटनम आरडीओ वेंकटचारी, बोधन आरडीओ राजेश्वर, राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर, विधानसभा क्षेत्रों के 119 उपतहसीलदारों (चुनाव) और अन्य ने भाग लिया।

बाल कल्याण विभाग अधिकारी ने समीक्षा बैठक की

आसिफाबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार के दिन जिला बाल कल्याण अधिकारी बुराला महेश ने बाल रक्षा भवन में जिला बाल कल्याण विभाग व चाइल्ड लाइन के अमले के साथ समीक्षा बैठक की।इस मौके पर डीसीपीओ ने बताया कि जिले में बाल विवाह उन्मूलन के लिए उपाय किए जा रहे हैं। चूंकि अब विवाह का समय है, कर्मचारियों को सतर्क रहना चाहिए।ग्राम मंडल, ग्राम मंडल तालुका, बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के स्तर पर राजस्व पुलिस, पंचायती राज आईसीडीएस कर्मचारियों, और की भागीदारी के साथ व्यापक रूप से किया जाना चाहिए। इस अवसर पर स्टाफ को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 उपलब्ध करायी जाये। चाइल्डलाइन 1098 की जानकारी में कहा गया है कि जिले में बाल विवाह होने पर/ किसी को पता चले कि बाल विवाह हो रहा है तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुखबिरों का विवरण गोपनीय रखा जाएगा। इस कार्यक्रम में चाइल्ड केयर विभाग के कर्मचारी व चाइल्ड लाइन के स्टाफ ने भाग लिया।

स्वर्ण में है भगवान का वास : सुखेन्द्र शास्त्री

श्रीमद्भागवत साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन विशेष पूजा-अर्चना आयोजित

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बंगारु महिषम्मा मंदिर, बेगम बाजार में जारी साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ कार्यक्रम आयोजनश्री लक्ष्मी नारायण पंचकुंडी महायज्ञ व श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का तीसरे दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस संदर्भ में हो रहा है। इस कार्यक्रम के तृतीय दिवस की संध्या में चित्रकूट धाम के श्री सुखेन्द्र शास्त्री जी महाराज ने उपस्थित भक्तों को कलियुग के स्थान के बारे में बताया कि, जहां पर द्युत-झूठ बोलना, मदपान, स्त्री का संग तथा हिंसा, असत्य, आसक्ति व निर्दयता के 4 प्रकार के अधर्म का निवास होता है, वहीं कलियुग का स्थान है। महाराज ने यह भी बताया कि, इसमें पांचवां स्वर्ण में स्थान, कलियुग का है अर्थात कलियुग भी भगवान के चरणों का स्थान चाहता है। क्योंकि सोना या स्वर्ण में भगवान का वास है। क्योंकि श्रीकृष्ण भगवान स्वयं गीता में कहते हैं कि, धातू में मैं सोना या स्वर्ण हूं। अर्थात कलियुग भी चाहता है कि, हमारे समय में जन्मे मनुष्य प्राणी को भगवत प्राप्ति हो। इस शुभावसर पर एन. के.सिंह परिवार व्दारा भण्डारा आयोजित किया गया।

इस अवसर पर यज्ञाचार्य रामनरेश पाण्डेय, उपाचार्य कमलाकान्त, अनिल पाण्डेय पुजारी, पं. पवन गौतम, पं. प्रह्लाद त्रिपाठी, एन.के. सिंह दंपति, एस.के. वर्मा, नरसिंह राव (सेवादार), नरसिंहभान यादव, रघुनन्दन गोप, एनके अग्रवाल, रमेश काबरा, देवेन्द्र पुनिया, प्रकाश शुक्ला दंपति, आर.श्रीनिवास दंपति, आदित्यसिंह एवं आदि भक्तगणों ने भाग लिया।

हिन्दी में कंप्यूटर के माध्यम से कार्य को आसान बनाएं : सुरेश चंद्र तेली

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के हैदराबाद अंचल के राजभाषा अधिकारियों की अर्द्धवार्षिक समीक्षा बैठक आज आयोजित की गई। बैठक का उद्घाटन करते हुए सुरेश चंद्र तेली, मुख्य महाप्रबंधक ने कहा कि हिन्दी में कंप्यूटर के माध्यम से कार्य को आसान बनाएं और सरकार द्वारा हिंदी में कार्य के लक्ष्यों को प्राप्त करें। हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना न केवल संवैधानिक कर्तव्य है बल्कि इससे ग्राहकों को भी लाभ होता है और बैंक के व्यापार में वृद्धि होती है। बैंक के मुंबई स्थित केंद्रीय कार्यालय से ऑनलाइन माध्यम से जुड़ते हुए रामजीत सिंह, सहायक महाप्रबंधक ने कहा कि बैंकिंग और राजभाषा कार्यान्वयन में हैदराबाद अंचल अग्रणी है। उन्होंने इसके लिए अंचल प्रमुख और सभी राजभाषा अधिकारियों को बधाई दी। देवकांत पवार, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने क्षेत्रीय कार्यालयों की राजभाषा में हुई प्रगति की समीक्षा की और सुझाव भी दिए। सुश्री उपासना सिरसैया वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने धन्यवाद ज्ञापन किया

स्वामी विवेकानंद ने विश्व में किया भारतीय संस्कृति का प्रचार : डॉ. रेखा शर्मा

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के पी.जी. केंद्र एवं शिक्षा महाविद्यालय द्वारा स्वामी विवेकानंद के जन्म दिन के उपलक्ष्य में 'स्वामी विवेकानंद के विचारों में युवा' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्याता के रूप में विवेक वर्धिनी महाविद्यालय, हैदराबाद के पूर्व प्राचार्य डॉ. रेखा शर्मा ने नरेंद्र दत्त से स्वामी विवेकानंद बनने तक की जीवन यात्रा पर सार गर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। शिकागो परिषद के माध्यम से भारतीय संस्कृति और सभ्यता का संपूर्ण विश्वभर प्रचार प्रसार करने वाले सच्चे भारतीय शुभचिंतक एवं अध्यात्म पुरूष के रूप नें विवेकानंद को उन्होंने स्थापित करने का प्रयास किया। सचिव एवं संपर्क अधिकारी श्रीमती ए. जानकी ने समारोह की अध्यक्षा की। समारोह में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित प्रबंध निधिपालक शेख मोहम्मद खासिम ने अपने भाषण में विवेकानंद के व्यक्तित्व और विचारों से भारतीयों के साथ साथ विदेशी भी किस प्रकार से प्रभावित हुए थे इसपर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में विशेष टिप्पणी प्रस्तुत करते हुए प्राचार्य डॉ. सीएन. मुगुटकर ने विविकानंद के दार्शनिक सिद्धांतों पर विचार व्यक्त किए तथा शिक्षा संबंधी उनके विचारों को श्रोताओं के सामने रखा। कार्यक्रम में सरस्वती वंदना डॉ. शैलेषा नंदुरकर ने की। अतिथि तथा व्याख्याता का स्वागत पी. जी. विभागाध्यक्ष प्रो. संजय एल. मादार ने किया। कार्याक्रम का संचालन डॉ. साहिराबानो बी.बोरगल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शेख जुबेर अहमद ने किया।

संत शिरोमणि रविदास जयंती पर विशाल कार्यक्रम आज

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिस्सा आन्दोलन, सीलकोडस एवं संत रविदास कुरील समाज समिति, सामाजिक संगठनों की ओर से बेगमपुरा भाईचारा भारत यात्रा का हैदराबाद पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एवं समर्पित समाजसेवी मा. जीवन मल्ला के नेतृत्व में विगत 20 जनवरी से जारी यात्रा बिहार, पं. बंगाल, झारखंड, उडीसा, आंध्र प्रदेश होते हुए कल हैदराबाद पहुंची। स्थानीय टैंक बंड स्थित डॉ. बीआर अम्बेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण उपरान्त आबिडस स्थित सूर्यलोक कांप्लेक्स हॉल में आरपीआई व अन्य पदाधिकारीगणों द्वारा संयुक्त सभा का आयोजन हुआ। समाज के गणमान्य प्रबुद्ध तथा समाजसेवी उपस्थित रहे। 5 फरवरी रविवार को संत रविदास जयती के पावन पर्व पर जीएचएमसी कालोनी, पोचम्मा मंदिर, जियागुडा हैदराबाद में यात्रा के नेतृत्व मा. मल्लाजी का समस्त यात्रा पदाधिकारियों के साथ सम्मान समरोह, उद्बोधन तथा बृहत भंडारा का आयोजन मध्याह्न 12 बजे से आयोजित होगा। इसमें सामाजिक जन समूह के युवा, महिलाएं, पुरुष, बच्चे, वरिष्ठगण सम्मिलित होंगे। समारोह का प्रबंधन संत रविदास कुरील समाज समिति हैदराबाद, हिस्सा आंदोलन भारत तथा सीलकोडस एवं अन्य संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। आयोजन उपरान्त यात्रा अपने पडाव कर्नूल, अनन्तपुर होते हुए बेंगलुरू के लिए प्रस्थान करेगी।

आदि शक्ति फाउंडेशन के दक्षिण भारत के संभागीय अध्यक्ष बने नंदू बिलाल

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आदि शक्ति फाउंडेशन के दक्षिण भारत के संभागीय अध्यक्ष के रूप में समाजसेवी तथा वरिष्ठ बीआरएस नेता नंदकिशोर व्यास "बिलाल" को मनोनीत किया गया है। सिखवाल समाज एवं दक्षिण भारत में नंदकिशोर व्यास "बिलाल" द्वारा की जा रही उत्कृष्ट सेवा भाव को देखते हुए आदि शक्ति फॉउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुषमा सिंह पंवार की अनुमति से राष्ट्रीय संयोजक व राष्ट्रीय महासचिव संदीप सिखवाल (अधिवक्ता) की अनुशंसा पर श्री बिलाल को सम्पूर्ण दक्षिण भारत का संभागीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके लिए कई हस्तियों ने सिखवाल प्रगति समाज अध्यक्ष एवं बीआरएस नेता नंदकिशोरजी व्यास "बिलाल" को बधाई दी।

खम्मम में वंदे भारत ट्रेन पर पथराव

खम्मम , 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम में पथराव की एक और घटना में, वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच की खिड़की के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे ट्रेन के समय में तीन घंटे की देरी हुई। सूत्रों के मुताबिक, खम्मम के पास कुछ बदमाशों ने वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव किया और सी-12 की आपातकालीन निकास खिड़की को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से बदमाशों की पहचान की। घटना की वजह से विशाखापत्तनम और सिकंदराबाद के बीच चलने वाली ट्रेन तीन घंटे की देरी से चल रही है। यह पहली बार नहीं है जब वंदे भारत एक्सप्रेस को निशाना बनाया गया है, क्योंकि इसके लॉन्च से पहले विशाखापत्तनम में इसके दो कोच विंडो क्षतिग्रस्त हो गए थे।

जनता की समस्याओं को सुलझाने का हरसंभव प्रयास : गज्जला

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद ने जनता के मुद्दों को जानने के लिए एल्विन कॉलोनी डिवीजन के विजया नगर और साईं नगर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि जनता की समस्याओं को सुलझाने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय विधायक और न पार्षद इस ध्यान दे रहे है और न कोई अधिकारी इस पर गौर कर रहा है। लोगों की शिकायत है कि जीएचएमसी नहर की सफाई कर कचरा निकालकर उन्हीं सड़कों पर डाल देता है। बिजली के खंभों की कमी है। उन्होंने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि बिजली के तार सही तरीके से नहीं होने या स्थिति ऊपर की ओर जा रही होने के कारण क्या होगा। 6 बजे। सड़कें गड्ढों से भरी हैं। योगानंद ने उन्हें आश्वासन दिया कि जल्द ही उपरोक्त मुद्दों का समाधान किया जाएगा। कार्यक्रम में विजित वर्मा सुरभि रविंदर, श्रवंती रामाराजू, विजित वर्मा, टप्पा रघु, रामकृष्ण, रत्नकुमार, लड्डू, सिद्धू, ईश्वर नरसिम्हा रेड्डी वेणुगोपाल, प्रशंसक, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए।

जन सेवा संघ मेड़चल समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ मेड़चल क्षेत्रीय इकाई की बैठक मेड़चल क्षेत्र में केंद्रीय समिति के आर्गनाइज़िंग सचिव कपिराज सिंह एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष शेखर झा के नेतृत्व में आयोजन किया गया। जन सेवा संघ के संचालन समिति के संयोजक श्रीकांत पांडेय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में सदस्यता अभियान चलाने, बस्ती प्रेसिडेंट बनाने, नवीनीकरण पर गहन विचार विमर्श किया गया। बैठक में मेड़चल क्षेत्रीय अध्यक्ष शेखर झा ने आश्वासन दिया कि दो दिन में समिति के सभी कार्य की समीक्षा करके पंद्रह दिन में बस्ती प्रेसिडेंट बनाकर सभा का आयोजन करेंगे और पूरे मेड़चल इकाई का रिन्यूवल कराएंगे। जन सेवा संघ के वरिष्ठ सदस्य एवं संचालन समिति के संयोजक श्रीकांत पांडेय ने सभी सदस्यों से संस्था के उद्देश्यों को पूरे क्षेत्र में प्रचार प्रसार करने का आग्रह किया।

अग्रणी महिला मंच द्वारा विश्व कैंसर डे मनाया गया

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच द्वारा विश्व कैंसर डे मनाया गया। अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने उक्त जानकारी देते हुए कहा विश्व कैंसर डे के उपलक्ष्य में खैरताबाद स्थित नीलोफर हॉस्पिटल के बाजू कैंसर हॉस्पिटल में फल, बिस्कुट, जूस एवं अन्य सामान 150 लोगो को वितरित किया गया।

कार्यक्रम में बबिता गर्ग, रितु गर्ग, सुनैना नारसरिया, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, रूपा गुप्ता, रीता कनोडिया, प्रीति गोयल, रितु गोयल, संगीता जाजोदिया एवं पवन भुवानिया अन्य उपस्थित थे।

सिरपुरकागज नगर के त्रिशूल पहाड़ पर स्थित श्री सत्यनारायण मंदिर का रजत जयंती उत्सव कार्यक्रम धूमधाम से बनाया गया। कार्यक्रम में सत्यनारायण मंदिर के कमेटी के सभी सदस्य एवं महावीर प्रसाद लोया, चैनसुख लोया, ओमप्रकाश लोया, जुगल किशोर लोया, पवन वलदेवा, शिवप्रसाद लोया आथद उपस्थित रहे।

न्यू बोइनपल्ली डाकघर के पीछे स्थित शिवालय स्ट्रीट में आयोजित अयप्पा स्वामी के पड़ीपूजा व अन्नदान कार्क्रम में भाग लेते हुए छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष जे. प्रताप, अरुण यादव, अजय यादव व अन्य स्वामीगण।

अपर जिलाधिकारी ने जिलाधिकारी से मुलाकात की

आसिफाबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलक्टरों के तबादले के क्रम में कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर के रूप में अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने वाले जिला कलेक्टर बदावत संतोष को कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के अपर समाहर्ता राजेशम ने आसिफाबाद के कलेक्टर कक्ष में विनम्रता से गुलदस्ता भेंट किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि कोमूराम भीम आसिफाबाद जिले द्वारा चलाये जा रहे कल्याणकारी एवं विकास कार्यक्रमों के उद्देश्यों को निर्धारित समय में प्राप्त करने के लिये अधिकारी समन्वय से कार्य करें।

सऊदी अरब में तेलंगाना की महिला की मौत

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल की एक 83 वर्षीय महिला, सबीरा बेगम, जो हाल ही में अपने बेटे अकील अहमद खान के साथ कुछ समय बिताने और उमरा करने के लिए सऊदी अरब गई थीं, का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, निर्मल जिले के इस्लामपुरा गली की रहने वाली सबीरा बेगम अल खोबर में बेहोश हो गई थीं, और उन्हें किंग फहद स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई।

परिजनों ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता नास शौकत की मदद से उसके शव को उसके गृह नगर वापस लाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में पीएम मोदी के चित्र का दुग्धाभिषक करते हुए भाजपा तेलंगाना राज्य विश्वकर्मा ओबीसी प्रकोष्ठ के संयोजक पोसला ब्राह्मण चारी, श्रीनिवास रेड्डी, मनोहर रेड्डी, डॉ. सुरेंद्र, एनआर लक्ष्मण राव व अन्य।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का विशेष सम्मान करते हुए उप्पल के पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर। श्री प्रभाकर ने रेलमंत्री को बजट में हैदराबाद के चेर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल को 89 करोड़ आवंटित करने के लिए बधाई दी।

बंगाली समाज, महाकाली मंदिर, शमशाबाद हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में गृहमंत्री मो. महमूद अली ने प्रमुख रूप से भाग लिया। इस दौरान एमडी सलाउद्दीन लोधी, बीआरएस प्रभारी चारमीनार निर्वाचन क्षेत्र, बरुण दादा आदि उपस्थित रहे।

उमरान की स्पीड पर पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज का तंज

सोहेल बोले- पाकिस्तानी घरेलू क्रिकेट में उमरान जैसे गेंदबाजों की भरमार

खेल डेस्क, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व पेसर सोहेल खान ने भारतीय तेज गेंदबाज उमरान मलिक की स्पीड पर लेकर तंज कसा है। उन्होंने नादिर अली के यूट्यूब चैनल पर कहा कि उमरान जैसे गेंद फेंकने वाले गेंदबाजों की भरमार है। शोएब अख्तर के सबसे तेज गेंद फेंकने के रिकॉर्ड को तोड़ने पर पूछे गए सवाल पर कहा कि शोएब का रिकॉर्ड बॉलिंग मशीन ही तोड़ सकती है, किसी गेंदबाज के लिए तोड़ना मुश्किल है।

सोहेल ने कहा कि उमरान को कुछ मैचों में गेंद फेंकते हुए देखा है। वह अच्छे गेंदबाज हैं। उनका गेंद पर नियंत्रण है। पर 150-155 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से गेंद फेंकने वालों की पाकिस्तानी क्रिकेट में भारमार है। शाहीन शाह, नसीम शाह, हारिस रऊफ सहित कई तेज गेंदबाज हैं जो 150-155 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने की क्षमता रखते हैं।

उमरान भारत की ओर से सबसे तेज गेंद फेंकने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ मैच में 156 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। उमरान ने एक इंटरव्यू में कहा था कि ऐसी कोई वजह नहीं दिख रही है कि शोएब अख्तर के सबसे तेज गेंद फेंकने के रिकॉर्ड को नहीं तोड़ा जा सकता है। पर उनका फोकस भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है। शोएब अख्तर ने 2003 वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में 161.3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से एक गेंद डाली थी और आज 20 साल बाद भी उनसे तेज़ गेंद कोई भी गेंदबाज नहीं डाल पाया है।

पाकिस्तानी गेंदबाज सोहेल ने कहा कि शोएब अख्तर का रिकॉर्ड तोड़ना आसान नहीं है। उनका रिकॉर्ड वही तेज गेंदबाज तभी तोड़ पाएगा, जो उनके जैसा मेहनत करे। वह पहाड़ों पर वजन के साथ दौड़ते थे। वह एक दिन में 32 राउंड की दौड़ पूरा करते थे।

उमरान अब तक 16 मैचों में ले चुके हैं 24 विकेट

पिछले साल जून में अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाले उमरान मलिक ने 16 खेले हैं। उन्होंने 24 विकेट लिए हैं। उन्होंने 8 वनडे में 6.45 की इकोनॉमी रेट से 13 विकेट लिए हैं। जबकि 8 टी-20 मैच में 10.49 की इकोनॉमी रेट से 11 विकेट लिए हैं।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने साउदी लीग में पहला गोल दागा

93वें मिनट में पेनल्टी पर आया गोल, अल-नसर ने 2-2 से ड्रॉ किया

खेल डेस्क, 4 फरवरी (एजेंसियां)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने आखिरकार सऊदी प्रो लीग में अल-नासर के लिए अपना खाता खोला। शुक्रवार को उन्होंने अल फतह टीम के सामने 93वें मिनट में गोल दागा, लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

दो चांस मिले, लेकिन कन्वर्ट नहीं कर सके

रोनाल्डो के लिए यह निराशाजनक गेम था। उन्होंने, स्कोर करने के दो मौके गवाएं और पहले 30 मिनट में कई बार बॉल भी बाहर भेजी। हालांकि, आखिर में उन्होंने पेनल्टी स्कोर कर अपने फैंस को खुश कर दिया और सऊदी अरब लीग में अपना पहला गोल स्कोर किया।

आखिरी मिनट में गोल पर ड्रॉ

क्रिश्चियन टेलो ने अल फतेह को करीबी मुकाबले में बढ़त दिलाने के लिए शानदार फिनिश किया, लेकिन हाफ टाइम से ठीक पहले एंडरसन तालिस्का ने अल-नासर के लिए बराबरी कर ली। ज्यादातर समय गेम बराबरी का ही रहा। 58वें मिनट में सोफिन बंडेबका ने स्कोर किया। आखिर में इंजरी टाइम में रोनाल्डो ने 93वें मिनट में पेनल्टी स्कोर की और टीम को ड्रॉ दिलाया।

ऑफसाइड के हुए शिकार

गेम की शुरुआत में रोनाल्डो ने बॉल को नेट के पीछे भेजा, लेकिन, इसे ऑफसाइड दे दिया गया। दूसरे हाफ में, उन्हें गोल करने का एक और सुनहरा मौका मिला लेकिन इस बार, उनका शॉट में पावर नहीं था और विपक्षी टीम ने इसे रोक लिया।

पीएसजी के खिलाफ किए थे 2 गोल

अल नासर में आने के बाद से, रोनाल्डो ने केवल दो बार स्कोर किया है, लेकिन दोनों गोल पेरिस सेंट जर्मन के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में आए, ऐसा मैच जिसमें उनकी टीम 4-5 से हार गई।

अंडर-19 चैंपियन सौम्या बोलीं-फाइनली हमने कर दिखाया

विनिंग शॉट लगाया तो सपना पूरा हुआ

खेल डेस्क, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल का विनिंग चौका लगाने वाली भारत की सौम्या तिवारी विराट कोहली को अपना आइडल मानती हैं। 17 साल की सौम्या चैंपियन बनने के बाद गुरुवार रात को अपने घर पहुंचीं। वह मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में रहती हैं।

12 साल की उम्र से क्रिकेट खेल रहीं सौम्या के वर्ल्ड चैंपियन बनने का सफर आसान नहीं रहा। दीदी से जिद कर क्रिकेट एकेडमी जॉइन की। एकेडमी में एकमात्र लड़की होते हुए लड़कों के बीच क्रिकेट सीखा। पिता को छोटी बच्ची के चोटिल होने का डर था तो कोच ने बेहतरीन फील्डिंग देख लड़कों के बीच टूर्नामेंट खिलाए। आगे स्टोरी में हम सौम्या के ही शब्दों में उनकी सक्सेस स्टोरी जानेंगे।

वर्ल्ड कप जीतने पर सौम्या को मिठाई खिलाती उनकी मां। बाएं से पहले कोच सुरेश चैनानी, पिता मनीष तिवारी, बहन साक्षी और मां के पीछे सौम्या की बेस्ट फ्रेंड मेघना।

वर्ल्ड कप जीतने पर सौम्या को मिठाई खिलाती उनकी मां। बाएं से पहले कोच सुरेश चैनानी, पिता मनीष तिवारी, बहन साक्षी और मां के पीछे सौम्या की बेस्ट फ्रेंड मेघना।

इंडियन विमेंस टीम को पहली आईसीसी ट्रॉफी जिताई

29 जनवरी को अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया। यह भारतीय महिला टीम की किसी भी लेवल पर पहली ही ICC ट्रॉफी है। सौम्या ने फाइनल में 24 रन की नॉटआउट पारी खेली। तीसरे विकेट के लिए 46 रन की अहम पार्टनरशिप की और चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई।

जिम्नास्ट दीपा कर्माकर पर 21 माह का प्रतिबंध

डोप टेस्ट में फेल, नेशनल गेम्स में भाग लेने वाले 10 खिलाड़ी भी प्रतिबंधित दवा लेने के दोषी

खेल डेस्क, 4 फरवरी (एजेंसियां)। रियो ओलिंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाली जिम्नास्ट दीपा कर्माकर पर 21 माह का प्रतिबंध लगा दिया गया है। उनका डोप टेस्ट पॉजिटिव आया है। इनके अलावा गुजरात में नेशनल गेम्स में भाग लेने वाले 10 खिलाड़ी भी डोप के दोषी पाए गए हैं।

दीपा ने 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स में जिमनास्टिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। वे ऐसा करने वाली भारत की पहली महिला जिम्नास्ट बनी थीं। अंतरराष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (ITA) के अनुसार दीपा कर्माकर का अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ की ओर से आउट ऑफ कॉम्पिटिशन लिए गए सैंपल में प्रतिबंधित दवा हाइजेनामाइन लेने का दोषी पाया गया है। दीपा के सैंपल 11 अक्टूबर 2021 को प्रतियोगिता के बाद गए थे। उन पर यह प्रतिबंध 10 जुलाई 2023 तक जारी रहेगा। गुजरात नेशनल गेम्स में भाग लेने वाले 10 खिलाड़ी डोप में फंसे हैं। इनमें मेडल जीतने वाले 7 खिलाड़ी भी शामिल हैं। इसमें पहली बार लॉन बॉल्स का खिलाड़ी भी दोषी पाया गया है। गुजरात नेशनल गेम्स में कुश्ती में मेडल जीतने वाले 3 पहलवान भी डोप में फंसे हैं। नेशनल डोप टेस्ट लैबोरेटरी की रिपोर्ट के अनुसार 97 किलो वेट में गोल्ड और सिल्वर जीतने वाले पहलवान भी डोप के दोषी पाए गए हैं। दोनों पहलवान हरियाणा के हैं। दीपांश ने गोल्ड और रवि राजपाल ने सिल्वर जीता था। दोनों पहलवान के सैंपल में स्टेरायड मिथेंडियोनॉन पाया गया है। पहलवानों के अलावा वेटलिफ्टिंग में मेडल जीतने वाले दो वेटलिफ्टर भी इसके दोषी पाए गए हैं। दो बार की गोल्ड मेडलिस्ट विजेता संजीता चानू, चंडीगढ़ की वीरजीत कौर डोप में फंसी हैं। दोनों ने गुजरात में रजत जीते थे। पहलवान और वेटलिफ्टर के अलावा 100 मीटर में ब्रॉन्ज जीतने वाली महाराष्ट्र की डियांड्रा स्टेरायड स्टेनोजोलॉल के लिए, लॉन बॉउल में सिंगल्स में सिल्वर जीतने वाले पश्चिम बंगाल के सोमेन बनर्जी डाइयूरेटिक्स, एपलेरेनॉन के लिए और फुटबाल में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली केरल की टीम के सदस्य विकनेश बीटा-2 एगोनिस्ट टरब्यूटालाइन के लिए पॉजिटिव पाए गए हैं।

हिमाचल में अब इंटरनेशनल फुटबाल स्टेडियम

बैकग्राउंड में धौलाधार की खूबसूरत पहाड़ियां; फूड कोर्ट-कमेंट्री बॉक्स और वीवीआईपी हॉल, 5 से 6 ब्लॉक

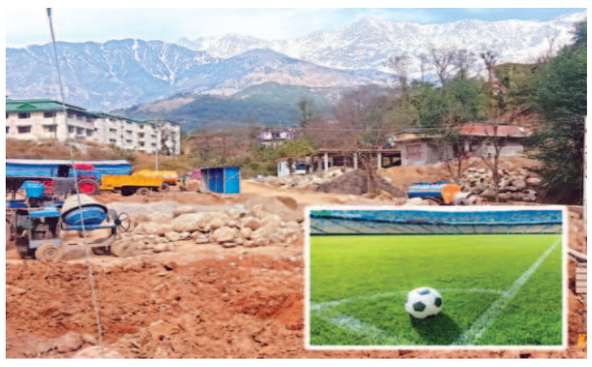

धर्मशाला, 4 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पहले से है, अब इंटरनेशनल फुटबाल स्टेडियम बनाया जा रहा है। कांगड़ा जिले के धर्मशाला में धौलाधार की खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बन रहा यह स्टेडियम इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के बिल्कुल पास ही है। स्टेडियम का निर्माण कार्य जारी है, जो मार्च 2023 तक पूरा करना प्रस्तावित है। दिसंबर 2023 तक स्टेडियम का उद्घाटन किए जाने का टारगेट है। मिली जानकारी के अनुसार, इस स्टेडियम में इंटनेशनल फुटबाल एकेडमी भी खुलेगी। स्टेडियम में 5 या 6 ब्लॉक होंगे, जिनमें फूड कोर्ट और कई अन्य सुविधाएं मिलेंगी। स्टेडियम में एक विशेष कमेंट्री बॉक्स, वीवीआईपी बॉक्स और ड्रेसिंग हॉल बनेगा। स्टेडियम को प्राकृतिक घास का मैदान दिया जाएगा और इसमें 4 फ्लड लाइट भी लगेंगी। स्टेडियम में वॉलीबाल, बैडमिंटन और बास्केटबाल कोर्ट भी होंगे।

स्टेडियम चरान स्थित इंटीग्रेटेड हाउस फॉर स्लम डेवलपमेंट प्रोग्राम भवन के पास की जमीन पर बनाया जा रहा है। स्टेडियमों के निर्माण पर स्मार्ट सिटी के तहत 6.48 करोड़ रुपए खर्च होंगे, जिनमें फुटबाल स्टेडियम पर 4.99 करोड़ और वॉलीबाल, बैडमिंटन और बास्केटबाल कोर्ट पर 1.49 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इन सभी स्टेडियमों का निर्माण 31 मार्च 2023 तक किया जाना प्रस्तावित है। बता दें कि पहले यह स्टेडियम तपोवन स्थित जोरावर स्टेडियम में बनाना प्रस्तावित था, लेकिन अब स्मार्ट सिटी की ओर से हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के क्रिकेट स्टेडियम के साथ लगती चरान खड्ड के पास वाली जमीन को समतल करके अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। खड्ड के किनारे सुरक्षा दीवार लगाने का काम भी चल रहा है।

शाहीन ने शाहिद अफरीदी की बेटी से शादी की

अंशा के साथ 2 साल पहले की थी सगाई

अलुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी शुक्रवार को शादी के बंधन में बंध गए। उन्होंने पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफरीदी की बेटी अंशा के साथ 3 फरवरी को कराची के एक मजिस्द में निकाह किया। शाहीन की शादी में पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम, शादाब खान और पूर्व कप्तान सरफराज अहमद समेत कई स्टार प्लेयर शामिल हुए। शहीन की शादी की फोटो और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

दो साल पहले हुई थी सगाई

शाहीन शाह ने दो साल पहले शाहिद अफरीदी की बेटी अंशा के साथ सगाई की थी। कोरोना और लॉकडाउन की वजह से निकाह नहीं कर पाए थे।

टी-20 वर्ल्ड कप दौरान हो गए थे चोटिल

शाहीन ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल मैच में फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। जिसमें बाद वह घर में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के साथ हुए टेस्ट और वनडे सीरीज से बाहर थे। फिलहाल वह पूरी तरह ठीक हैं और जल्द ही मैदान पर वापसी करेंगे।

टेस्ट में लिए है 99 विकेट

22 साल के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने 25 टेस्ट मैचों में 99 विकेट लिए हैं। वहीं 32 वनडे मुकाबले में 62 और 47 टी-20 मैचों में 58 विकेट ले चुके हैं। शाहीन जल्द ही लाहौर कलंदर्स के लिए पाकिस्तान सुपर लीग के आगामी आठवें संस्करण में खेलते दिखाई देंगे, जो 13 फरवरी से शुरू होने वाली है।

अश्विन से घबराई ऑस्ट्रेलियन टीम

उनके जैसे बॉलिंग एक्शन वाले महेश पीठिया के सामने बैटिंग की, स्टीव स्मिथ कई बार आउट हुए

अलुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई टीम 4 टेस्ट की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलने के लिए भारत आ चुकी है। नागपुर जाने से पहले मेहमान टीम बेंगलुरु के अलुर में प्रैक्टिस कर रही है। इसके कुछ फोटोज सामने आए हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया के प्लेयर्स रविचंद्रन अश्विन जैसे बॉलिंग एक्शन वाले महेश पीठिया के सामने प्रैक्टिस करते नजर आए। ऑस्ट्रेलियाई टीम पूरी तैयारी के साथ भारत आई है और स्पिनर्स के खिलाफ अपनी पिछली गलतियां दोहराना नहीं चाहती।

हाल ही में बिग बैश में स्टीव स्मिथ ने लगातार दो शतक जमाकर अपने फॉर्म को साबित किया है। लेकिन, भारतीय पिच पर उन्हें महेश पिठिया के सामने संघर्ष करना पड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक महेश ने स्मिथ को ट्रेनिंग के दौरान कई बार आउट किया।

स्पेशल ट्रैक पर कर रहे प्रैक्टिस

अलुर के मैदान में ऑस्ट्रेलिया ने स्पेशल पिच बनवाई है। इसे कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन (KCA) ने तैयार किया है। पिच में टर्न है और यह थोड़ी खुरदुरी भी है। ऐसी पिच भारत में अक्सर तीसरे या चौथे दिन तक हो जाती है। ऑस्ट्रेलिया को लगता है कि नागपुर टेस्ट में उसे इसी तरह की पिच मिलेगी।

अश्विन से क्यों घबराते हैं कंगारू?

आर अश्विन भारत में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ा खतरा है। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत में 8 टेस्ट मैच खेले। इनमें उन्होंने 50 विकेट लिए। सिर्फ हरभजन सिंह और अनिल कुंबले ही इस मामले में अश्विन से आगे हैं। ऐसे में अश्विन के जैसे एक्शन वाले बॉलर के सामने प्रैक्टिस कर ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर किसी भी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहते।

कौन हैं महेश पीठिया?

महेश पीठिया गुजरात के जूनागढ़ से हैं। वे बड़ौदा के लिए रणजी खेलते हैं। उन्होंने दिसंबर 2022 में ही रणजी डेब्यू किया है। पीठिया ने 11 साल की उम्र तक अश्विन को गेंदबाजी करते हुए नहीं देखा था। उन्होंने अश्विन को 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहली बार बॉलिंग करते हुए देखा और वहीं से उन्हें उनकी तरह बॉलिंग करने की इंस्पिरेशन मिली।

भारत के खिलाफ 4 टेस्ट खेलेगा ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया को टीम इंडिया के खिलाफ 4 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। 9 फरवरी को नागपुर में पहले टेस्ट के बाद 17 फरवरी से दिल्ली में दूसरा टेस्ट होगा। एक मार्च से धर्मशाला में तीसरा टेस्ट और 9 मार्च से अहमदाबाद में चौथा टेस्ट खेला जाएगा।

कर्नाटक 10 साल में छठी बार अंतिम-4 में

उत्तराखंड को पारी और 281 रन से हराया, सेमीफाइनल जीते तो 13वीं बार फाइनल में

बेंगलुरु, 4 फरवरी (एजेंसियां)। आठ बार की चैम्पियन कर्नाटक ने घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। टीम ने पिछले 10 साल में छठी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। हालांकि, पिछले साल कर्नाटक को क्वार्टर फाइनल में एक बार की चैम्पियन उत्तर प्रदेश ने 5 विकेट से हराया था। कर्नाटक सेमीफाइनल में जीत हासिल करती है तो 13वीं बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाएगी।

मौजूदा टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के चौथे दिन कर्नाटक ने उत्तराखंड को पारी और 281 रन से हराया। अब सेमीफाइनल में टीम का सामना सौराष्ट्र और पंजाब की विजेता टीम से होगा। मैच के चौथे दिन उत्तराखंड ने दूसरी पारी को 106/3 से आगे खेलना शुरू किया। टीम 73.4 ओवर में 209 पर आउट हो गई। स्वप्निल सिंह ने 51 की स्ट्राइक रेट से 100 गेंद पर 7 चौके और एक छक्के की मदद से टीम के लिए सबसे ज्यादा 51 रन बनाए। इनके आउट होने के बाद लगातार अंतराल में विकेट गिरते रहे।

कर्नाटक के लिए नाबाद शतकीय पारी खेलने वाले श्रेयस गोपाल प्लेयर ऑफ द मैच रहे। पहले खेलते हुए उत्तराखंड ने 116 रन बनाए थे, जबकि कर्नाटक ने पहली पारी में 606 रन बनाए थे।

पंजाब को मैच के आखिरी दिन आज सौराष्ट्र के खिलाफ जीत के लिए चाहिए 200 रन

मैच के अंतिम दिन पंजाब टीम को सौराष्ट्र के खिलाफ जीत के लिए 200 रन की जरूरत है, जबकि सौराष्ट्र को 8 विकेट की जरूरत है। मैच के चौथे दिन सौराष्ट्र ने दूसरी पारी को 138/4 से आगे खेलना शुरू किया। कप्तान अर्पित वसवडा (77), चिराग जानी (77) और प्रेरक मांकड़ (88) ने अर्धशतकीय पारी खेली। विनय चौधरी ने सबसे ज्यादा 7 विकेट लिए। 252 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट पर 52 रन बनाए।

पुखराज मान 17 और सिद्धार्थ कौल 2 रन बनाकर क्रीज पर थी। सौराष्ट्र के पार्थ ने दो विकेट लिए।

डिफेंडिंग चैम्पियन मप्र भी सेमीफाइनल में, अब 8 फरवरी से बंगाल से सामना होगा

डिफेंडिंग चैम्पियन मध्यप्रदेश ने आंध्र प्रदेश को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। 245 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मप्र ने 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। यश दुबे (58) और रजत पाटीदार (55) ने अर्धशतक बनाए। कुल सात विकेट लेने वाले पृथ्वी राज प्लेयर ऑफ द मैच रहे। अब 8 फरवरी से होने वाले सेमीफाइनल में टीम का सामना बंगाल से होगा। बंगाल ने झारखंड को 9 विकेट से हराया।

झारखंड की टीम दूसरी पारी में 221 रन पर आउट हो गई। 67 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बंगाल ने एक विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

विधायक अकबरुद्दीन और मंत्री केटीआर के बीच हुई जुबानी जंग

एमएलए ने पुराने शहर में विकास नहीं होने पर सवाल उठाए

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में विधानसभा सत्र के दूसरे दिन एआईएएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी और मंत्री केटीआर के बीच तीखी नोकझोंक हुई। सदन में बोलते हुए विधायक अकबरूद्दीन ने उर्दू को दूसरी आधिकारिक भाषा घोषित करने के बावजूद उसे पर्याप्त न्याय नहीं देने के लिए

राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने तेलंगाना सचिवालय में मस्जिद के निर्माण की स्थिति और हैदराबाद के उस्मानिया अस्पताल की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। विधायक ने हाईटेक सिटी में तेजी से हो रहे विकास के बावजूद पुराने शहर में विकास नहीं होने पर सवाल उठाए।

उन्होंने चारमीनार पैदल यात्री परियोजना और हैदराबाद मेट्रो परियोजना के पूरा होने की तारीख पर भी स्पष्टीकरण मांगा। विधायक अकबरुद्दीन ने सीएम केसीआर और अन्य मंत्रियों पर उन्हें मिलने नहीं देने का आरोप लगाया और कहा कि वह तेलंगाना के लोगों के लाभ के लिए निचले स्तर के कर्मचारियों से भी मिलने को तैयार हैं। मंत्री केटीआर ने कड़े प्रतिवाद के साथ जवाब देते हुए कहा कि बीएसी की बैठक में शामिल हुए बिना बोलना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि केवल सात सदस्यों वाली एमआईएम सत्र में बोलने के लिए बहुत अधिक समय ले रही है और उन्हें सलाह दी कि वे निर्धारित समय का पालन करें और सदन में नियमों का पालन करें।

विधानसभा में मंत्री केटीआर ने रखा भाजपा को निशाने पर

कहा- 'सबका साथ सबका विकास' नारा केवल बकवास

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा में आज मंत्री केटीआर के भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमत्री मोदी के खिलाफ मंत्री केटीआर तेवर काफी तल्ख थे। उन्होंने भाजपा को विभाजनकारी राजनीति आदि का जिम्मेदार ठहराते हुए उद्योग मंत्री के टी रामा रावने कहा कि तेलंगाना अपने समग्र, एकीकृत और समावेशी विकास के लिए राष्ट्र के लिए एक रोल मॉडल है। शनिवार को विधान सभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लगभग दो घंटे तक बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि पूरा देश तेलंगाना की ओर देख रहा है और लोग उनके नेतृत्व के लिए मुख्यमंत्री के चद्रशेखर राव की ओर देख रहे हैं। भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्षों में किसी अन्य नेता ने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए उतना प्रयास नहीं किया जितना मुख्यमंत्री ने किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार रैतू बंधु, रैतू बीमा, 24 घंटे मुफ्त बिजली आपूर्ति और कृषक समुदाय के लिए पर्याप्त पानी के प्रावधान को लागू कर रही है। असाधारण दृष्टि वाले असाधारण नेता ही इस तरह की उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। कोई भी प्रधानमंत्री या कोई राष्ट्रीय नेता कृषक समुदाय के लिए इस तरह के अभिनव और कल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ नहीं आया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने भाजपा विधायक रघुनंदन राव की टिप्पणी के लिए 24 घंटे के लिए कृषक समुदाय को मुफ्त बिजली की आपूर्ति नहीं करने पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में कृषि क्षेत्र में बिजली कनेक्शन 19 लाख से बढ़कर 27 लाख कनेक्शन हो गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार देश में किसानों को मुफ्त बिजली देने को तैयार नहीं है, लेकिन उसने 12 लाख करोड़ रुपये के कॉर्पोरेट ऋण माफ कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों का समर्थन करने के बजाय, भाजपा सरकार राज्य सरकारों को कृषि क्षेत्रों में पंप सेट के लिए मीटर लगाने का निर्देश दे रही है और राज्य सरकारों को बिजली सब्सिडी छोड़ने के लिए मजबूर कर रही है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने 'अब की बार किसान सरकार' के लिए अपने अभियान की घोषणा की थी । उन्होंने कहा कि सत्ता में रहने वालों की तुलना में लोगों की शक्ति अधिक थी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन एक उदाहरण था। जबकि तेलंगाना की बिजली उत्पादन क्षमता 2015 में 7778 मेगावाट से बढ़कर 18000 मेगावाट बिजली हो गई। गुजरात सरकार ने भी बिजली कटौती की थी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा के एक विधायक ने भाजपा सरकार को चेतावनी दी थी कि वह पर्याप्त बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर चल रहे किसान आंदोलन में शामिल होंगे। भारत को डबल इंजन शासन की आवश्यकता नहीं है। वास्तव में, इसे मुख्यमंत्री जैसे दूरदर्शी के नेतृत्व में दोहरे प्रभाव वाले शासन की आवश्यकता है। तेलंगाना सरकार ने दुनिया की सबसे बड़ी लिफ्ट सिंचाई प्रणाली का निर्माण किया है और हैद्राबाद को दो बार ग्रीन सिटी पुरस्कार मिला है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी स्थानीय और आत्मनिर्भर भारत के लिए वोकल पर सख्ती से प्रचार करते हैं, लेकिन मन की बात या किसी अन्य मंच के दौरान तेलंगाना की उपलब्धियों के बारे में उन्होंने कभी भी उल्लेख नहीं किया।

केंद्र सभी मुद्दों पर तेलंगाना को दे रहा है कानूनी समर्थन : रघुनंदन राव

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक एम. रघुनंदन राव ने आज दावा किया कि केंद्र सरकार ने हर मुद्दे पर तेलंगाना राज्य को हर तरह का कानूनी और वैधानिक समर्थन दिया है, जहां केंद्र के समर्थन की आवश्यकता होती है। उन्होंने राज्यपाल के अभिभाषण का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य को केंद्र सरकार का लगातार समर्थन राज्यपाल के अभिभाषण में भी झलकता है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार तेलंगाना में मेडिकल कॉलेजों और रेलवे कोच फैक्ट्री की स्थापना जैसे मुद्दों पर राज्य को अपना समर्थन दे रही है। राज्य विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए, राव ने आरोप लगाया कि कुछ जनप्रतिनिधि केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि वह तेलंगाना राज्य से अर्जित आय को आनुपातिक तरीके से लौटा रही है। केंद्र सरकार अपनी प्राथमिकताओं अर्थात देश के

विभिन्न राज्यों की जरूरतों को पूरा कर रही है। केंद्र सरकार की इस आलोचना का जिक्र करते हुए कि उसने राज्य को एक भी मेडिकल कॉलेज की मंजूरी नहीं दी है, उन्होंने कहा कि केंद्र देश के सभी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को शुरू करने के लिए एक नीति लेकर आया है और दावा किया कि केंद्र ने इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य में तेलंगाना राज्य के निर्माण से पहले कुछ मेडिकल कॉलेज थे, देश के अन्य राज्यों को प्राथमिकता के आधार पर मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में कृषि ऋण माफी का मुद्दा शामिल होता तो अच्छा होता। यह कहते हुए कि राज्य के बिजली विभाग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह 24 घंटे के लिए तीन चरण का करंट प्रदान कर रहा है, उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष के नेता दावा कर रहे थे कि वे चौबीसों घंटे बिजली की आपूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने के प्रावधान का मुद्दा राज्यपाल के अभिभाषण में शामिल किया जाना चाहिए था। राज्य के मंत्रियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री उन विधानसभा क्षेत्रों के एसीडीपी फंड का उपयोग कर रहे हैं जहां विपक्षी दल के विधायक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने मल्लन्ना सागर में मछुआरों को मछली पकड़ने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य के कई सरपंच अपने लंबित बिलों की मंजूरी नहीं मिलने के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। सीएम केसीआर पर निशाना साधते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने अपने गजवेल विधानसभा क्षेत्र को 890 करोड़ रुपये और सिद्दीपेट विधानसभा क्षेत्र को 790 करोड़ रुपये आवंटित करने के बाद भी अपने दुब्बाका विधानसभा क्षेत्र को एक रुपये का आवंटन नहीं किया और कहा कि सीएम अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रति भेदभाव दिखा रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार राज्य की राजधानी के बेघर परिवारों को डबल बेडरूम के घरों को मंजूरी नहीं दे रही है। उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि वह उन परिवारों को तीन लाख रुपये देने का अपना वादा कब पूरा करेगी जिनके पास खुद की जमीन है?

केंद्र के असहयोग के बावजूद सीएम कर रहे हैं तेलंगाना का विकास : कविता

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी एमएलसी के. कविता ने आज कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा असहयोग के बावजूद मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा राज्य का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केसीआर की दृष्टि और राज्य कौशल राज्य के विकास के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने यह भी कहा कि विकास के मामले में तेलंगाना देश के अन्य राज्यों के लिए आदर्श बन गया है। कविता ने ये बातें राज्य विधान परिषद में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेने के दौरान कही। उन्होंने कहा कि केसीआर अपने धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ राज्य को विकास के पथ पर ले जा रहे हैं। हाल ही में संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने तेलंगाना राज्य के विकास की स्थिति को एक उत्कृष्ट तरीके से उजागर किया था और कहा कि सीएम केसीआर के नेतृत्व के कारण ही राज्य का विकास हुआ।

कविता ने आरोप लगाया कि राज्य में विपक्षी दल भी मुख्यमंत्री के लिए बाधाएँ पैदा कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि उन्हें सीएम पर गर्व है, क्योंकि उन्होंने बाधाओं के बावजूद राज्य को विकास के पथ पर अग्रसर किया। उन्होंने कहा कि देश के लगभग 18 राज्यों ने तेलंगाना राज्य का दौरा किया था और केसीआर सरकार की कल्याणकारी और विकास योजनाओं का गहन अध्ययन किया है।

दिल्ली और पंजाब के मुख्यमंत्रियों अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान के तेलंगाना

सरकार के कांटी वेलुगु कार्यक्रम को अपने-अपने राज्यों में लागू करने के फैसले का जिक्र करते हुए कविता ने कहा कि यह सीएम केसीआर और राज्य के लिए गर्व की बात है। यह कहते हुए कि प्रति व्यक्ति आय को किसी भी राज्य के विकास को मापने के लिए एक मानदंड के रूप में माना जाता है, उन्होंने कहा कि राज्य की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2014 में 1,24,104 रुपये से बढ़कर वर्ष 2022 में 3,17,118 रुपये हो गई थी और कहा कि केसीआर के शासन ने प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कविता ने कहा कि उनकी पार्टी के शासन में राज्य में मातृ मृत्यु दर 92 से घटकर 43 प्रतिशत हो गई है और उन्होंने कहा कि केसीआर ने तेलंगाना में आंगनवाड़ी केंद्रों और आशा कार्यकर्ता प्रणालियों को मजबूत किया है और कहा कि राज्य में 35,700 आंगनवाड़ी केंद्र हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सीएम केसीआर ने आशा कार्यकर्ताओं के वेतन को बढ़ाकर 13,650 रुपये कर दिया है और कहा कि केंद्र कुल राशि में से केवल 2700 रुपये का भुगतान कर रहा है। उन्होंने परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी से परिषद के परिसर में कांटी वेलुगु शिविर आयोजित करने का आग्रह किया।

परिषद के अध्यक्ष तुरंत एमएलसी की सुविधा के लिए इसे आयोजित करने पर सहमत हुए।

रेल मंत्री ने 'कवच' के उत्कृष्टता केंद्र की समीक्षा की

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव ने भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग और दूरसंचार संस्थान (इरीसेट) में स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली, कवच के उत्कृष्टता केंद्र की गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तेज गति से प्रौद्योगिकी के प्रसार और स्वदेशी प्रणाली की

प्रभावकारिता में सुधार के लिए रणनीति बनाने का निर्देश दिया। मंत्री ने कवच उपकरण के लिए संस्थान में स्थापित प्रयोगशाला का भी दौरा किया। मंत्री को रेलवे स्टेशनों पर इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के साथ कवच के एकीकरण का प्रदर्शन किया गया। मंत्री ने संस्थान में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों से गुजर रहे 170 से अधिक इंजीनियरों के साथ बातचीत की।

उन्होंने उत्पादकता में सुधार और सेवाओं के वितरण में क्वांटम जम्प हासिल करने के लिए वृद्धिशील तरीके से काम करने में समस्याओं के समाधान की पेशकश करने के लिए बड़ा सोचने और दृष्टिकोण बदलने की आदत डालने की वकालत की। उन्होंने जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए समाधान खोजने के लिए विश्व स्तरीय आधुनिक तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता का आग्रह किया। उन्होंने कई तकनीकों और बुनियादी ढांचे के निर्माण की चुनौतियों पर प्रशिक्षुओं द्वारा उठाए गए कुछ प्रश्नों का भी उत्तर दिया। मंत्री ने दिन के शुरुआती भाग में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान (इरिसेन) पुणे में आयोजित मुख्य प्रशासनिक अधिकारियों के सम्मेलन में भाग लिया।

उन्होंने जोनल रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारियों को बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए अनिवार्य लक्ष्यों के उच्च स्तर को प्राप्त करने के लिए कार्य योजना के साथ आने की सलाह दी। इस दौरान रेल मंत्री के साथ महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे अरुण कुमार जैन, महानिदेशक, इरिसेट सुधीर कुमार प्रमुख रुप से उपस्थित रहे।

6 फरवरी से प्री-फाइनल परीक्षा : डीआईओ

आसिफाबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला माध्यमिक विद्याधिकारी डॉ. कुमरभीम आसिफाबाद जिले के शासकीय, शासकीय एवं निजी कनिष्ठ महाविद्यालयों में 6 फरवरी से प्री फाइनल परीक्षा कराने के लिए जिला माध्यमिक विद्याधिकारी डॉ. ने कहा है। श्रीधर सुमन ने आदेश दिया। इंटरमीडिएट बोर्ड द्वारा घोषित शैक्षणिक कलैण्डर के अनुसार सभी जूनियर कॉलेजों में प्रथम व द्वितीय वर्ष की परीक्षा छह से 13 फरवरी तक होगी। छात्रों को प्री-फाइनल परीक्षा आयोजित करने की सलाह दी जाती है।

उन्होंने कहा कि समय सारिणी की घोषणा छात्रों को पहले ही कर देनी चाहिए और उन्हें परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आंतरिक परीक्षाएं छात्रों के पढ़ने और लिखने के कौशल को सुधारने में उपयोगी होती हैं। यह सुझाव दिया जाता है कि इन परीक्षाओं के अंकों का पंजीकरण जिला स्तर पर समेकित किया जाएगा और छात्र प्री-फाइनल फीस में अच्छा प्रदर्शन करें।

स्वच्छता अभियान : जीएचएमसी ने 100 दिन की कार्य योजना तैयार की

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कचरा संग्रह और निपटान प्रक्रियाओं में सुधार लाने और हैदराबाद को कचरा मुक्त शहर बनाने की दिशा में, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) '100-दिवसीय कार्य योजना' लेकर आया है। निगम द्वारा एक एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली शुरू करने के बावजूद हाल ही में 2,500 कचरा-संवेदनशील बिंदुओं (जीवीपी) की पहचान के बाद स्वच्छता से संबंधित अतिरिक्त उपायों को शामिल करने की आवश्यकता उभरी। इसके बाद, नागरिक निकाय ने जीवीपी उन्मूलन हेल्पलाइन नंबर, इन संवेदनशील बिंदुओं की सीसीटीवी निगरानी और जीवीपी के लिए कमांड कंट्रोल सेंटर का संचालन करने का प्रस्ताव दिया है। लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए, जीएचएमसी ने 'बस्ती स्वच्छता समिति' बनाने और जीवीपी उन्मूलन अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। नए स्वच्छता उपायों के एक हिस्से के रूप में, खुले में डंपिंग से बचने के लिए संवेदनशील बिंदुओं पर, कंटेनर-आधारित स्थानांतरण स्टेशन तैनात किए जाएंगे और निगम ने उन लोगों को सम्मानित करने की भी योजना बनाई है जो आगे आते हैं और शहर को स्वच्छ रखने के अपने प्रयासों में शामिल होते हैं। जीवीपी के मूल कारण का आकलन करने के बाद, भारत के प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज (एससीटी) द्वारा '100-दिवसीय कार्य योजना' का सुझाव दिया गया था, और कई आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों को कवर करने वाले एक अध्ययन के माध्यम से बुनियादी ढांचे में अंतर था। अध्ययन जीएचएमसी द्वारा कमीशन किया गया था। कार्य योजना के तहत जोनल कमिश्नर सर्किल स्तर पर जीवीपी के खात्मे के लिए एक विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) की पहचान करेंगे और उन जगहों पर कर्मचारियों सहित निगम के संसाधनों को तैनात किया जाएगा।

आंध्र प्रदेश ने शिकायतों को हल करने के लिए 'जगनन्नकु चेबुदम' कार्यक्रम शुरू किया

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने अधिकारियों को जनता की शिकायतों को हल करने के उद्देश्य से 'जगन्नकु चेबुदम' कार्यक्रम शुरू करने का निर्देश दिया है। अमरावती में मुख्यमंत्री के कैंप कार्यालय में एक समीक्षा बैठक के दौरान, जगन ने शिकायतों के निपटान और अनुरोधों को हल करने तक उन पर नज़र रखने की प्रक्रियाओं पर चर्चा की।

उन्होंने आवेदन और शिकायतें प्राप्त करने, साप्ताहिक ऑडिट करने और कार्यक्रम की प्रगति की निगरानी के लिए मौजूदा कॉल सेंटरों को जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। सीएम जगन ने कहा कि जगन्नाकु चेबुदम मौजूदा स्पंदना कार्यक्रम में सुधार करेगा, लेकिन इसकी सफलता निगरानी इकाइयों की प्रभावशीलता पर निर्भर करती है। यदि संबंधित विभाग काम ठीक से पूरा करने में विफल रहता है तो लोग अनुरोधों और शिकायतों की रिपोर्ट कर सकेंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.